जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, बुधवार 17 अप्रेल, 2024

विचार बिन्दु

कहानी जहाँ खत्म होती है, जीवन वहीं से शुरू होता है। –संजीव

हाथ में हो या डिजिटल डिवाइस पर, किताबें रहेंगी पाठक रहेंगे!

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में कागजी किताबों, इलेक्ट्रॉनिक किताबों और ऑडियो बुक्स के पाठक साल 2030 तक अपने पसंदीदा साहित्य पर करीब 174 अरब रुपये खर्च करेंगे। हर साल करीब 40 लाख नई किताबें बाजार में आ रही हैं। इसके चलते पाठकों के पास विकल्पों की भरमार है। हमारे यहां भी किताबें खूब प्रकाशित हो रही है। हाल ही में जयपुर में एक लेखिका की छह किताबों का एकसाथ लोकार्पण हुआ तो बीकानेर में भी एक अन्य लेखिका की पांच किताबों का एकसाथ विमोचन हुआ। प्रतिदिन कहीं न कहीं से किसी न किसी की किताब के लोकार्पण की खबर पढ़ने को मिल ही जाती है। कई बार तो ऐसा लगता है कि किताबें छपने का ऐसा सुनहरा दौर शायद पहले कभी नहीं रहा। जब इतनी किताबें छप कर सामने या रही हों तब यह चिंता तो जरूर दूर हो जानी चाहिए कि स्मार्टफोन के समय में किताबों का ज़माना बीत गया। हमारे यहां उन किताबों की भी कमी नहीं जो लेखक अपनी जेब से खर्च करके छपवाता है। ऐसा करके साहित्यकारों की जमात का हिस्सा बनने की ललक भी कुछ लोगों में होती है। करीब 600 साल पहले योहानेस गुटेनबर्ग ने जर्मनी में प्रिंटिंग प्रेस का अविष्कार किया तब से दुनिया भर में बड़ी मात्रा में किताबें छपी हैं। गूगल के एक अध्ययन के मुताबिक, साल 1440 में प्रिंटिग प्रेस के अविष्कार से लेकर 2010 के बीच करीब 13 करोड़ हार्ड–बाउन्ड किताबें प्रकाशित हुईं। किताबों के जरिए जो ज्ञान लोगों तक पहुंचा वह मानवता के लिए वरदान ही साबित हुआ। लेकिन, पर्यावरणविदों की शिकायत है कि किताबें जिस कागज पर छपती हैं उसे बनाने के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाते हैं। जंगल के पेड़ वन्यजीवों के मददगार ही नहीं होते बल्कि हवा को भी स्वच्छ करते हैं और जलवायु परिवर्तन की वजह बन रहे कार्बन को थामने में सहायता करते हैं। ब्रिटेन की किताबें छापने वाली एक बड़ी कंपनी पेंगुइन रैंडम हाउस, जो हर साल लगभग 15 हजार किताबें प्रकाशित करती है, का दावा है कि अब वह अपनी किताबें छापने के लिए पर्यावरण मित्र कागज का इस्तेमाल कर रही है। उसकी एक अधिकारी बताती है कि उनकी किताबों में इस्तेमाल होने वाला सौ फीसदी कागज फॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल (एफएससी) से प्रमाणित है। यह काउंसिल टिकाऊ या दोबारा उग सकने वाली लकडी के पेड़ों की पैदावार का प्रबंधन करने का दावा करती है। मगर दूसरी तरफ कुछ विशेषज्ञ इस दावे को व्यावसायिक प्रचार कह कर खारिज करते हैं। ग्रीनपीस जैसे पर्यावरण समूह ने इस प्रकाशन संस्था पर ग्रीनवॉशिंग का आरोप लगाया है। ग्रीनवॉशिंग का अर्थ है किसी उत्पाद या सेवा के पर्यावरणीय फायदों के बारे में झूठे और भ्रामक बयान दिए जाना। प्रकाशन जगत के लोगों का कहना है कि उनके उद्योग से जलवायु पर होने वाले प्रभाव का 70 फीसदी से अधिक प्रभाव प्रिंटरों और पेपर मिलों की वजह से होता है। पेंगुइन रैंडम हाउस की अधिकारी का कहना है कि उनकी एक औसत किताब छपने की प्रक्रिया में 330 ग्राम कार्बन डाई ऑक्साइड पैदा होती है। इसमें ग्रीनहाउस गैसें भी शामिल हैं। यह एक कप कॉफी बनाने में पैदा होने वाले कार्बन जितना है। इस आंकड़े में एक किताब के छपने से लेकर उसके ग्राहक तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया शामिल है। इसमें मशीनों की कार्य कुशलता, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और स्याही की किस्मों की भी गणना की गई है। इसकी तुलना में अन्य प्रकाशकों की एक औसत पेपरबैक किताब जलवायु को तीन गुना अधिक प्रभावित करती है। यह करीब एक किलोग्राम कार्बन डाई आक्साइड और दूसरी ग्रीनहाउस गैस पैदा करती है। यह 122 स्मार्टफोन को चार्ज करने और दो कप कॉफी बनाने के बराबर है। किताबों के डेटा विश्लेषकों के अनुसार कागज निर्माण में आए नवाचारों ने किताब छपने से पैदा होने वाले कार्बन फुटप्रिंट को कुछ कम तो किया है लेकिन अब भी जलवायु पर उसका असर काफी ज्यादा है क्योंकि हर साल दुनिया भर में किताबों की लगभग 220 करोड़ कॉपियां बिकती हैं। अगर मान लिया जाए कि हर किताब से 330 ग्राम कार्बन डाई आक्साइड और दूसरी गैसें निकलती हैं, तो इस हिसाब से हर साल किताबों की वजह से सात लाख टन से ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड पैदा होती है। यह करीब डेढ़ लाख घरों को साल भर बिजली देने के बराबर है या, डेढ़ लाख गाड़ियों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के समान है।

नियमित तौर पर पढ़ने वालों के लिए एक ई-रीडर पर्यावरण के लिहाज से बेहतर विकल्प हो सकता है। अब हार्ड कॉपी के शौकीनों को सलाह दी जाने लगी है कि वे केवल वही किताबें खरीदें, जो वे वास्तव में पढ़ेंगे। यह भी सलाह दी जाती है कि किताबें पढ़ने के बाद उन्हें रिसाइक्लिंग के लिए भेज दी जाए।

फिर क्यों इतनी पुस्तकें छाप कर यह नुकसान किया जाय और क्यों नहीं किताबों को कागज से अलग करने की कोशिश की जाए? नई पीढ़ी में किताबें डिजिटल रूप में पड़ने की प्रवत्ति बढ़ रही है। यहां तक कि अब स्कूलों के बच्चे भी डिजिटल उपकरणों पर अपने पूरक पाठ पढ़ते हैं। फिर क्यों नहीं किताबें कागज पर कम और इलेक्ट्रॉनिक रीडिंग डिवाइस अधिक पढ़ीं जाए। इस डिवाइस का यह फायदा भी है कि इसमें हजारों किताबें आ सकती हैं। इससे ना सिर्फ जंगल बचते हैं, बल्कि लकडी से कागज बनाने में लगने वाली ऊर्जा भी बच जाती है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक किताबों को आसानी से किसी भी डिवाइस में क्षण भर में स्थानांतरित किया जा सकता है। ई–रीडर के बाजार में अमेजन डॉट कॉम सबसे बड़ा खिलाड़ी है जो अपने किंडल एप्प पर पढ़ने के जरिए हर साल करीब 48.7 करोड़ ई–बुक्स बेचता है। अमेजन के अनुसार हर महीने दुनिया भर में करीब 50 लाख लोग किंडल ऐप या डिजिटल डिवाइस पर किताबें पढ़ते हैं। यह तथ्य है कि हाल के वर्षों में युवा पाठकों में ई–बुक्स की लोकप्रियता बढ़ी है। एक अनुमान के अनुसार दुनिया में 2027 तक ई–बुक्स पाठकों की संख्या 110 करोड़ तक पहुंच सकती है। मगर क्या इससे पर्यावरण और जलवायु से संबंधित फायदे होंगे? डिजिटल उपकरणों के अपने कुछ नुकसान हैं। इनके उत्पादन में बहुत ज्यादा पानी और ऊर्जा का इस्तेमाल होता है। इनकी बैटरी बनाने के लिए कॉपर, लिथियम और कोबाल्ट जैसी दुर्लभ धातुओं और खनिजों का खनन होता है। ये उपकरण आमतौर पर प्लास्टिक से बने होते हैं, जो जीवाश्म ईंधन से प्राप्त होता है। किताबों की भांति यहां भी उनके उत्पादन चरण जलवायु सबसे ज्यादा प्रभाव करने के लिए जिम्मेदार है। ई–रीडर को इस्तेमाल करने के लिए उन्हें नियमित अंतराल पर चार्ज करना पड़ता है। कागज की किताबों के साथ यह समस्या नहीं होती। उनके लिए इंटरनेट कनेक्शन और चार्जिंग की जरूरत नहीं होती। किसी किताब की हार्ड कॉपी दशकों तक चल सकती हैं और कई लोगों के साथ साझा की जा सकती हैं। दूसरी तरफ, एक ई–रीडर तीन से पांच साल तक ही चलता है। किताबों का निस्तारण करना और रिसाइकल करना भी उतना जटिल नहीं होता। हालांकि, अमेजन जैसी कुछ कंपनियां अपने उपकरणों के लिए रिसाइक्लिंग कार्यक्रम चलाने लगी हैं, जिससे ई–कचरा ना बढ़े।

जापानी अध्येताओं का कहना है कि भौतिक और डिजिटल दोनों ही तरह की किताबों का पर्यावरणीय प्रभाव जटिल है। उन्होंने 2017 में पारंपरिक किताबों और ई–रीडर पर पढ़ने से होने वाले ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन पर एक तुलनात्मक अध्ययन किया जिसमें उन्होंने पाया कि अगर डिजिटल डिवाइस पर तीन साल के भीतर 15 या उससे ज्यादा किताबें पढ़ी जाएं, तो ई–रीडर जलवायु के लिए ज्यादा बेहतर साबित होता है। हालांकि, आईपैड के मामले में तीन सालों में 25 किताबें पढ़नी होंगी। इसका मतलब है कि किंडल पर साल में एक या दो किताबें पढ़ने से उत्सर्जन में ज्यादा कमी नहीं होगी। लेकिन जब पाठक दोनों ही माध्यमों से पढ़ेंगे तो क्या होगा? अध्यायनकर्ताओं का मानना हैं कि बहुत से लोग अब भी कागज की किताबें पढ़ना चाहते हैं, भले ही वे कुछ ई–बुक्स भी पढ़ते हों। लगभग 33 फीसदी अमेरिकी पाठक इसी श्रेणी में आते हैं। नियमित तौर पर पढ़ने वालों के लिए एक ई–रीडर पर्यावरण के लिहाज से बेहतर विकल्प हो सकता है। अब हार्ड कॉपी के शौकीनों को सलाह दी जाने लगी है कि वे केवल वही किताबें खरीदें, जो वे वास्तव में पढ़ेंगे। यह भी सलाह दी जाती है कि किताबें पढ़ने के बाद उन्हें रिसाइक्लिंग के लिए भेज दी जाए। मगर बहुत से लोग इसे किताबों के प्रकाशकों का अपने माल की बिक्री बढ़ाने का उद्यम करार देते हैं। उनके उद्यम में किस तरह की किताबें उनके लिए मुनाफे वाली साबित होती हैं जैसे सवाल के जवाब में बाजार में किताबों की बिक्री पर निगाह रखने वाले बताते हैं कि सेल्फ–हेल्प किताबों की बिक्री सबसे अधिक होती है। हमारे दैनिक जीवन के हर पहलू पर सलाह देने वाली किताबें बाज़ार में मिल जायेगी। सबसे ज्यादा कमाई करने वाली किताबें सबसे बोल्ड दावे करती हैं। सेल्फ–हेल्प पुस्तकों की प्रभावशीलता को अक्सर बढ़ा–चढ़ाकर पेश किए जाने की आलोचना की जाती है, मगर उनकी तासीर कुछ ऐसी होती है कि कोई यदि ऐसी किसी किताब को हाथ में उठा ले तो वह उसके पन्ने पलटते ही चला जाता है। पुस्तक प्रकाशन का उद्योग भी विपणन और प्रचार पर चलता है। ठीक से विपणन और प्रचार न हो तो पुस्तकों के रद्दी में परिवर्तित होने में देर नहीं लगती। तो क्या डिजिटल किताबें लक्षित लोगों तक पहुंचती है और हमें जंगलों और गर्म होती धरती को बचाने के लिए कागजी किताबों की बजाय ई–बुक्स पढ़ना शुरू कर देना चाहिए? जवाब आसान नहीं है क्योंकि डिजिटल किताबें जंगलों को तो बचाती हैं, लेकिन जहरीला इलेक्ट्रॉनिक कचरा भी पैदा करती हैं। कुछ भी हो हाथ में हो या डिवाइस पर, किताबें रहेंगी और उनके पाठक भी रहेंगे।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

प्रधानमंत्रीजी के चुनावी भाषणों से राजस्थानी भाषा मान्यता की उम्मीद बनती है

राजेन्द्र जोशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुनावी भाषा पर भरोसा करें तो लोकसभा चुनाव के बाद राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने की उम्मीद दिखाई दे रही है। पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राजस्थान की चुनावी सभाओं में राजस्थानी कहावतें एवं भाषा का खूब प्रयोग कर रहे हैं।

चुनावी सभाओं के दौरान जिस उत्साह से प्रधानमंत्री स्थानीय लोक देवताओं की जयजयकार के साथ राजस्थान के शूरवीरों की धरती को प्रणाम कर रहे है। प्रधानमंत्री मोदी को स्थानीय नेताओं ने लोक भाषा एवं लोक रंग में रंगने का आग्रह किया होगा, जिसको उन्होंने स्वीकार करते हुए चुनावी भाषा के साथ–साथ राजस्थानी भाषा से अपनापन दिखाने का प्रयास भी किया है । बाड़मेर की चुनावी सभा में उन्होंने यह कहा था की भाषा एवं धर्म के नाम पर पिछली कांग्रेस की सरकारें लोगो को बांटती रही । इससे यह उम्मीद बन सकती है कि जिस भाषा के नाम पर छलावा होता रहा शायद नरेन्द्र मोदी अब उस राजस्थानी भाषा के नाम पर छलावा नहीं होने देंगे। लम्बे समय से राजस्थानी भाषा की मान्यता के लिए आंदोलन होता रहा है। प्रधानमन्त्री जी के प्रत्येक वाक्य का अर्थ होता है वह बार–बार कहते रहे हैं कि समस्याओं को लम्बित रखकर कांग्रेस सरकार ने उलझा कर रखा। हम भी पिछली सभी सरकारों से राजस्थानी भाषा की मान्यता की मांग करते रहे जिसका समाधान किसी भी सरकार ने नहीं किया।

उन्होंने जब भाषा की बात की तो हमको थोड़ी उम्मीद बनती है कि प्रधानमंत्री कहते हैं कि भाषा और धर्म के नाम पर छलावा हुआ। राजस्थानी भाषा की मान्यता का समाधान भी नहीं हुआ यह बात हमारे स्थानीय सांसदों को प्रधानमंत्री जी को स्पष्ट करनी चाहिए।

राजस्थानी भाषा को किसी भी सरकार ने संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया। राजस्थान से नरेन्द्र मोदी को प्यार है और वह राजस्थान के नेताओं पर भरोसा भी खूब करते है इसका उदाहरण हमारे सामने है कि पिछले लोकसभा में लोकसभा अध्यक्ष राजस्थान के कोटा से आते है और राज्यसभा सभापति के रूप में भी राजस्थान के नेता को उन्होंने यह अवसर दिया। फिर वह जब यह कहते हैं कि हम भाषा और धर्म के नाम पर छलावा नहीं होने देंगे। ऐसे में राजस्थान के नवनिर्वाचित होने वाले उन पच्चीस लोकसभा सदस्यों की जिम्मेदारी बनती है कि वें आने वाली संसद में राजस्थानी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु हमारी मांग प्रधानमन्त्री जी को करेंगे। राजस्थान के नवनिर्वाचित सांसदों से उम्मीद की जाती हे कि नरेन्द्र मोदी जी को यह जरुर आग्रह करेंगे की राजस्थान की मीठी और अपनापन लिए हुए राजस्थानी भाषा है। खुद प्रधानमंत्री जी भी चुनावी सभा में राजस्थानी लोकोक्तियां, राजस्थानी शब्दों, राजस्थानी कहावतें एवं राजस्थानी भाषा में संवाद कर रहे है ।

–राजेन्द्र जोशी,
शिक्षाविद–साहित्यकार
लेखक
हिन्दी–राजस्थानी भाषा के लेखक है।

निवाई कृषि मण्डी में सौंफ की आठ हजार बोरी बिकने आई

व्यापारियों ने बताया कि मंडी में सौंफ के भाव 8 हजार से 11 हजार 500 रूपए रहे हैं

निवाई, (निसं)। कृषि मण्डी में इन दिनों नई सौंफ की आवक बढ़ गई है। जिससे मंडी परिसर सौंफ के ढेरों की सुगन्ध से महकने लगा है। मण्डी में जगह–जगह सौंफ के ढेर लगे हुए हैं। व्यापारियों ने सौंफ की बोली लगाकर खरीद की।

मण्डी व्यापारी शिवप्रकाश पारीक ने बताया कि मण्डी में सौंफ गंगापुर, बौंली, लालसोट, सपोटरा, गंगवाडा, उमर गांव, भरचून सहित कई क्षेत्र से सौंफ आ रही है। मण्डी में करीब आठ हजार से अधिक सौंफ की बोरियां बिकने के लिए आई है। व्यापारियों ने बताया कि मंडी में सौंफ के भाव 8 हजार से 11 हजार 500 रूपए रहे हैं। सरसों की बम्पर आवक के बाद अब मंडी में सौंफ की आवक बढ़ने से एक और मंडी की आय में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं मंडी में रौनक बनी हुई है। उन्होंने बताया कि मण्डी में सरसों, चना, गैहूं व जौ सहित कई जिन्से भी बिकने आ रही है। सौंफ की खरीद में अमित कटारिया, व्यापारी सुशील कोलाडा, संजय कठमाणा, अमित धामाणी, गिर्राज मौठूका, पप्पू कठमाणा, अखिल कटारिया, कपिल खण्डेलवाल, राजेन्द्र चौधरी कमल पहाडी, पदम सेदरिया, योगेश जैन, बन्टू जगतपुरा, राजेन्द्र टोडवाल, बन्टी कठमाणा सहित अनेक व्यापारी लगे रहे।

- **मण्डी में सरसों, चना, गैहूं व जौ सहित कई जिंसें भी बिकने के लिए आ रही है**

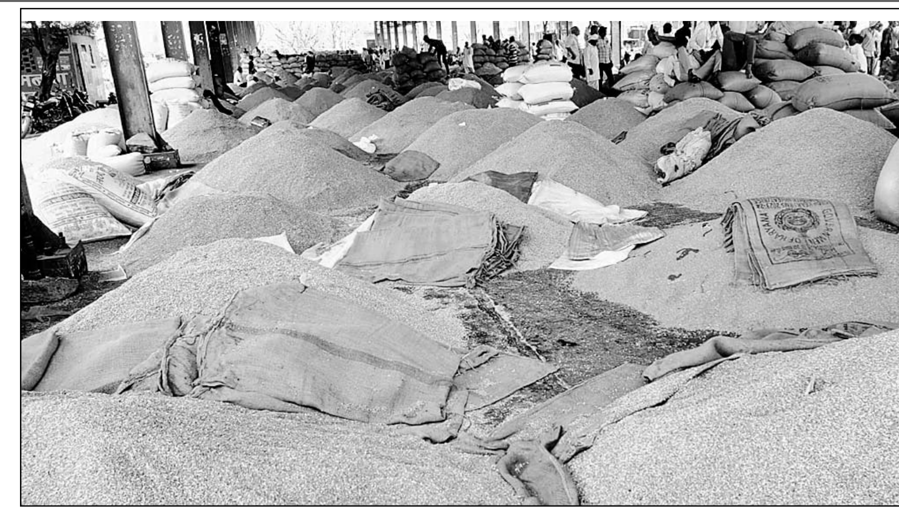
निवाई कृषि उपज मण्डी में नई सौंफ की व्यापारियों ने बोली लगाई।

ग्रामीणों ने पत्थरों से पीट-पीटकर लेपर्ड को मारा

वन विभाग की टीम लेपर्ड का शव सागवाड़ा वन विभाग के ऑफिस ले आई

डूंगरपुर, (निसं)। तालाब से नहाकर लौट रहे युवक को लेपर्ड ने हमला कर घायल कर दिया। बदले में गुस्साएं ग्रामीणों ने पत्थरों से पीट–पीटकर खाई में गिरे लेपर्ड की हत्या कर दी। वन विभाग की टीम अंतिम संस्कार के लिए लेपर्ड का शव सागवाडा वन विभाग के ऑफिस ले आई। घटना सागवाडा और धंबोला वन क्षेत्र के बॉर्डर पर मेवडा गांव का है।

मेवड़ा दरबार घाटी निवासी जयंतीलाल पुत्र कमलाशंकर मंगलवार सुबह करीब साढे आठ बजे तालाब पर नहाने गया था। नहाने के बाद जब वह वापस घर लौट रहा था। उसी समय पास की एक खाई में छिपे लेपर्ड ने उस पर हमला कर दिया। जिससे युवक घायल हो गया। हमले के बाद लेपर्ड फिर से खाई की ओर चला गया। युवक के चिल्लाने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और खाई में गिरे लेपर्ड पर पत्थर बरसाना शुरू कर दिया। जिससे लेपर्ड की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर डूंगरपुर डीएफ ओ रंगास्वामी और धंबोला रेंजर नरेश ननोमा और वन विभाग की अन्य टीम मौके पर पहुंची। टीम ने लेपर्ड के शव को खाई से बाहर निकाला और अपने साथ सागवाड़ा वन विभाग के ऑफिस ले आई। वन विभाग ने पशु चिकित्सकों को बुलाया है। जिनसे शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार किया जायेगा। मृत लेपर्ड मादा थी और दो माह की थी। वन विभाग मामले की जांच में जुटा है। इससे पहले फरवरी माह में वरदा वन क्षेत्र में भी ग्रामीणों ने एक लेपर्ड को घेरकर मार दिया था।

- **तालाब से नहाकर लौट रहे युवक पर लेपर्ड ने हमला कर घायल कर दिया था**

वन विभाग की टीम अंतिम संस्कार के लिए लेपर्ड के शव को सागवाडा वन विभाग के ऑफिस ले गई।

भारत से इटली तक साइकिल यात्रा पर निकले लिली व एरे

उदयपुर, (कासं)। भारत एक वृहद जैव विविधता वाला देश है। पर्यावरण की रक्षा तथा वनस्पतियों व जीवों के प्रति प्रेम यंहा की संस्कृति रही है। लेकिन विकास के नाम पर प्रकृति पर हो रहा आघात पीड़ादायी है। युवा वर्ग को प्रकृति अनुकूल जीवनशैली अपनाकर अपने कार्बन फुटप्रिंट को न्यूनतम करना चाहिए तथा पर्यावरण को समृद्ध बनाना चाहिए। यह विचार तमिलनाडु से इटली तक साइकिल यात्रा पर निकले लिली व एरे ने विद्या भवन पॉलिटेक्निक में आयोजित युवा पर्यावरण संवाद में व्यक्त किए।

लिली व एरे।

संवाद पॉलिटेक्निक की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, ग्रीन पीपल सोसायटी तथा सक्षम संस्थान के साझे में आयोजित हुआ। उल्लेखनीय है कि जर्मन मूल की तथा अपनी तीन वर्ष की उम्र से तमिलनाडु में रह रही लिली तथा इटली मूल के एरे अपने देशी प्रजाति के श्वान स्नूक के साथ तेरह हजार किलोमीटर की साइकिल यात्रा पर निकले हैं। वे लोगों को प्रकृति अनुकूल भवन निर्माण, देशी प्रजातियों को बचाने, प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का संदेश देते हुए एक स्थान से दूसरे स्थान जा रहे हैं। संवाद में ग्रीन पीपल सोसायटी के सुहेल मजबूर तथा डॉ. ललित जोशी ने कहा कि युवा वर्ग स्वयं में प्रकृति सेवा का भाव विकसित करें। प्रारंभ में प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता

- **लोगों को प्रकृति अनुकूल भवन निर्माण, देशी प्रजातियों को बचाने, प्लास्टिक का इस्तेमाल नहीं करने का संदेश देंगे**
- **जर्मन मूल की तथा तमिलनाडु में रह रही लिली तथा इटली मूल के हैं एरे**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 17 अप्रेल, 2024

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, आश्लेषा नक्षत्र गुरूवार प्रातः 7:57 तक, शूल योग रात्रि 11:50 तक, कौलव करण दिन 3:15 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मेष, चन्द्रमा–कर्क, मंगल–कुम्भ, बुध–मीन, गुरू–मेष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन–रात है। ज्वालामुखी योग दिन 3:15 से आरम्भ होगा। आज श्री रामनवती है, बसन्त नवरात्रा पूर्ण होंगे। आज स्वामी नारायण जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:16 तक, शुभ 10:51 से 12:26 तक, चर 3:37 से 5:13 तक, लाभ 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:05, सूर्यास्त 6:48

मेष
घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर
घर–परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक और धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज रचनात्मक कार्यों में समय व्यतीत होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 255 प्रभात जयपुर, बुधवार 17 अप्रेल, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

...Saving The Gainda

Lord Curzon mentions that the rhinoceros had disappeared everywhere, save in Assam, yet, he does not mention any personal intervention.

Working @ Odd Hours

A chaotic shift work schedule causes havoc on the employee and employer

संरक्षणविदों की एक टीम ने, युनिवर्सिटी ऑफ पोट्र्समथ के नेतृत्व में, स्थानीय लोगों की जानकारी की मदद से कैन्टॉर्स जायंट सॉफ्टशैल टर्टल (पैलोचेलीस कैन्टोरी) के प्रजनन स्थल को खोजने में सफलता पाई है। दक्षिण तथा दक्षिणपूर्व एशिया की नदियों में रहने वाले ये फ्रैशवॉटर टर्टल, इन्टरनैशनल यूनियन फॉर कन्ज़र्वेशन ऑफ नेचर (आई.यू.सी.एन.) की रैड लिस्ट में गंभीर रुप से संकटग्रस्त जानवरों की श्रेणी में वर्गीकृत हैं, जिनकी संख्या गिरती जा रही है। लेकिन अब टीम ने दक्षिण भारत में केरल की चंद्रगिरी नदी के तट पर इस दुर्लभ टर्टल को खोज निकाला है। युनिवर्सिटी ऑफ पोट्र्समथ के एक प्रवक्ता ने कहा, ''दुर्लभता और रहस्यमय स्वभाव के लिए जानी जाने वाली इस प्रजाति ने संरक्षणविदों को लंबे समय से बहुत आकर्षित किया है। आवास विनाश के कारण ये जीव अपने अधिकतर परिवेश से गायब हो गए हैं। स्थानीय लोग मांस के लिए इनका बहुत अधिक शिकार करते हैं और मछली के लिए डाले गए जाल में फंसने पर मछुआरे इन्हें मार डालते हैं।'' टीम का कहना है कि, स्थानीय गांववालों से बात करके टीम ने बहुत व्यवस्थित तरीके से इनकी साइटिंग के प्रमाण इकट्ठे किए और संरक्षण कार्य में स्थानीय समुदायों को भी शामिल किया। इसके परिणामस्वरुप पहली बार प्रजनन कर रही मादा टर्टल के बारे में लिखित प्रमाण तैयार किए गए तथा उन घोंसलों से अंडों को बचाया जा सका जहाँ पानी भर गया था। बाद में टर्टल शिशुओं को नदी में छोड़ दिया गया। ''ऑरिक्स'' जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन की लेखक डा. फ्रांसुआज़ कबादा ब्लांको ने कहा, ''भारत की जैवविविधता की पृष्ठभूमि में, सालों तक कैन्टोर टर्टल की मौजूदगी एक फुसफुसाहट के समान रही है, इनकी साइटिंग इतनी दुर्लभ है कि, लगता है मानो भूतकाल के किसी जीव की बात हो रही है। इनको ढूंढने के पारंपरिक तरीके फेल होने के बाद टीम ने स्थानीय लोगों से बातचीत शुरु की। इन लोगों ने ना केवल ऐतिहासिक साइटिंग्स की कहानियाँ बताईं बल्कि वर्तमान में ये कहाँ हो सकते हैं इसके बारे में सुराग दिए और जालों में फंसे टर्टल्स को वापस नदी में छोड़ने में मदद की।

हरियाणा में कांग्रेस की आपसी लड़ाई सोनिया गांधी के दरबार में पहुंची

लड़ाई एस.आर.के. (शैलजा, सुरजेवाला व किरण चौधरी) व हूडा के बीच है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। हरियाणा कांग्रेस इकाई की भारी अन्तर्कलह सोनिया गांधी के दरबार में पहुंच गई है। अन्तर्कलह हूडा बनाम एस.आर.के. के बीच है। एस.आर.के. यानि सैलजा, रणदीप सुरजेवाला और किरण चौधरी। पहले चरण का मतदान 19 अप्रेल को होने वाला है पर हरियाणा में अभी तक कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी ही तय नहीं किए हैं।

किरण चौधरी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात और शिकायत की कि उनकी बेटी श्रुति चौधरी को टिकट नहीं दिया जा रहा है। पूर्व सांसद श्रुति चौधरी विख्यात चौधरी बंसीलाल परिवार से है।

मुद्दा यहां राज्यसभा चुनाव में अजय माकन की हार का है जिसके लिए किरण चौधरी पर आरोप लगाया जा रहा है कि हो माकन की हार की जिम्मेवार है जबकि माकन राहुल गांधी के प्रत्याशी थे। तब किरण पर कोई एक्शन नहीं हुआ था और यह सिर्फ

- **मुद्दा है, किरण चौधरी की पुत्री श्रुति चौधरी को भिवानी से पार्टी का टिकट नहीं मिलना। वे भिवानी से सांसद रह चुकी हैं तथा बंसीलाल परिवार की महिला हैं और बंसीवाल का परिवार भिवानी को अपनी पुश्तैनी सीट मानता है।**
- **टिकट नहीं मिलने का कारण है, राहुल गांधी के उम्मीदवार, कांग्रेस के प्रत्याशी अजय माकन की राज्यसभा चुनाव में हार। इस हार के लिये किरण चौधरी को जिम्मेवार माना जाता है तथा किरण चौधरी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की तलवार लटकी हुई है, हालांकि अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है।**
- **पर, वर्तमान परिस्थिति में ए.आई.सी. सी. के दोनों महासचिव, सुरजेवाला व शैलजा, किरण चौधरी के साथ गुट बनाकर खड़ी हैं कि, भिवानी का टिकट श्रुति चौधरी को ही दिया जाये। गुट ने भारी हिम्मत दिखाकर हूडा के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है, हरियाणा की राजनीति में हूडा की मोनोपोली तोड़ने के लिये।**
- **सैन्ट्रल इलैक्शन कमेटी भिवानी की सीट पर उत्पन्न गतिरोध तोड़ने में अक्षम रही है, अतः मामला सुलझाने का काम सोनिया गांधी पर ही छोड़ा गया है और आशा है कि, सोनिया गांधी शीघ्र निर्णय लेंगी, क्योंकि हरियाणा में मतदान 25 मई को है।**

कांग्रेस में ही हो सकता है।

दो ए.आई.सी.सी. महासचिव सुरजेवाला और सैलजा चाहते हैं कि भिवानी सीट बंसीलाल के परिवार को मिलनी चाहिए। दोनों किरण चौधरी के साथ हैं और तीनों ने हूडा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, जबकि वे मानते हैं कि हरियाणा की राजनीति पूरी तरह से हूडा के कंट्रोल में है।

हरियाणा में दस लोकसभा सीटें है, इनमें से एक गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी को मिली है। बची 9 सीटों पर बात अटकी है क्योंकि प्रत्याशी के नाम पर सहमति नहीं बनी है।

मामला अब सी.ई.सी. के हाथ में नहीं है अब मामला सोनिया के पास है। समझा जाता है कि वे ही इस पर फैसला करेंगी।

सुप्रीम कोर्ट बैलट पेपर से मतदान के पक्ष में नज़र नहीं आया

सुप्रीम कोर्ट ने, एन.जी.ओ. के वकील प्रशांत भूषण से कहा, मतदान अगर बैलेट पेपर से कराया गया तो, मानव हस्तक्षेप बढ़ेगा मतगणना की प्रक्रिया में, जिसका अनुभव क्या रहा है, आप भी जानते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह वोट डालने के लिए बैलट पेपर के विकल्प पर जाने के पक्ष में नहीं है, इसको लेकर कहा कि इस कार्य में मानवीय हस्तक्षेप को बढ़ाने से समस्याएं ही उत्पन्न होंगी अतः प्रचलित व्यवस्था में भरोसा ओर विश्वास बनाए रखने का आव्हान किया और कहा कि इसे नीचे नहीं गिरने दें। बुधवार को रामनवमी का अवकाश होने के कारण अब इस मामले की अगली सुनवाई गुरूवार को होगी।

एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नामक एन.जी.ओ. की तरफ से उपस्थित वकील प्रशांत भूषण ने मतपत्रों के द्वारा वोट डालने की कवायद को पुनः शुरू करने की वकालत की,

- **प्रशांत भूषण ने फिर जर्मनी का उदाहरण देते हुए कहा कि, जर्मनी ने ई.वी.एम. से मतदान की प्रक्रिया छोड़ कर फिर बैलेट पेपर गिनने की प्रक्रिया अपना ली है।**
- **पर न्यायाधीश खन्ना व न्यायाधीश दीपांकर दत्ता प्रशांत भूषण के तर्क से सहमत नहीं हुए और कहा, जर्मनी में कुल पांच-छः करोड़ वोटर हैं, पर, हिन्दुस्तान में 97 करोड़। अतः हाथ से मतगणना की प्रक्रिया के बारे में नहीं सोचना चाहिये। हमें किसी न किसी पर तो भरोसा करना ही पड़ेगा, सिस्टम बदलना कोई अच्छा समाधान नहीं है।**
- **जजों ने सरकारी वकील से यह जरूर पूछा कि, अगर मतगणना के दौरान कोई धांधली सामने आयी तो क्या कोई सजा देने का प्रावधान है? अगर नहीं है तो, सख्त सजा का प्रावधान करिये, इससे धांधली करने पर रोक लगेगी।**

न्यायाधीश संजीव खन्ना की बैंच जिसमें न्यायाधीश दिपांकर दत्ता भी थे, ने कहा, ''हमें 60 वर्षों का अनुभव है। हम सब जानते हैं कि जब मतपत्रों से वोट डाले जाते थे तब क्या होता था, आप भूल सकते हैं परन्तु हम उन घटनाओं को नहीं भूल सकते।''

जब भूषण ने बूथों पर कब्जे का जिक्र किया तो न्यायाधीश खन्ना ने कहा ''हम बूथों पर कब्जे की बात नहीं कर रहे, इसमें कुछ और भी बातें हैं......मानवीय हस्तक्षेप के प्रयोग से समस्याएं ही उत्पन्न होंगी।''

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहा कि, ''सामान्यतया मानवीय हस्तक्षेप के उपयोग से समस्याएं ही खड़ी होती है, मानव में कमजोरियां हो सकती है जिसमें पक्षपात भी शामिल है। मशीन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुरजेवाला पर प्रतिबंध

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। चुनाव आयोग ने मंगलवार को कांग्रेस के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला पर कार्यवाही करते हुए उनके चुनाव प्रचार करने पर 48 घंटे की पाबंदी लगाई है, क्योंकि सुरजेवाला ने 31 मार्च को हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की सांसद हेमा मालिनी के

- **हेमा मालिनी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में चुनाव आयोग ने कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला पर दो दिन प्रचार नहीं करने का प्रतिबंध लगाया है।**

खिलाफ लिंगभेदी, अश्लील व अनैतिक टिप्पणी की थी।

आयोग ने उनकी इस टिप्पणी पर ऐतराज जताया था, सांसदों/विधायकों को जनता की आवाज़ उठाने के लिए निर्वाचित किया जाता है न कि हेमा मालिनी जैसे व्यक्ति को चाटने के लिए।

एक आदेश में आयोग के प्रधान सचिव नरेन्द्र बुटोलिया ने सुरजेवाला पर 16 अप्रैल की शाम 6 बजे से अगले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आयरलैण्ड में भारत के राजदूत को हटायें'

कांग्रेस ने सरकार के समक्ष यह डिमाण्ड रखी। कांग्रेस का आरोप है कि, राजदूत भाजपा के पदाधिकारी की तरह काम कर रहे हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। आयरलैंड में भारत के राजदूत अखिलेश मिश्रा द्वारा हाल ही में विपक्ष पर की गई आलोचनात्मक टिप्पणियों से नाराज़ कांग्रेस ने मंगलवार को उन्हें जमकर लताड़ा और कहा कि, राजदूत किसी ''पार्टी एपरैट्चिक'' (किसी राजनैतिक पार्टी के निष्ठावान सदस्य की तरह) की तरह बोल रहे थे और पार्टी ने राजदूत को ''अमर्यादित व्यवहार'' के लिए बर्खास्त कर देने की मांग की।

''आईरिश टाइम्स'' के एक संपादकीय लेख के प्रत्युत्तर में उन्होंने लिखा कि भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ''अपने बेदाग चरित्र, सच्चाई और अभिवन, समावेशी शासन और सतत विकास का कुशल नेतृत्व करने के कारण भारत ही नहीं समूचे विश्व में अभूतपूर्व लोकप्रियता और विशिष्ट स्थान प्राप्त है।'' मिश्रा ने आगे लिखा, ''भ्रष्टाचारी व्यवस्था (जो कि 55 वर्ष

- **राजदूत ने आइरिश टाइम्स में छपे एक लेख के जवाब में, अखबार को जो चिट्ठी लिखी, उसमें प्र.मंत्री मोदी के बारे में लिखा कि, मोदी भारत की जनता में अति लोकप्रिय हैं, केवल भारत में ही नहीं, विश्व में।**
- **''मोदी का चरित्र बेदाग है। उन्होंने अपनी ईमानदारी व लीडरशिप से सबको साथ लेने की प्रक्रिया का पूर्णता अनुसरण किया है।''**
- **'देश में आजादी के बाद तीस साल तक वंशवादी राजनीति के कारण, भ्रष्टाचार ने गहरी जड़ें जमा ली थी, उसको दूर करने के लिये जो संघर्ष मोदी कर रहे हैं, उससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ी है।'**

के शासन, जिसमें पहले 30 वर्ष, भारत की एक वंशवादी पार्टी के कारण उत्पन्न हुई) के विरूद्ध लड़ाई, मोदी की बढ़ती हुई लोकप्रियता का मुख्य कारक है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राजदूत की टिप्पणियों की निन्दा करते हुए कहा, ''भारतीय सरकार का बचाव करना एक बात है और उसकी अपेक्षा भी की जाती है, लेकिन एक पार्टी एपरैट्चिक की भांति विपक्ष पर खुलेआम हमला करना, एक राजदूत से अपेक्षित नहीं है, भले ही वह एक राजनीतिक नियुक्ति ही क्यों न हो।'' इसके बाद सोशल मीडिया एक्स पर रमेश ने कहा, ''मैं अपनी गलती मानता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लखनऊ के आदित्य ने यू.पी.एस.सी. मे टॉप किया

नई दिल्ली, 16 अप्रैल (वार्ता)। यूनियन पब्लिक सर्विसेज़ कमीशन (यू.पी.एस.सी.) की वर्ष 2023 की भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की परीक्षा में लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव को पहला स्थान हासिल हुआ है।

आयोग ने मंगलवार को परीक्षा

- **सिविल सेवा एग्जाम-2023 में दूसरा स्थान अनिमेष प्रधान और तीसरा स्थान दोनुरू अनन्या रेड्डी को मिला है।**

परिणाम घोषित किये, जिसमें दूसरा स्थान अनिमेष प्रधान और तीसरा स्थान दोनुरू अनन्या रेड्डी को मिला।

आयोग की ओर से जारी 1016 सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गयी है, इसमें भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय पुलिस सेवा, केन्द्रीय सेवाओं और समूह क और ख की सेवाओं के लिये चयनित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता सरकार की अर्ज़ी ठुकरायी

हाई कोर्ट ने कहा, रामनवमी के अवसर पर, शोभायात्रा निकालने पर प्रतिबंध लगाने के लिये ममता बनर्जी सरकार की अपील को स्वीकार नहीं किया जा सकता

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। संसदीय चुनावों में अब चन्द दिन ही शेष हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने एक और झटका दिया है। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार की इस याचिका को अस्वीकार कर दिया है कि हावड़ा और कोलकाता के उपनगरों में कल निकलने वाले रामनवमी के की शोभायात्राओं को प्रतिबंधित कर दिया जाए।

रामनवमी की शोभायात्राएं सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) और भाजपा के बीच एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुकी है।

कलकत्ता हाई कोर्ट ने अपने फैसले में टिप्पणी की है कि लोगों को अपने-अपने धार्मिक विश्वासों का अभ्यास करने और उनका पालन का अधिकार है, कोर्ट ने हालांकि रामनवमी पर निकाली जाने वाली शोभायात्राओं को लेकर कुछ शर्तें लागू की है।

राज्य में ऐसी 17 शोभायात्राएं निकाले जाने की योजना है और विभिन्न संगठन इसका आयोजन कर रहे हैं। इन संगठनों में विश्व हिन्दू परिषद और अंजनि पुत्र सेना शामिल है। हाई कोर्ट ने कहा कि यदि राज्य सरकार के पास पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल नहीं है तो वहाँ केन्द्रीय सुरक्षा बलों को तैनात किया जाना चाहिए।

बंगाल के उत्तरी जिलों का दौरा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सार्वजनिक रैलियों में इस मुद्दे का जिक्र किया, जबकि ममता बनर्जी ने भी मोदी के सभास्थल के समीप ही सभा की और पार्टी की आलोचना की।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि

- **न्यायालय ने तर्क दिया कि, जनता का अधिकार है, अपनी धार्मिक मान्यताओं व सोच के अनुसार, धार्मिक समारोह आदि आयोजन करने का।**
- **रामनवमी पर शोभायात्रा निकलें या ना निकालें, इस मुद्दे पर भाजपा व सरकार के बीच भारी मतभेद चल रहा था तथा नाक की लड़ाई जैसी बात हो गयी थी।**
- **भाजपा ने 17 शोभायात्रा निकालने का कार्यक्रम तय किया था। हाई कोर्ट ने इन यात्राओं की अनुमति तो दे दी, पर, साथ में पाबंदी लगायी की शोभायात्रा में 200 से ज्यादा व्यक्ति नहीं होने चाहिये।**

तृणमूल कांग्रेस राज्य में रामनवमी उत्सवों को नाकाम करने का षड़यंत्र रच रही है। पिछले वर्ष हावड़ा में आयोजित रामनवमी की कुछ शोभायात्राओं पर मुस्लिमों द्वारा हमला किया गया, जिसके बाद व्यापक हिंसा हुई थी। बाद में कलकत्ता हाई कोर्ट ने नैशनल इन्वैस्टिगेटिव एजेंसी (एन.आई.ए.) को यह जिम्मेदारी सौंपी कि वह हिंसा की जाँच कर अपनी रिपोर्ट उसे सौंपे।

भाजपा और तृणमूल कांग्रेस, दोनों ही इस बार अल्पसंख्यक वोटर्स को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, अल्पसंख्यक मतदाताओं का झुकाव ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस की तरफ रहा है, लेकिन अब लगता है कि यह वोट बैंक थोड़ा विभाजित हो गया है। ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा सार्वजनिक धन में घपलेबाजी की लगातार खबरों ने तृणमूल के अल्पसंख्या समर्थन में जमीनी स्तर पर एक विभाजन निर्मित कर दिया है। अल्पसंख्यक अब तृणमूल और विशेष रूप ममता बनर्जी के खिलाफ खुलकर आ गए हैं।

कुछ मुसलमानों को यह कहते हुए भी सुना गया है कि ममता बनर्जी मुस्लिम का वेश धरकर मुस्लिम समुदाय के कार्यक्रमों में आईं।

अल्पसंख्यकों के कुछ नेता वास्तव में भाजपा के बैनर तले एकत्रित भी हुए हैं और कुछ धार्मिक नेता यह बोल रहे हैं कि ममता वोट बैंक राजनीति के लिए अल्पसंख्यकों का इस्तेमाल कर रही है।

ज़मीनी वास्तविकता में जो बदलाव आया है वह हाई कोर्ट के पूर्व जज अभिजीत गांगुली के भाजपा खेमे में आने से प्रतीत होता है। गांगुली ने राज्य की जनता में एक संवेदना जागृत कर दी है। वह राज्य में उद्योगों की स्थापना, शैक्षणिक सुधार, नौकरियों के अधिक अवसर और सार्वजनिक धन के पारदर्शी उपयोग आदि पर खुलकर बोल रहे हैं।

वह जवाबदेही और भ्रष्टाचार उन्मूलन को लेकर सर्वाधिक मुखर रहे हैं। जस्टिस गांगुली ने शब्दों में कोताही बरते बिना तृणमूल को अपराधियों और चोरों की पार्टी बताया है। लगता है कि इससे भाजपा के प्रति व्यापक सहानुभूति पैदा हुई है।

'के.सी.आर. ने बेटी की आज़ादी का सौदा किया'

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रैड्डी की माने तो क्षेत्रीय पार्टी बी.आर.एस. एवं उसके प्रमुख के.

- **तेलंगाना के मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी की मानें तो पूर्व मु.मंत्री के. चन्द्रशेखर राव ने भाजपा से सौदा किया है कि, उनकी बेटी, जो दिल्ली शराब नीति कांड में जेल में है, की रिहाई के बदले वे भाजपा को तेलंगाना से 5 सीटों पर जीत दिलवाएंगे।**

चन्द्रशेखर राव ने भाजपा के साथ एक सौदेबाजी की है। उसके अन्तर्गत वह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

2014 से पहले आर्थिक उन्नति को लेकर आशाहीन था देश : निर्मला सीतारमण

'पिछले दस सालों में पी.एम. मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा'

- 'वित्त वर्ष 2023-24 की तीनों तिमाही में वृद्धि दर प्रति तिमाही 8 प्रतिशत या उससे ज्यादा रही है'
- सीए फाउंडेशन की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन और व्यवसायिक संवाद को किया संबोधित
- प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि, ''ईआरसीपी और पीकेसी लिंक समझौते को लेकर गहलोत ने प्रदेश की जनता को किया गुमराह, भाजपा ने 100 दिन की कार्य योजना में किया समझौता''

जयपुर। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की ओर से आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन और होटल क्लार्क में आयोजित व्यवसायिक संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि देश 2014 से पहले आर्थिक उन्नति को लेकर आशाहीन था। पिछले दस सालों में देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा है, और निराशा दूर हुई है। देश के हर वर्ग में सकारात्मकता का भाव है। अंतिम तिमाही में अर्थव्यवस्था में 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि अपने आप में रिकॉर्ड है। यह बताता है कि भारत किस गति से ग्रोथ करना चाहता है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी आने के बाद हर महीने चार्टर्ड अकाउंटेंट और प्रोफेशनल्स को इंतजार रहता है कि इस महीने जीएसटी का कलेक्शन कितना रहा। उन्होंने कहा कि अभी भाजपा ने जो संकल्प पत्र जारी किया है, उसमें भी हमने रिफॉर्म्स और ट्रांसफॉर्म की बात कही है। आपने देखा होगा वित्त वर्ष 2023-24 की तीनों तिमाही में प्रति तिमाही वृद्धि दर 8 प्रतिशत या उससे ज्यादा रही है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही तो वहीं चौथी तिमाही में भी इसी लेवल की वृद्धि दर की हम अपेक्षा कर रहे हैं। निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2023-24 में औसत वृद्धि दर टिकाऊ आर्थिक वृद्धि दर है। हम अपने ऊपर आत्मविश्वास बनाए रखते हुए आगे बढ़ सकते हैं। जैसे पूरी दुनिया में पिछले तीन साल से लगातार हम सबसे तेज वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं। उसी तरह आने वाले सालों में भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि आर्थिक नीति, व्यापक आर्थिक स्थिरता, स्थिर सरकार, स्थिर टैक्स नीति और सरकार के टेंडर तथा खरीदारी आदि पारदर्शी तरीके से होने की वजह से आज भारत की अर्थव्यवस्था की विदेशों में भी बहुत साख है। आज भारत में निवेशक आ रहे हैं और भविष्य की उम्मीदों के साथ निवेश कर रहे हैं।

वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एक जहां भाजपा के संकल्प पत्र को विकसित भारत 2047 का विजन पत्र बताया वहीं दूसरी ओर पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस पार्टी पर चुनाव के समय वोट के लिए झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भाजपा सरकार ने 100 दिन की कार्य योजना पर काम करते हुए ईआरसीपी और पीकेसी लिंक योजना समझौता किया। जबकि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में जल की भारी किल्लत होने के बावजूद इस महत्वपूर्ण योजना को लटकाए रखा। मेरी नजर में अशोक गहलोत पहले ऐसे सीएम है जिन्होंने पानी जैसे महत्वपूर्ण विषय को गंभीरता से नहीं लिया और ईआरसीपी योजना को अटकाने का काम किया।

वहीं भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रुपए तक का इलाज निःशुल्क देने का वादा किया है। राजस्थान में पीएम सूर्य घर योजना की व्यापक संभावनाएं हैं। इससे जनता को मुफ्त बिजली के साथ ही रूफ टॉप पर सोलर पैनल लगाकर अतिरिक्त आय बढ़ाने का अवसर भी मिलेगा।

प्रेसवार्ता के दौरान मंच पर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ अल्का गुर्जर, भाजपा के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ मौजूद रहे।

बसपा से जीते दोनों विधायक शिवसेना (शिंदे) में शामिल हुए

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में दोनों विधायक विधायक न्यांगली और जसवंत गुर्जर सोमवार को मुंबई पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करवाई।

- 2008 और 2018 में भी बसपा से जीतकर सभी विधायकों ने थाम लिया था कांग्रेस का हाथ

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान में बसपा का आंकड़ा फिर शून्य हो गया है। 2008 और 2018 की तरह एक बार फिर बसपा से जीतने वाले विधायकों ने दूसरी पार्टी का दामन थाम लिया है। बसपा प्रमुख मायावती की राजस्थान में होने वाली एकमात्र चुनावी सभा से पहले बसपा को लोकसभा चुनाव 2024 से राजस्थान में बड़ा झटका लगा है। इस बार बसपा टिकट पर जीतने वाले दो विधायक मनोज न्यांगली और जसवंत गुर्जर शिवसेना (शिंदे) में शामिल हो गए हैं।

विधायक न्यांगली और जसवंत गुर्जर शिवसेना शिंदे गुट में हुए शामिल हो गए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में दोनों विधायक शामिल हुए। दोनों विधायक अचानक सोमवार को मुंबई पहुंचे, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना की सदस्यता ग्रहण करवाई।

न्यांगली चूरू संसदीय क्षेत्र की सादुलपुर और जसवंत गुर्जर धौलपुर के बाड़ी से विधायक हैं। इस मौके पर बसपा के राजस्थान प्रमुख लखनसिंह पंवार और शिवसेना पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस मौके पर न्यांगली ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार में हुए विकास कार्यों से प्रभावित होकर उन्होंने शिवसेना ज्वाइन की। एकनाथ शिंदे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि भाजपा और शिवसेना के गठबंधन के चलते न्यांगली ने ये बड़ा फैसला लिया है। चूरू लोकसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में न्यांगली प्रचार करेंगे। राजस्थान में मायावती की पार्टी बसपा के दो ही विधायक बचे थे जो कि अब शिवसेना में शामिल हो गए हैं।

इससे पहले 2008 और 2018 में राजस्थान से बसपा से जीते छह विधायक कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इस दौरान अशोक गहलोत की राजस्थान में सरकार थी। एक साथ जब 6 विधायकों ने बसपा छोड़ी तो बसपा की स्थिति राजस्थान में कमजोर हो गई थी। बुधवार 17 अप्रैल को अलवर में मायावती की सभा होने से पहले उनको बड़ा झटका लगा है।

समर्थन मूल्य योजना में चना, सरसों खरीद की पंजीयन सीमा बढ़ायी

जयपुर, (का.सं.)। प्रबन्ध निदेशक, राजफैड़ ने बतलाया कि राज्य में दलहन-तिलहन (चना, सरसों) की खरीद के लिए कृषक पंजीयन की सीमा को 10 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इस निर्णय से चने, सरसों के लिए कुल 68386 किसानों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा। बढ़ी हुई पंजीयन सीमा का लाभ किसान दिनांक 18 अप्रेल 2024 से प्राप्त कर सकेगें।

प्रबन्ध निदेशक राजफैड़ एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियॉ द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार द्वारा सरसों खरीद हेतु 14,61,028 मै.टन एवं चना खरीद हेतु 4,52,365 मै.टन के लक्ष्य स्वीकृत किये गये है। आज प्रातः तक राज्य में सरसों के 2 लाख 52 हजार 319 एवं चने के 33 हजार 282 कुल 2 लाख 85 हजार 601 पंजीयन हो चुके है। सरसों विक्रय हेतु 52547 को एवं चना विक्रय हेतु 13877 कुल 66424 किसानों को दिनांक आवंटित की जाकर 20675 किसानों से लगभग 44665 मै.टन सरसों-चना राशि 252 करोड़ रुपये का क्रय किया जा चुका है।

भारत सरकार द्वारा सरसों-चना का घोषित समर्थन मूल्य क्रमशः 5650 एवं 5440 का लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से किसान भाईयों से यह भी अनुरोध है कि वह संबंधित क्रय केन्द्र/ई-मित्र के माध्यम से आवश्यक दस्तावेजों सहित यथा (गिरदावरी, बैंक पासबुक, जन-आधार कार्ड) पंजीयन शीघ्र करवायें।

दी सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक के प्रबंध निदेशक समेत कई लोगों के ठिकानों पर ए.सी.बी. के छापे

आरोपी के.के.मीणा के जयपुर आवास से भूखंडों के 131 पट्टे, 740 ग्राम सोना, 3.90 किलो चांदी और 7 लाख रु. के डायमण्ड आभूषण, एक बैंक लॉकर और 5 बैंक खाते मिले हैं

ए.सी.बी. को शिकायत मिली थी कि के.के.मीणा ने जसाराम वरिष्ठ प्रबंधक (रिटायर्ड) एवं उनके पुत्र प्रवीण मीणा के मार्फत 40 लाख रु. रिश्वत लेकर अपने परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की अलग-अलग टीमों ने मंगलवार को दी सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के.के.मीणा व अन्य के विरूद्ध दर्ज भ्रष्टाचार के प्रकरण में आरोपियों के जालौर और जयपुर में स्थित तीन विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमन्त प्रियदर्शी ने बताया कि ब्यूरो मुख्यालय को एक शिकायत प्राप्त हुई थी कि, के.के.मीणा तत्कालीन प्रबंध निदेशक दी सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, जिला जालौर (हाल निलंबित) द्वारा जसाराम वरिष्ठ प्रबंधक (रिटायर्ड) एवं उनके पुत्र प्रवीण मीणा के मार्फत रिश्वत के रूप में 40 लाख रुपए प्राप्त कर अपने परिचितों के बैंक खातों में ट्रांसफर की है। शिकायत का सत्यापन कर भ्रष्टाचार का मामला बनना पाए जाने पर प्रकरण दर्ज कर सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में कई टीमें मंगलवार अलसुबह आरोपियों के जयपुर एवं जालोर स्थित तीन ठिकानों पर दबिश देकर तलाशी ली गई।

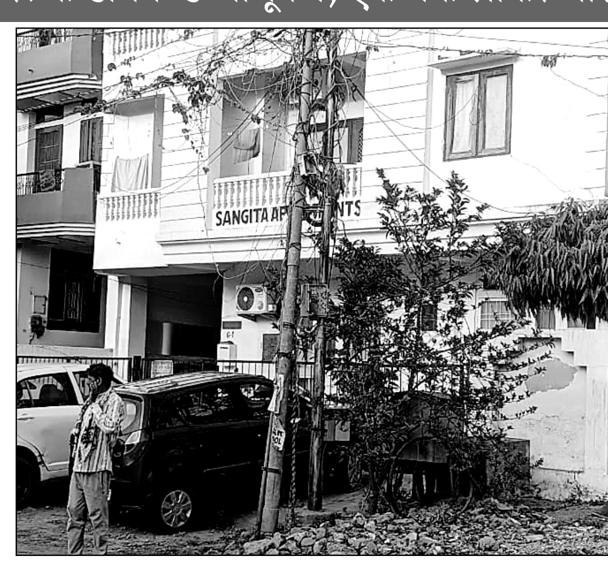

दी सेन्ट्रल को ऑपरेटिव बैंक के तत्कालीन प्रबंध निदेशक के.के.मीणा समेत अन्य लोगों के विरूद्ध दर्ज भ्रष्टाचार के प्रकरण में एसीबी ने जालौर और जयपुर में स्थित तीन विभिन्न ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

तलाशी में आरोपी के.के.मीणा के जयपुर स्थित आवास से आवासीय भूखण्डों के 131 पट्टे, 740 ग्राम सोने के आभूषण, 3.90 किलो ग्राम चांदी एवं 7 लाख रुपए के डायमण्ड आभूषण मिले हैं। इसके अतिरिक्त 1 बैंक लॉकर एवं 5 बैंक खाते भी मिले हैं। संदिग्ध जसाराम वरिष्ठ प्रबंधक (रिटायर्ड) के जालोर स्थित आवास से तलाशी में 52 लाख रुपए की एफडी, 22 तोला स्वर्ण आभूषण, 4 किलो ग्राम चांदी तथा 2 लाख रुपए की नकदी मिली है।

ब्यूरो के प्राथमिक आकलन एवं अब तक मिले दस्तावेजों के अनुसार आरोपी के के मीणा द्वारा अनेक परिसंपत्तियां अर्जित करने का अनुमान है, जो उनकी वैध आय से अधिक है। एसीबी की विभिन्न टीमों द्वारा आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान जारी है। मामले में एसीबी द्वारा आय से अधिक सम्पतियां अर्जित करने का प्रकरण पृथक से पीसी एक्ट में दर्ज किया गया है।

देवनानी ने विधायक आवास परिसर का किया निरीक्षण

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधायक आवास परिसर का निरीक्षण किया। देवनानी ने बताया कि विधायक आवास परिसर में सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। परिसर में डेयरी और डिपार्टमेन्टल स्टोर सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की कार्यवाही शीघ्र आरम्भ की जायेगी। देवनानी ने परिसर में पार्किंग व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में चिकित्सा व्यवस्थाओं और बैंकिंग सुविधाओं के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिये। विधानसभा अध्यक्ष ने कैमरों के संचालन, मिनी थियेटर, जिम, रेस्टोरेन्ट, अतिथि गृह में भी आवश्यक व्यवस्थाओं में विस्तार किये जाने के लिए कहा। इस मौके पर प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, सम्पदा प्रबंधक पृथ्वी सिंह सहित चिकित्सक व अधिकारी मौजूद थे।

आम सूचना मेरे अभिभाष्यगण श्री हजारी लाल शर्मा पुत्र स्व. श्री रामनाथ, श्रीमती मुन्नी देवी पत्नि श्री हजारी लाल, ज्योति शर्मा पुत्री हजारी लाल शर्मा, रेणु शर्मा पुत्री हजारी लाल शर्मा, निवासीगण प्लाट नम्बर 393, लक्ष्मी नगर, मगोड़ी वालो की बगीची ब्रह्मपुरी रोड़, जयपुर के साईनशुदा चैक बुक एवं साईनशुदा खाली पाई पेपर, पेन कार्ड, आई.सी.आई. बैंक खाता संख्या-676101461740, 676101454445, 676101426718, 679001421607, पंजाब नेशनल बैंक खाता संख्या 2976000100166187, 2976000100004391, 2976000100053665, बैंक ऑफ बड़ौदा खाता संख्या 011501000026976, घर से चोरी हो गये है, जिसकी रिपोर्ट संख्या 24/2024 थाना ब्रह्मपुरी जयपुर में दर्ज है। कोई भी दीगर व्यक्ति उक्त कागजात का दुरुपयोग करेगा तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
जयपुर (के.आर.बैरवा) एडवोकेट
दिनांक-16/4/24 मो.नं.9414083756

एस.के.फाइनेंस लिमिटेड
(CIN : U65923RJ1994PLC009051)
पंजीकृत कार्यालय: जी 1-2, न्यू मार्केट, खासा कोठी सर्किल, जयपुर- 302001 टोल फ्री: 1800 1039 039
ई-मेल: info@sfkin.in
खोया-पाया
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पति मकान नं 67/215, ब्लॉक नं-67, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर राज. क्षेत्रफल 121.20 वर्गगज स्थित है। उक्त सम्पति सर्वप्रथम श्री रमेश जैतावत को राजस्थान आवासन मंडल, जयपुर द्वारा दिनांक 20.04.1995 को नियमानुसार आवंटित हुई थी। उक्त सम्पति पर एस. के फाईनेन्स लिमिटेड से सम्पति बंधक ऋण प्राप्त किया गया है। उक्त ऋण की सम्पूर्ण अदायगी के पश्चात सम्पति के मूल दस्तावेजात लौटाये जाने हेतु निकाले गये तो उक्त सम्पति के संबंध में श्री रमेश जैतावत द्वारा मोहम्मद अली के पक्ष में निष्पादित असल रजिस्टेड विकय पत्र दिनांक 14.05.2013 का प्रथम पेज नहीं पाया गया। इसके बाबत् एस. के. फाईनेन्स द्वारा दिनांक 12.04.2024 को प्राथमिकी संख्या एल.आर. 2135374/2024 भी दर्ज करवा दी है। सर्वसाधारण को उक्त सम्पति के उक्त असल रजिस्टेड विक्रय पत्र दिनांक 14.05.2013 के गुमशुदा के प्रथम पेज, विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करे अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी।

कार्यालय तहसीलदार (भू.अ.) कोटपूतली
क्रमांक-भू.अ./24/1477 दिनांक-08.04.2024
विज्ञप्ती
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में मूल खातेदार हजाम बक्श उर्फ अलीशेर पुत्र अबीज जाति मुसलमान व जुलाई कुरतर अमीम पुत्र अबीज जाति मुसलमान निवासी बड़ाबास, कस्बा कोटपूतली जिला कोटपूतली - बहरोड के द्वारा आ. ख.न.1410,1411,1412,1413,1414, 1415,1416,1417,1446,1447, 1448,1449,1450,1451,1452 में वाके मोजा बासडी तहसील कोटपूतली में स्वयं के हिस्से की भूमि को जरिये विरास्त खुलवाने बाबत इस न्यायालय में विचाराधीन है इस संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति उज्र हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के समक्ष उपस्थित होकर उज्र प्रस्तुत कर सकता है।
आज्ञा से-तहसीलदार (भू.अ.)
तहसील-कोटपूतली (कोटपूतली-बहरोड)

सीनियर रेजीडेंट का निलंबन निरस्त

कांवटिया अस्पताल प्रसव प्रकरण

- मल्टीपल ड्यूटी रोस्टर के कारण पैदा हुई थी असमंजस की स्थिति
- पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी गठित

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने हरिबक्श कांवटिया अस्पताल प्रसव प्रकरण में सीनियर रेजीडेंट डॉ. सुषमा का निलंबन निरस्त किया है। साथ ही ड्यूटी रोस्टर में गफलत के कारण डॉ. सुषमा के निलंबन को लेकर उत्पन्न हुई स्थिति तथा पूरे प्रकरण की पुनः जांच के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है।

उल्लेखनीय है कि हरिबक्श कांवटिया अस्पताल में एक महिला का 3 अप्रेल को अस्पताल परिसर में प्रसव हो गया था। इस प्रकरण की जांच में प्रथम दृष्टया सीनियर रेजीडेंट डॉ. सुषमा को भी दोषी मानते हुए निलंबित किया गया था। बाद में डॉ. सुषमा ने अभ्यावेदन प्रस्तुत कर बताया कि ड्यूटी रोस्टर के अनुसार उनकी फ्लोर ड्यूटी प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक थी। यह प्रकरण 3 अप्रेल को शाम करीब 6.30 बजे घटित हुआ। उस समय डॉ. सुषमा ऑन कॉल ड्यूटी पर थी और जूनियर डॉक्टर द्वारा सूचित करने पर अस्पताल पहुंच गई थी।

प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक मेडिकल कॉलेज, जयपुर की रिपोर्ट में डॉ. सुषमा को प्रकरण घटित होने के समय फ्लोर ड्यूटी पर अनुपस्थित होना बताया गया। डॉ. सुषमा के अभ्यावेदन पर पुनः जांच में पाया गया कि वह घटना के समय ऑनकॉल ड्यूटी पर थी और सूचना मिलने पर अस्पताल में उपस्थित भी हो गई थी। प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक मेडिकल कॉलेज जयपुर की पुनः जांच के बाद प्रेषित रिपोर्ट में इस स्थिति से अवगत करवाया गया। इसके बाद अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देश पर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने डॉ. सुषमा का निलंबन वापस लेने के आदेश जारी कर दिए हैं। साथ ही ड्यूटी रोस्टर को लेकर पैदा हुई असमंजस की स्थिति तथा पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए नई कमेटी का गठन किया है।

अतिरिक्त मिशन निदेशक, एनएचएम, अरूण गर्ग की अध्यक्षता में गठित इस कमेटी में उप निदेशक चिकित्सा शिक्षा खेमाराम यादव, महिला चिकित्सालय जयपुर की वरिष्ठ आचार्य डॉ. आशा वर्मा एवं डॉ. ज्योत्सना व्यास तथा जनाना अस्पताल की आचार्य डॉ. अदिति बंसल सदस्य होंगे। यह कमेटी 7 दिन में प्रकरण में जांच कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

हाईकोर्ट ने बजरी चोरी मामले की जांच सी.बी.आई. को दी

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश में बजरी के अवैध खनन और उसके परिवहन से जुडे मामले में प्रशासन की ओर से कार्रवाई नहीं करने पर नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा है कि लगता है कि यहां पुलिस और खान विभाग की बजरी माफिया से मिलीभगत है। इसके साथ ही अदालत ने बूंदी के सदर थाने में दर्ज बजरी चोरी के मामले की जांच सीबीआई को दी है। अदालत ने सीबीआई निदेशक को कहा है कि वह प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करे। इसके अलावा अदालत ने कहा है पर्यावरण हितों को देखते हुए सीबीआई को यह स्वतंत्रता दी जाती है कि वह बनास और चंबल नहीं के आसपास के समान मामलों में बजरी माफियाओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर में जांच कर चार सप्ताह में अपनी रिपोर्ट पेश करे। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी जब्बार की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि राज्य सरकार बजरी माफिया के खिलाफ कागजी अभियान चलाते हैं और जब कार्रवाई की बात आती है तो कुछ नहीं किया जाता। जिससे जाहिर है कि इनकी आपसी मिलीभगत है। ऐसा लगता है कि अफसरों को कोई परवाह ही नहीं है। यहां तक की मामले में कोर्ट को भी गुमराह करने का प्रयास किया गया। जांच अधिकारी न तो स्वयं पेश हुए और ना ही उनकी ओर से एक्शन रिपोर्ट पेश की गई। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक की ओर से केस डायरी को भी व्यवस्थित नहीं रखा गया।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरी पुत्री अनव्या (Anavya) का नाम बदलकर अनव्या शर्मा (Anavya Sharma) कर लिया है भविष्य में मेरी पुत्री का नाम अनव्या शर्मा (Anavya Sharma) पुत्री अजय कुमार शर्मा, जी-1 विराट-7, प्लाट नं. 53ए हीराबाडी निवारु रोड, झोटवाडा, जयपुर पढा जावे।

मैंने अपना नाम कमलेश महावर से बदलकर कमलेश कुमार महावर रख लिया है। भविष्य में मुझे मेरे नये नाम कमलेश कुमार महावर पुत्र श्री कस्तुर चंद कोली के नाम से जाना पहचाना जावे। निवासी-178, गोवर्धनपुरी, कच्ची बस्ती, जयपुर, राजस्थान

I Hav Shri Ram Swami Service no-15689878A S/O Bhagwanaram Swami R/O Ward no. 9, village-Bhadwari, Tehsil- Khandela, District- Sikar Rajasthan- 332708 have changed my wife's name From Mamtha Devi to Mamta Devi in all my service records for all future purposes.

I MICHAEL KHAN S/O Late Sh. A. A. Khan, P-7 Shiv heera path, chomu house, Jaipur changed my surname as MICHAEL JOHN Also my wife surname from ANJALI KHAN to ANJALI MICHAEL

I army no 15762337K Ex Hav (OFC) ramji lal S/O mala ram R/O plot no 14 green nagar A new loha Mandi road macheda jaipur that have changed my son name From as AKASH is wrong entered in service record To AAKASH SAINI (DOB 18/5/2006) vide affidavit dated 15 apr 2024 before district notary Jaipur

पेप्सिको इंडिया कंपनी पर 9500 रुपए का हर्जाना

- कुरकुरे के पैकेट से कम नमकीन निकलने को आयोग ने सेवादोष माना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, प्रथम ने कुरकुरे के सीलबंद पैकेट में तय 45 ग्राम नमकीन नहीं निकलने को गंभीर सेवा दोष और अनफेयर ट्रेड करार दिया है। इसके साथ ही आयोग ने पेप्सीको इंडिया होल्डिंग कंपनी पर 9500 रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने कंपनी को कहा है कि वह दो पैकेटों की 20 रुपए की राशि परिवाद दायर करने की तारीख 20 जून 2016 से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को भुगतान करे। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश मुकेश हरदासानी के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने अपने घरेलू कार्यक्रम केलिए कुरकुरे के दस पैकेट सौ रुपए में खरीदे थे। उसने आठ पैकेट काम में ले लिए और जब बाकी दो पैकेट खोले तो उनमें नमकीन का वजन 45 ग्राम की बजाय 3 व 2 ग्राम ही था। वह जब पैकेटों को बदलवाने गया तो विक्रेता ने मना कर दिया और कहा कि इनकी पैकेजिंग व निर्माण में उसका कोई योगदान नहीं है। उसने यह पैकेट डीलर से खरीदे थे और वह नमकीन के पैकेट में कम मात्रा के लिए जिम्मेदार नहीं है। इस पर परिवादी ने विक्रेता और निर्माता कंपनी के खिलाफ उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

जयपुर में फरारी काट रहा दस हजार का इनामी बदमाश दबोचा

- पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की जयपुर के भांकरोटा में कार्रवाई

जयपुर। पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स टीम ने जयपुर के भांकरोटा इलाके में फरारी काटने आए चित्तौड़गढ़ जिले में वांटेड दस हजार रुपये के इनामी अपराधी प्यार चन्द खटीक निवासी जोयड़ा बावड़ी थाना आकोला जिला चित्तौड़गढ़ को डिटेन किया है। इसे चितौड़गढ़ जिले के थाना चंदेरिया से आए पुलिसकर्मियों को सुपुर्द कर दिया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एमएन ने बताया कि गिरफ्तार दस हजार के इनामी बदमाश प्यार चन्द खटीक के विरुद्ध थाना आकोला जिला चित्तौड़गढ़ में अवैध मादक पदार्थ व अवैध शराब की तस्करी, मारपीट एवं संपत्ति संबंधी अपराध के दस आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

पुलिस मुख्यालय की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स टीम ने जयपुर के भांकरोटा इलाके में फरारी काटने आए अपराधी प्यार चन्द खटीक को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि 27 अक्टूबर 2023 को चित्तौड़गढ़ जिले की मण्डफिया थाना पुलिस की टीम ने एक टेंपो से मक्की के कट्टों की आड़ में तस्करी किया जा रहा 1 किलो 319 ग्राम एमडीएमए मौली पाउडर जप्त कर चालक भंवरलाल खटीक पुत्र हीरा लाल निवासी मंगलवाड जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार किया था। भंवरलाल के परिजनों द्वारा एसपी चित्तौड़गढ़ और उदयपुर रेंज आईजी को शिकायत दी की इसे झूठे केस में फंसाया गया है।

जांच में मण्डफिया एसएचओ यशवंत सिंह की भंवरलाल खटीक के रिश्तेदार व हिस्ट्रीशीटर पोखर खटीक निवासी चिकारडा थाना मण्डफिया हाल मंगलवाड़ से मिलीभगत पाई गई। इसके बाद एसएचओ यशवंत सोलंकी को सस्पेंड कर षड्यंत्र के फरार आरोपी पोखर खटीक व प्यार चन्द पर इनाम घोषित किया गया था।

इस कार्रवाई में एएसआई बनवारी लाल व हेड कांस्टेबल हेमंत कुमार की विशेष भूमिका व कांस्टेबल जितेंद्र कुमार का तकनीकी सहयोग रहा। टीम का कुशल नेतृत्व इंस्पेक्टर रविंद्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। टीम के सदस्य मनोज कुमार, गंगाराम व देवेंद्र सिंह का सहयोग रहा।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, वानिकी पथ क्र. सं. 4, जयपुर महानगर - द्वितीय
CNR-RJJTIA0013542019
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध मैसर्स अभिनव फार्मा
वाद-बाबत वसुली वाद सं. 78/20 CIS 599/19
बनाम : -1) मैसर्स अभिनव फार्मा जरिए प्रोप्रायटर रामवीर सिंह तंवर पुत्र छगन सिन्ह तंवर, शॉप/ऑफिस नं.4, प्लॉट नं. 40, राम नगर B, झोटवाडा, जयपुर 302012
2) रामवीर सिंह तंवर पुत्र छगन सिन्ह तंवर प्रोप्रायटर मैसर्स अभिनव फार्मा प्लॉट नं. 121-ए, बाल विहार कालोनी, कालवाड रोड, झोटवाडा, जयपुर- 302012
वादी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत वसुली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में दिनांक 21.05.2024 को दिन में 8:00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा, या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 04 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय क्र. सं. 4 जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, वानिकी पथ क्र. सं. 4, जयपुर महानगर - द्वितीय
CNR-RJJTIA0012202019
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध मैसर्स चावलवाला मधुबाला फुडस
वाद-बाबत वसुली वाद सं. 578/2019 CIS 136/19
बनाम : -1) मैसर्स चावलवाला मधुबाला फुडस जरिए प्रोप्रायटर श्रीमती मधुबाला भारद्वाज पत्नि महेन्द्र प्रकाश - B-9, चित्रकूट स्टेडियम, वैशाली नगर, जयपुर 302021
2) श्रीमती मधुबाला भारद्वाज पत्नि महेन्द्र प्रकाश प्रोप्राइटर मैसर्स चायवाला मधुबाला फुड्स-स्थाई निवासी पता- 379, गैस गोदाम के पास, दौलत नगर, बूंदी-323001, अस्थाई निवासी पता-1-3, 38-39, भेरूजी रेसिडेंसी, वैशाली नगर, जयपुर 302021
वादी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत वसुली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में दिनांक 14.05.2024 को दिन में 10:00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा, या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 22 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय क्र. सं. 4 जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, वानिकी पथ क्र. सं. 4, जयपुर महानगर - द्वितीय
CNR-RJJTIA0031382021
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध मैसर्स एस एस स्टोन इंडिया
वाद-बाबत वसुली वाद सं. 05/20 CIS 301/21
बनाम : -1) मैसर्स एस एस स्टोन इंडिया जरिए प्रोप्रायटर भगवान सिंह पुत्र सत्य नारायण सिंह, व्यवसाय पता- H1-292, रीको इंडस्ट्रियल एरिआ, सरना डूंगर, जयपुर 302012 (मोबाईल नम्बर 8947065159), 2) भगवान सिंह पुत्र सत्य नारायण सिंह प्रोप्रायटर मैसर्स एस एस स्टोन इंडिया, निवास पता 167, भट्टो कि गली, रामपुरा, तहसिल आमेर जयपुर 303701
वादी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत वसुली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में दिनांक 03.07.2024 को दिन में 10:30 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा, या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 04 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय क्र. सं. 4 जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय, वानिकी पथ क्र. सं. 4, जयपुर महानगर - द्वितीय
CNR-RJJTIA0010282020
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरुद्ध मैसर्स सुमन साडीज
वाद-बाबत वसुली वाद सं. 54/20 CIS 126/20
बनाम: -1) मैसर्स सुमन साडीज जरिए प्रोपरायटर घनशाम जाट पुत्र शंकर लाल जाट, व्यवसाय पता- शॉप नम्बर 28, नीर सागर-बी, मार्केट, भांकरोटा, अजमेर रोड के पास, जयपुर 302026, 2) घनशाम जाट पुत्र शंकर लाल जाट प्रोपराइटर मैसर्स सुमन साडीज, निवासी- दादर वालो की ढाणि, नेवटा नोटा, जयपुर 302029
वादी ने आपके विरूद्ध वाद बाबत वसुली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में दिनांक 14.05.2024 को दिन में 8:00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिए गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा, या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह आज दिनांक 02 माह 04 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय क्र. सं. 4 जयपुर

आचार संहिता लागू होने के बाद राजस्थान जब्ती के मामले में देश में नंबर-1 बना

लोकसभा चुनाव में वर्ष 2019 के मुकाबले सीजर इस बार 1390 प्रतिशत बढ़ा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान में स्वतंत्र, निष्पक्ष, भय मुक्त और प्रलोभन मुक्त चुनाव कराने के लिए नकदी सहित अन्य संदिग्ध वस्तुओं की जब्ती की जा रही है। प्रदेश की अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में की गई जब्ती का आंकड़ा 800 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि सीजर के मामले में राजस्थान ने इस बार नया रिकॉर्ड बनाया है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, राजस्थान जब्ती के मामले में देश में पहले स्थान पर है। राजस्थान में अब तक 778 करोड़, गुजरात में 605 करोड़, तमिलनाडू में 460, महाराष्ट्र में 431, पंजाब में 311, कर्नाटक में 281, दिल्ली में 236, पश्चिम बंगाल में 219, बिहार में 155 और उत्तर प्रदेश में 145 करोड़ रु. की जब्तियां की गई हैं।

टॉप-10 राज्य (करोड़ों में)

राज्य	जब्ती
राजस्थान	778.53
गुजरात	605.34
तमिलनाडू	460.85
महाराष्ट्र	431.35
पंजाब	311.84
कर्नाटक	281.43
दिल्ली	236.07
प.बंगाल	219.60
बिहार	155.77
उत्तरप्रदेश	145.77

गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 की आचार संहित लागू होने के बाद 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई संदिग्ध वस्तुओं की कीमत 712 करोड़ रुपये से ज्यादा है। वर्ष 2019 के लोकसभा आम चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता की पूरी अवधि के दौरान कुल 51.42 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी सहित अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई थी। इस बार यह आंकड़ा प्रथम चरण के मतदान से पूर्व ही 700 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। राजस्थान में जब्ती के मामले में 1390 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

■ **प्रदेश में अवैध शराब, नकदी और अन्य सामग्री की जब्ती का आंकड़ा 800 करोड़ रुपये के पार पहुंचा**

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2019 में आचार संहिता की अवधि के दौरान 6.81 करोड़ रुपये की नकदी, 13.92 करोड़ रुपये की शराब, 7.8 करोड़ के सोना-चांदी व अन्य कीमती धातु, 15.57 करोड़ रुपये की ड्रग्स और 7.32 करोड़ रुपये कीमत की फ्रीबीज सहित अन्य संदिग्ध वस्तुएं जब्त की गई थीं। लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत आचार संहिता लागू होने से अब तक 35.84 करोड़ रुपये नकद, 35.34 करोड़ रुपये की शराब, 41.34 करोड़ रुपये की कीमती धातु, 74.82 करोड़ रुपये की ड्रग्स एवं 525.43 करोड़ रुपये कीमत की फ्रीबीज सहित अन्य अवैध सामग्री जब्त की गई हैं। गुप्ता ने बताया कि 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 812.77 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी सहित अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की गई है।

गुप्ता ने बताया कि देश में 4658 करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड जब्ती हुई है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी प्रेस विज्ञिप्त के अनुसार, लोकसभा आम चुनाव के 75 साल के इतिहास में इस बार देश में सर्वाधिक जब्ती की गई है। एक मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी सहित अन्य संदिग्ध सामग्री जब्त की जा रही है। अब तक कुल 4,658.16 करोड़ रुपये मूल्य की जब्ती की गई है। इसमें 395.39 करोड़ रुपये नकद, 489.31 करोड़ रुपये की शराब, 2068.85 करोड़ रुपये की ड्रग्स, 562.10 करोड़ रुपये कीमती धातु और 1,142.49 करोड़ रुपये की फ्रीबीज सहित अन्य संदिग्ध वस्तुएं शामिल हैं।

नौकरी लगाने वाली गैंग का नेटवर्क पडौसी राज्यों में भी

जयपुर। फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट से सैकड़ों लोगों को सरकारी नौकरी लगाने वाली गैंग का नेटवर्क राजस्थान ही नहीं, बल्कि पड़ौसी राज्यों में भी फैला हुआ था। यूट्यूब चैनल देखकर पड़ोसी राज्यों के लोग भी इस गैंग के पास आया करते थे, ताकि सरकारी नौकरी के लिए डिग्री ली जा सके। इस मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के टारगेट पर प्राइवेट यूनिवर्सिटी के प्रिंसिपल सहित अन्य टीचर भी शामिल है। गिरोह के सभी छह आरोपितों को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इनको सोलह अप्रैल तक रिमांड पर लिया गया था।

इस गिरोह ने अलग-अलग जगहों पर कमीशन पर एजेंट बना रखे थे, जो अभ्यर्थियों के लिए फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट लेने के लिए आते थे। यू-ट्यूब चौनलों के जरिए ये लोग कमजोर अभ्यर्थियों के संपर्क में आते और उनकी जरूरत को देखकर ये लोग फर्जी डिग्री ही नहीं डमी कैंडिडेट की भी व्यवस्था किया करते थे।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि गिरोह की ओर से फर्जी डिग्री, फर्जी मेडल और बैक डेट में एडमिशन दिलाने का काम किया जाता है। मामले में आरोपित सुभाष पूनिया, उसके बेटे परमजीत और प्रदीप शर्मा को गिरफ्तार किया। इसके अलावा सीबीईओ ऑफिस में यूडीसी मनदीप सांगवान, उच्च माध्यमिक स्कूल देशनोक (बीकानेर) में यूडीसी जगदीश और फर्जी डिग्री प्रिंट करने वाले राकेश कुमार निवासी सरदारशहर (चूरू) को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी 50 हजार से 2 लाख तक रुपए में फर्जी डिग्री धड़ल्ले से बेच रहे थे।

■ **फर्जी डिग्री और सर्टिफिकेट से सैकड़ों लोगों को सरकारी नौकरी लगाने का मामला**

चुनावी ड्यूटी के चलते एसओजी की कार्रवाई थोडी धीमी पड़ी है। मौजूदा समय में सबसे बड़ी परेशानी फोर्स की है। एसओजी के ऑफिसर इस समय चुनाव ड्यूटी पर लगे हुए हैं। इसके कारण गिरफ्तारी और कार्रवाई रुकी हुई है। चुनाव के बाद दोबारा से एसओजी एक्शन मोड़ पर दिखाई देने वाली है। एसओजी अभी उन लोगों को ही गिरफ्तार कर रही है, जिनके भागने की संभावना है। फर्जी डिग्री देने वाले लोग बिना यूनिवर्सिटी की मिलीभगत के इतना बड़ा काम नहीं कर सकते हैं। आने वाले दिनों ने प्राइवेट यूनिवर्सिटी पर एसओजी एक्शन करेगी।

डीआईजी एसओजी परिस देशमुख ने बताया कि खास बात यह है कि मनदीप ने अपनी पत्नी सुमन समेत 200 से ज्यादा लोगों को फर्जी डिग्री, खेल प्रमाण पत्र और मेडल के जरिए पीटीआई सहित अन्य नौकरियां लगवा दी।

एसओजी ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार किया तो फर्जी डिग्री डमी कैंडिडेट खेल प्रमाण पत्र के जरिए पीटीआई की नौकरी हासिल करने वाली मनजीत की पत्नी सुमन और उसके अन्य रिश्तेदार गणपत लाल, विक्रम, नरेंद्र सिंह फरार हो गए। खेल कोटे से होने वाली भर्ती में किसी भी प्रकार की कोई कमी रह जाती थी तो यह शख्स फर्जीवाड़ा कर उन कमियों को दूर करते और उनको सरकारी नौकरी लगने का दावा भी करते थे।

हवाई गर्जनाओं के साथ आज प्रगटेंगे राम लला

जयपुर (कासं)। चांदपोल स्थित रामचंद्रजी मंदिर में हवाई गर्जनाओं के साथ राम लला का प्राकट्य होगा। सुबह 5:30 बजे ठाकुर जी की मंगला आरती, 7:30 बजे धूप आरती, 8 बजे श्रृंगार आरती होगी। सुबह 11 बजे राम लला का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। अभिषेक करने के बाद बधाई उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। दोपहर 2 बजे से ठाकुरजी की जन्म आरती बड़ी धूमधाम से की जाएगी। छोटी चौपड़ स्थित सीतारामजी मंदिर में चल रहे रामचरित मानस नवाह्न पारायण बुधवार को संपन्न होंगे।

इसी तरह उत्तर भारत की प्रमुख श्री वैष्णव पीठ उत्तर तोदाद्रि श्री गलताजी में गलतापीठाधीश्वर अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में रामनवमी महोत्सव मनाया जाएगा। युवराज स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि नवरात्र के 9वें दिन 17 मार्च को श्री गलता पीठ में पूर्ण श्रद्धा और भव्यता के साथ राम नवमी के पावन अवसर पर भगवान श्रीराम का जन्म महोत्सव मनाया जाएगा। इसके तहत 500 वर्ष से भी अधिक प्राचीन श्री रामलला के चतुर्भुज विग्रह की सुबह श्री गलता पीठ से श्रीनिवास के बालाजी तक विधि-विधान से शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री निवास के बालाजी में भगवान की आरती की जाएगी। इसके बाद शोभायात्रा पुनः श्री गलता पीठ पहुंचेगी। स्वामी राघवेन्द्र ने बताया कि दोपहर 12 बजे भगवान श्री राम का 21 तोपों की गर्जनाओं के साथ जन्म होगा। इसके बाद गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य एवं युवराज स्वामी राघवेन्द्र द्वारा श्रीगलता में विराजमान भगवान श्रीराम के अतिप्राचीन एवं दिव्य विग्रहों का विद्वानों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फलों, फलों के रसों, पंचामृत, सर्व औषधि, पंचमेवों, समस्त द्रव्यों, सहस्त्रधारा, शंख-चक्र आदि से तिरुमंजन अभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान का आकर्षक शृंगार किया जाएगा। इसके पश्चात भगवान की महाआरती की जाएगी।

■ **चांदपोल स्थित रामचंद्रजी मंदिर और गलताजी में रामनवमी पर होंगे विशेष आयोजन**

तदोपरांत गलतापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य महाराज श्री गलता में विराजमान सभी विग्रहों की आरती करेंगे। इस अवसर पर जयपुर के प्रख्यात भजन गायकों एवं कलाकारों द्वारा भगवान के मुखोल्लास के लिए प्रस्तुतियां दी जाएगी।

डी.जी.पी. ने राजस्थान पुलिस बल के योगदान को सराहा

जयपुर। पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू ने राजस्थान पुलिस की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश के पुलिस जवानों और अधिकारियों के साथ प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर पुलिस मुख्यालय में एक औपचारिक कार्यक्रम रखा गया। इस अवसर डीजीपी ने कहा कि राजस्थान पुलिस ने अपनी 75 वर्षों की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश में कानून व व्यवस्था, शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अविस्मरणीय योगदान दिया है।

राजस्थान पुलिस की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने पर डी.जी.पी. उत्कल रंजन साहू ने मिठाई वितरित की।

राजस्थान पुलिस को इस मुकाम तक पहुंचाने में एक से बढ़कर एक जांबाज अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही है। इसके लिए मौजूदा पुलिस फोर्स के साथ ही सभी पूर्व पुलिस अधिकारी और सेवानिवृत पुलिसकर्मी अभिवादन और प्रशंसा के पात्र हैं।

डीजीपी ने राजस्थान पुलिस के अमर शहीदों के त्याग और बलिदान को नमन कर उन्हें पूरे पुलिस परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। हमारे पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य के पथ पर अडिग रहते हर प्रकार की चुनौतियों से लोहा लेते हुए अपराध नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से जनसेवा की मिसाल कायम की है। प्रदेश के पुलिस बेड़े में शामिल करीब एक लाख पुलिसकर्मी और अधिकारी आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय' के ध्येय वाक्य को जेहन में रखकर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। आम नागरिक पुलिस से किसी भी प्रकार की सहायता या मदद की आवश्यकता होने पर निः संकोच होकर थानों, पुलिस चौकियों या उच्चस्थ पुलिस अधिकारियों के कार्यालयों में सम्पर्क करें।

वोकेशनल शिक्षा को रोजगार से जोड़ें : कुणाल

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने कहा कि विद्यालयों में छात्रों को दी जाने वाली वोकेशनल शिक्षा को रोजगार से जोड़ने और कक्षा 9 से 12 की छात्राओं को भी प्रोत्साहित कर विभिन्न ट्रेड्स से जोड़ने के लिए कहा। कुणाल शिक्षा संकुल में राजस्थान एजूकेशन इनीशियटिव पार्टनर्स के साथ आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अभिभावकों को शिक्षा का महत्व समझाकर विद्यार्थियों के ड्रॉपआउट को रोकने की बात कही। उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने, स्वयं सेवी संस्थाओं को अन्य पिछडे.जिलों में भी शिक्षा की गुणवत्ता के कार्यों के लिए आगे आने का आह्वान किया। डिजिटल लाईब्रेरी के लिए सुझाव देने तथा पूर्व प्राथमिक शिक्षण को सहज एवं आनन्ददायक बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने एनजीओ द्वारा शिक्षकों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का आगामी सत्र के लिए शैक्षणिक कलैण्डर तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे किसी भी प्रशिक्षण की पुनरावृत्ति न हो। आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद् अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि डिजिटल साक्षरता भविष्य में हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने जीवन कौशल के अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को वित्तीय साक्षरता की जानकारी देने पर भी जोर दिया। बैठक में स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने संस्थानों के कार्यों की जानकारी दी।

सार-समाचार

अष्टमी पर कराया कन्याओं को भोजन

जयपुर। चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि को कई मंदिरों और घरों में कन्या-बटुक पूजन कर भोजन कराया गया। भोजन के बाद कन्याओं के पैर छूकर आशीर्वाद लिया और उपहार भेंट किए। भांकरोटा के वेद माता गायत्री मंदिर में धर्म प्रचारक विजय शंकर पांडे ने कन्याओं के पैर धोकर पूजन किया। भोजन कराकर उपहार भेंट किए। मानसरोवर के थड़ी मार्केट स्थित मां वैष्णों दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। माता रानी के समक्ष हवन किया गया। इसके बाद कन्या पूजन हुआ। सेवादार गुड्डू और रिंकू सरदार ने बताया कि बुधवार को नवरात्रि समापन पर पूजा के सामान का विसर्जन आमेर के मावठे में किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर सेवा भारती केशव नगर की ओर से मंगलवार को कटेवा नगर स्थित केंद्रीय विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में चैत्र नवरात्र अष्टमी के उपलक्ष में 101 कन्याओं का पूजन कर भोजन कराया। सभी कन्याओं को उपहार दिए। ऋतु चतुर्वेदी ने बताया कि सेवा भारती प्रांत के पदाधिकारी द्वारका प्रसाद, गिरधारी लाल शर्मा, नवल बगडिय़ा, हरिकृष्ण गोयल उपस्थित रहे। विकास शर्मा तथा लाल किशोर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

खिलाड़ियों ने किया मतदाताओं को जागरूक

जयपुर। भाजपा जयपुर शहर खेल प्रकोष्ठ की ओर से लोकसभा प्रत्याशी मंजू शर्मा के समर्थन में मतदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। खेल प्रकोष्ठ ने खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मतदान को प्रेरित करने के लिये 14 अप्रेल को रनिंग और साइकलिंग कार्यक्रम भी रखा, जिसमें खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, भाजपा लोकसभा जयपुर शहर प्रत्याशी मंजू शर्मा, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भाजपा जयपुर शहर जिला उपाध्यक्ष अनिल शर्मा, भाजपा ओ.बी.सी.मोर्चा जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, ओलंपियन श्रीराम सिंह शेखावत ने किया। भाजपा खेल प्रकोष्ठ जयपुर शहर के संयोजक सुनील गौड़, सह-संयोजक वीरेन्द्र सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष रेणु बिजारणिया, महामंत्री लक्ष्मण सिंह चौहान और मंत्री शेर सिंह जादु ने अतिथियों और कार्यक्रम में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का स्वागत किया।

टेनिस लीग में खिलाड़ियों की नीलामी

जयपुर (कासं)। अक्षत डॉक्टर्स प्रीमियर टेनिस लीग के चतुर्थ संस्करण में खिलाड़ियों की नीलामी संपन्न हो गयी है। इसमें डॉ. महाक्षित 57 लाख पॉइंट्स के साथ सबसे महंगे खिलाड़ी बने है। ऑक्शन समारोह में टी-शर्ट और चैंपियंस ट्रॉफी का भी अनावरण हुआ। प्रतियोगिता के पेट्रोन डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि अक्षत ग्रुप चतुर्थ संस्करण डीपीटीएल में टेनिस खिलाड़ियों की नीलामी शहर के निजी होटल में रखी गई। यह प्रतियोगिता 24 अप्रैल से जय क्लब में प्रारंभ होगी। प्रतियोगिता के चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया कि जूनियर वर्ग में सबसे अधिक बोली आइकन कैटेगरी में 29 लाख प्वाइंट में मानसी महला को जयपुर गैस्ट्रो ने ख़रीदा। प्रीमियम कैटेगरी में उत्कर्ष को 48 लाख पॉइंट में एओएसआईएच ने ख़रीदा। प्लेटिनम कैटेगरी में अश्मी धाकड़ को 21 लाख पॉइंट में पीयूष हॉस्पिटल ने ख़रीदा। लीग सचिव डॉ. अनिल यादव ने बताया कि सीनियर वर्ग में आइकन कैटेगरी में डॉ. महाक्षित को होप हॉस्पिटल ने 57 लाख पॉइंट में ख़रीदा। प्रीमियम कैटेगरी में डॉ. टी.एस.सिंह को 30 लाख प्वाइंट में बोली लगाकर रेटिना रैकेटियर्स ने अपनी टीम में लिया। प्लेटिनम कैटेगरी में डॉ. वेंकटेश को तेइस लाख की बोली लगाकर आरजे 13 किंग्स ने ख़रीदा। इस प्रतियोगिता में राजस्थान समेत कई राज्यों से करीब 200 चिकित्सक सीनियर और जूनियर वर्ग और ओपन केटेगरी में भाग लेंगे।

वी-गार्ड के मेल्ट रेसिस्टेंट वायर्स लॉन्च

जयपुर, (का.सं.)। इलेक्ट्रिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी वी-गार्ड ने इलेक्ट्रिकल वायरिंग टेक्नोलॉजी में एक अग्रणी नवाचार करते हुए एरिज़ो वायर्स लॉन्च किये है। यह वायर्स उन्नत ई-बीम टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित हैं। उन्नत तकनीक एरिजो वायर्स की विद्युत और भौतिक शक्ति, दोनों को बढ़ाती है, जिससे ये 90 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर निरंतर संचालन के लिए उपयुक्त हैं। इस कारण एरिज़ो वायर्स अत्यधिक गर्मी प्रतिरोधी, पिघलन-प्रतिरोधी और अग्निरोधी हैं, और शॉर्ट सर्किट और आग के खतरों के जोखिम को काफी कम कर देते हैं। वी-गार्ड इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड के निदेशक और सीओओ रामचंद्रन वी ने इस लॉन्च पर कहा, विद्युत सुरक्षा और टिकाऊपन की अगली सीमा एरिज़ो वायर्स को पेश करते हुए हमें खुशी है। उपभोक्ता एरिज़ो पर भरोसा कर सकते हैं कि जो क उनकी सुरक्षा को प्राथमिकता देता है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ली गृह रक्षा विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर (कासं)। गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को गृह रक्षा निदेशालय के कांफ्रेंस हॉल में विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारी तथा विभाग से संबंधित विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस बैठक में महानिदेशक एवं महासमादेष्टा राजेश निर्वाण, उप महा महासमादेष्टा प्रथम, निदेशक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, उप महासमादेष्टा द्वितीय, संयुक्त शासन सचिव गृह ग्रुप-7 विभाग एवं अन्य अधिकारी सम्मिलित हुए।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह ने विभागीय कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा कर प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान गृह रक्षा विभाग से संबंधित विभिन्न विषयों के अलग अलग बिंदुओं की जानकारी हासिल कर फीडबैक लिया। विभाग की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह ने लोकसभा चुनाव के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश प्रदान किये।

चिकित्सा संस्थानों में फायर सेफ्टी के लिए दिशा-निर्देश

जयपुर (कासं)। गर्मी के मौसम के दौरान आगजनी की घटनाओं से बचाव के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने चिकित्सा संस्थानों में अग्नि सुरक्षा नियमों की पालना किए जाने तथा अविलम्ब फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए दिशा निर्देश जारी किए है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने विगत दिनों समस्त राजकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में अग्नि सुरक्षा नियमों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इसकी अनुपालना में निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने सभी संयुक्त निदेशक जोन एवं समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को अविलम्ब दिशा-निर्देशों की पालना किए जाने के लिए पत्र लिखा है।

पत्र में निर्देश दिए गए है कि सभी चिकित्सा संस्थानों में फायर फाइटिंग उपकरणों की क्रियाशीलता का नियमित निरीक्षण किया जाए। वर्ष में दो बार इलेक्ट्रिक लोड ऑडिट और विद्युत उपभोग की समीक्षा की जाए। विद्युत उपभोग अधिक पाए जाने पर मानकों के अनुरूप इलेक्ट्रिक सिस्टम को अपग्रेड कराने की कार्रवाई की जाए। ऑक्सीजन टैंक, ऑक्सीजन पाइपलाइन आदि के संबंध में नो-स्मोकिंग पॉलिसी की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाए। हाई-ऑक्सीजन एरिया के आस-पास समुचित रूप से चेतावनी बोर्ड लगाए जाने के साथ ही इन स्थानों पर प्रशिक्षित स्टॉफ नियोजित किया जाए।

पत्र में कहा गया है कि सभी चिकित्सा संस्थानों में स्मोक डिटेक्टर, फायर अलार्म आदि आवश्यक रूप से लगाए जाएं और हर माह इनकी क्रियाशीलता की जांच की जाए। अस्पताल निर्माण एवं साज-सज्जा में उपयोग किया जाने वाला सामान यथासंभव अग्निरोधी हो। ऐसे स्थान जहां रोगियों की उपस्थिति रहती है, वहां इसका विशेष ध्यान रखा जाए। चिकित्सा संस्थानों में नियत इलेक्ट्रिक लोड के अनुसार ही उपकरणों का उपयोग किया जाए। इलेक्ट्रिक लोड की मॉनिटरिंग के लिए पॉवर मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग किया जाए। मल्टीपल हाई पॉवर उपकरण एक ही सर्किट से नहीं जुड़े हों।

पत्र में निर्देश दिए हैं कि चिकित्सा संस्थानों की आधारभूत संरचना में नेशनल बिल्डिंग कोड-2016 के फायर सेफ्टी मानकों की पालना सुनिश्चित की जाए। आगजनी की रोकथाम के लिए आवश्यक उपाय किए जाएं।

युवक की हत्या कर शव पर एसिड डाला

जयपुर। करधनी इलाके में एक जली लाश मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में रखवाया। फिलहाल मृतक पहचान नहीं हो पाई है।

पुलिस ने बताया कि 206 बीघा पर एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ मिला है। घटना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा थे। मृतक की उम्र करीब 40 साल है। उसके चेहरे पर एसिड डाला हुआ था। हत्यारों ने मृतक की पहचान न हो इसके लिए उसके चेहरों को एसिड से जला दिया। मृतक की पहचान के प्रयास जारी है। घटना स्थल और उसके आस-पास के सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। मृतक की पहचान के बाद ही उसके हत्या के कारणों का पता चल सकेगा।

पुलिस ने बताया कि मृतक के सिर और गले पर चोट के निशान मिले है। लगता है युवक की हत्या कहीं और करके यहां पर शव को डाला गया है। इसके बाद ही उसके चेहरे पर एसिड डाला गया है। मृतक के कपड़ों, हाथ में बंधी रोली और एक बैंड से उसकी पहचान का प्रयास जारी है। आस-पास के थानों पर मृतक की फोटो भेजी गई है।

ज्वैलर ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या की

■ **मरने से पहले युवक ने एक वीडियो भी बनाया है, जिसमें उसने कुछ लोगों पर जबरन सट्टा लगवा कर 35 लाख रु. ठगने का आरोप लगाया**

जयपुर। मुरलीपुरा थाना इलाके में एक ज्वैलर ने फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। मरने से पहले ज्वैलर ने वीडियो भी बनाया है। इसमें ज्वैलर ने कुछ लोगों पर सट्टा लगवाकर 35 लाख रुपए लूटने का आरोप लगाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बंधु नगर, मुरलीपुरा निवासी राकेश प्रजापत (32) पुत्र श्रवण लाल प्रजापत ने सुसाइड किया है। वह अपने माता-पिता, भाई-भाभी, पत्नी और दो बच्चों के साथ यहां रहता था। घर के नीचे ही श्री श्याम ज्वेलर्स के नाम से दुकान करता था। सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे दुकान बंद करके घर के अंदर चला गया और 2 मंजिला मकान की छत पर बने स्टोर में साड़ी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया।

करीब आधे घंटे बाद ज्वेलर की भतीजी स्टोर में पहुंची तो वह फंदे से लटका मिला। चाचा राकेश को फंदे से लटका देखकर भतीजी ने जोर-जोर से चीखना-चिल्लाना शुरू किया। बच्ची के चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन भी छत पर पहुंचे तो स्टोर में राकेश को फंदे से लटका देखकर दंग रह गए। इसके बाद शोर मचा कर पड़ोसियों को बुलाया और फंदे से राकेश को नीचे उतारकर मणिपाल हॉस्पिटल पहुंचाया। हॉस्पिटल में डॉक्टर्स ने राकेश को मृत घोषित कर दिया। मेडिकल सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मुर्दाघर में भिजवाया। राकेश ने सुसाइड से पहले एक वीडियो बनाया। जिसमें उसने कहा कि मेरी मौत का जिम्मेदार योगेंद्र राजावत उर्फ गोलू, डब्बू उर्फ विक्की शर्मा भोमिया जी मंदिर के पास रहता है। इनके साथ नीलू बन्ना भी है, जिन्होंने मुझे शराब पिलाकर सट्टा खिलाया। पुलिस प्रशासन से मैं एक अपील करता हूं कि जो भी रुपए इन लोगों ने मेरे से लूटे हैं, वो मेरे घरवालों और बच्चों को मिल जाएं।

स्वीप कार्यक्रम के तहत नगर निगम ग्रेटर के विद्याधर नगर जोन और माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल विद्याधर नगर के स्टाफ व विद्यार्थियों ने गणेश पार्क सेक्टर 2 में नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया। पार्क में घूमने आने वाले लोगों ने भी इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्याधर जोन के सहायक अभियंता अजय सिंह धाकड़, राजेन्द्र कुमावत कनिष्ठ अभियंता निखिल बावलिया, दिव्या गौतम व रामप्रकाश उपस्थित हुए।

राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आज खेला जाएगा दुनिया का बड़ा नाटक

जयपुर, (का.सं.)। फोर्थ वॉल नाट्यय संस्था की ओर से राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में बुधवार शाम 7 बजे विशाल विजय निर्देशित नाटक 12 एंग्रीमैन खेला जाएगा। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के एक साल पूरा होने के उपलक्ष में 17 से 19 अप्रैल तक यहां फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत इस नाटक का मंचन किया जा रहा है।

अमरीकी नाटककार रेजीनॉल्ड रोज रचित 12 एंग्रीमैन नाटक का रूपातंरण रंजीत कपूर ने किया है। यह नाटक डेढ़ घंटे की अवधि का है। गौरतलब है कि एक मर्डर केस की बहस पर आधारित यथार्थवादी नाटक 12 एंग्रीमैन दुनिया के सर्वाधिक खेले जाने वाले नाटकों में शुमार है। नाटक के निर्देशक विशाल विजय ने बताया कि यह नाटक 12 प्रतिबद्ध कलाकारों की अभिनय जुगलबंदी है, जिन्होंने 12 किरदारों को मूर्त्त किया है। फोर्थ वॉल नाट्यय संस्था इस नाटक को साल 2019 से अब तक निरंतर प्रस्तुत कर रही है। नाटक का दमदार कथ्य अंत तक दर्शकों को बांधे रखता है। इस नाटक के मुख्य भूमिका निभाने वाले प्रमुख कलाकारों में संचित जैन, योगेंद्र सिंह, चित्रार्थ मिश्रा, कमलेश बैरवा, संदीप मिश्रा, विपिन चौधरी पहली प्रस्तुति से अब तक अपने पात्र को जीवंत कर रहे हैं। इसके अलावा अन्य कलाकारों में ओम मीना, राहुल जांगिड़ और मोहित भट्ट मुंबई से आए हैं। कलाकार दीपक गुर्जर, अंकित शर्मा और ऋतिक शर्मा का भी यह चौथा शो है।

World Hemophilia Day

Nicking your finger with a knife while chopping some tomatoes for a salad is just a nuisance for most of us. We utter a choice word or two, rinse the cut, apply a disinfectant and maybe a band-aid, and then proceed to go on with our lives. Unfortunately, for some 400,000 people, simple papercuts, nicks, and scrapes can actually be dangerous or even life-threatening due to a blood disorder known as *hemophilia*. The day's purpose is to raise awareness about the disease as well as other bleeding disorders and also to raise money for the treatment of those who cannot afford it.

#WORK-LIFE BALANCE

Working @ Odd Hours

A chaotic shift work schedule causes havoc on the employee and employer

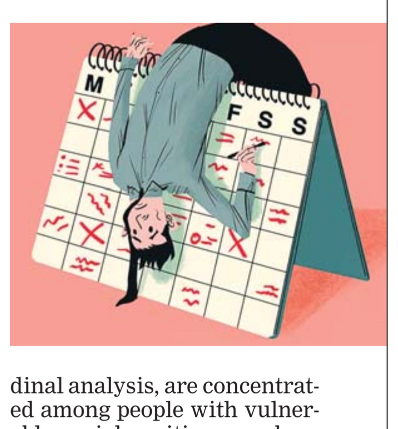

People, who work irregular job schedules, staring at 22 are more likely to report sleep issues, poor health, and depressive symptoms by age 50, according to a new study.

Researchers are taking a closer look at the impact of *erratic work hours* on the health of employees, nurses who make rounds into the predawn hours, jobs with irregular shifts, and software engineers, who stay 'in the zone' long past midnight.

The study shows that *schedule chaos*, an increasing phenomenon, can take a serious toll. Wen-Jui Han, a professor in the New York University Silver School of Social Work, with training in sociology, economics, developmental psychology, and public policy, led the study.

The study looks at how one's social position 'plays a significant role in these adverse health consequences' from working jobs with shifts outside the more traditional 9 A.M. to 5 P.M.

The findings show that individuals occupying a lower social position, such as those who did not go to college or whose job status may be precarious, are more likely than some others to suffer from inadequate or poor sleep.

Here are some additional takeaways from the study.

Han's research is the first to use longitudinal studies and a life-course perspective (with sequence analysis) to examine how work schedule patterns, whether consistently or periodically irregular, starting in our early 20s, might be associated with our sleep and health as we approach mid-life.

Her analysis relies on the National Longitudinal Study of Youth, a nationally representative sample of about 7,000 people in the US conducted over three decades. The data collection began in 1979, asking participants about their sleep and mental and physical health over time, along with their evolving work schedules.

Non-standard work schedules are increasingly becoming a global phenomenon.

The significantly poorer sleep and health outcomes, observed through the longitudinal analysis, are concentrated among people with vulnerable social positions, such as women.

As expected, socio-economic factors such as wages, marital status, education, and poverty are significantly associated with problematic sleep and health.

"In reality, our work patterns are more volatile and diverse than we can imagine," says Han, whose research reveals that shifting schedules were relatively common among workers between ages 22 and 49, whether they started out working standard hours and transitioned to something more variable, or worked mainly 9-to-5 with some night shifts mixed in.

"About three-quarters of the work patterns, that we observed, did not strictly conform to working stably during daytime hours throughout our working years. This has repercussions." "People with work patterns involving any degree of volatility," she explains, "are more likely to have fewer hours of sleep per day, lower sleep quality, lower physical and mental functions, and a higher likelihood of reporting poor health and depressive symptoms at 50 years than those with stable standard work schedules."

Those adverse health consequences from non-standard work schedule patterns, whether taking care of one's own children at home or working a job for pay, are 'alarming,' the study concludes, especially in light of the scholarship revealing that an adequate amount of quality sleep is important for heading off anxiety and depression, hypertension, obesity, or even stroke. And "the picture becomes grimmer if we further disentangle these links by social position," Han writes.

...Saving The *Gainda*

Tradition has it that *Lord Curzon* was responsible for saving the rhinoceros. However, the facts brought out by Ranjit Barthakur and Bittu Sahgal conclusively show that these first steps were taken by a few determined, enlightened officers of the British Indian government. Barthakur and Sahgal record that the late S. Deb Roy, a remarkable Forest Officer of Assam and a conservationist, stated that Lady Mary Curzon, the Vicereine, had visited the Kaziranga region at the turn of the 20th century, with the specific purpose of seeing this magnificent animal. However, she was not lucky, for all she saw was its spoor, and this led to her advocating for the protection of the rhino. There is yet another story doing the rounds. Lady Curzon went to Kaziranga in January 1905. She was accompanied by '*Nigona Shikari*,' Bapiram Hazarika of Bosagaon, who convinced her that the animal she had seen in the distance was a 'rhino' and 'not a buffalo.' He showed her the distinctive tracks and urged her to stop the '*Sahibs*' from shooting them. There is, however, no written record of this visit and the story is probably apocryphal.

Divyabhanusinh Chawda
Ex-India head for WWF, A renowned wildlife expert

#RHINOCEROS

In addition to the hunting and capture of wild animals, human progress, resulting in destruction of the habitat over the millennia, took its toll. It is clear that the numbers of larger mammals decreased exponentially in the 18th and 19th centuries, and the '*rhino*' was no exception. By the beginning of the 20th century, about 200 individuals survived, according to one estimate, as noted in Chapter 1. Numbers apart, chronicles of '*shikar* of the British period' were certainly alive to the desperate situation that the animal faced and had started to express concern about it.

By the beginning of the 19th century, *Williamson* had already noted that the rhinoceros was not found West of the Ganga. '*Maori*' recording his exploits later in the century noted that while rhinoceroses were not protected in the Terai area of India, they were protected by the *Rana* rulers of Nepal in their part of the Terai, where outsiders did not have permission to shoot them. In fact, when 'Maori' accidently shot one there, his host was much exercised. Captain J.H. Baldwin, a sportsman, writing at about the same time, noted that the animal was found on the banks of the Sarda in Nepal, Pilibhit and Gorakhpur districts but it is 'now extinct there or very nearly so.'

Alexander A. Kinlock noted that about the 1860s, many rhinoceroses had been shot around Jalpaiguri, but their party, owing to being constantly hunted, and partly owing to the clearance of large tracts for tea cultivation, they are rapidly becoming scarcer. In eastern portion of Bhutan Dooars and in Assam, wherever there are heavy reed *jungles* on the banks of rivers or on margin of swamps, occasionally several congregate in one covert."

F.G. Afalo's compendium of sport available to the British, written in 1904, noted that 40 years earlier, rhinoceroses had been extremely numerous and several could be hunted down in a single day. Afalo went on to record that, "Owing indiscriminate slaughter of both sexes and all sizes, their numbers have been terribly reduced but there are enough left to enable a well- equipped sportsman to be pretty sure of obtaining one or two specimen." He also stated that shooting them in Nepal could only be done with a special permit.

Writing in 1910, Sainthill Eardley-Wilmot noted that while rhinoceroses and bison (gaur) were found earlier in the Bengal Terai, they had now become very 'scarce' and shooting them was prohibited. He wrote that the "Maharaja of Cooch Behar was a keen sportsman and the head of game had become insufficient to afford diversion, both to himself and his guests." However, he stopped short of saying that the *maharaja* himself was responsible for his depredation.

E.P. Stebbing recorded in 1920 that the building of railways and the increasing number of sportsmen were the cause of the rhinoceroses decline. *C.H. Stockley*, too, noted the reduction in rhinoceros numbers in 1928 and went on to state that 'protection of the animal in Nepal' had kept its numbers from being deleted in that kingdom. *R.D.T. Alexander and A. Martin-Leake* in '*Some Signposts to Shikar*' noted in 1932 that it was very difficult to obtain a permit to shoot a 'rhinoceros' in India and that was 'as it should be for any rare or near extinct animal.'

From these and other records of 'naturalist's sportsmen,' it becomes evident that early on, during the British period, the rhinoceros was in near irreversible retreat. In India, the colonial government had awakened to the problem by the early 20th century, as will be noticed from records after 1905 that 'rhinoceros hunting' required a 'permit from the ruling authority' in British India and in most of the princely states in India, whereas the Rana rulers of Nepal already had afforded protection to preserve the object of their 'most prominent sport.' The reasons for the protection of the animal may have been dubious. The result, however, was welcome.

Protecting the Rhino

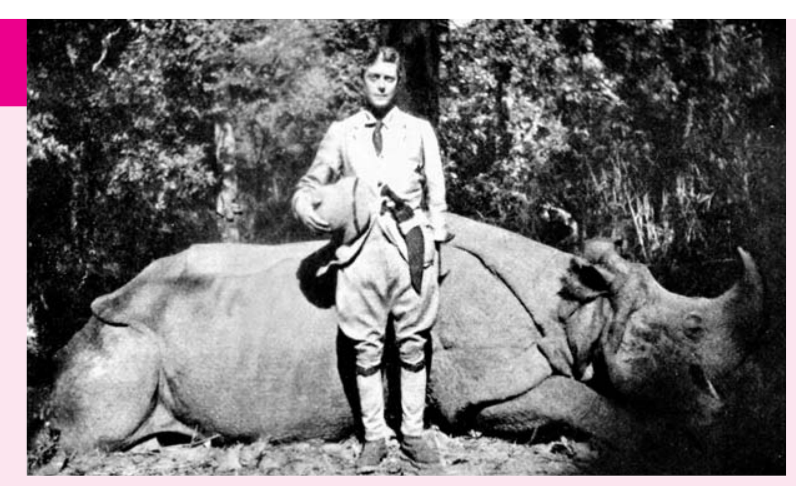

It is evident that the battle for the protection of the rhinoceros was to be fought in the easternmost regions of India, in the Assam region of the Bengal presidency. The issue of depleting numbers of the animal was recognized by the administration as early as 1902, when J.C. Arbuthnott, Officiating Commissioner of the Assam Valley districts, wrote to B. Fuller, Chief Commissioner of Assam, on November 4 stating that the animal had been wiped out except in the Brahmaputra, Mikir Hills in Nowgong and Golaghat, where a few individuals still exist. Fuller replied on December 18 that while he regretted the plight of the animal, it would be impossible to penalize unlicensed shooters without special legislation, though, he was open to create an asylum for them in the form of a reserved forest.

The possible areas for such a reserve were surveyed by an army officer, Major P.R.T. Gurdon, and on September 20, 1904, E.C. Carr, the Conservator of Forests, recommended that *Kaziranga* be declared a 'Reserved Forest.' This was promptly approved by Fuller and on June 1, 1905, a Gazette notification proposing to declare it as such was made. On January 3, 1908, *Kaziranga was declared a Reserved Forest*, and then upgraded to a 'Game Sanctuary' in 1916. It appears that the Kaziranga area had become a haven for hunters and poachers, and hunting, once again, became rampant in the 1930s. In 1938, A.J.W. Milroy, Chief Conservator of Forests, opened the area to the public. Until the dawn of India's independence, this position continued. The rhinoceros, thus, received protection in Assam.

Tradition has it that *Lord Curzon* was responsible for saving the rhinoceros. However, the facts brought out by Ranjit Barthakur and Bittu Sahgal conclusively show that these first steps were taken by a few determined, enlightened officers of the British Indian government. Barthakur and Sahgal record that the late S. Deb Roy, a remarkable Forest Officer of Assam and a conservationist, stated that Lady Mary Curzon, the Vicereine, had visited the Kaziranga region at the turn of the 20th century, with the specific purpose of seeing this magnificent animal. However, she was not lucky, for all she saw was its spoor, and this led to her advocating for the protection of the rhino. There is yet another story doing the rounds. Lady Curzon went to Kaziranga in January 1905. She was accompanied by '*Nigona Shikari*,' Bapiram Hazarika of Bosagaon, who convinced her that the animal she had seen in the distance was a 'rhino' and 'not a buffalo.' He showed her the distinctive tracks and urged her to stop the '*Sahibs*' from shooting them. There is, however, no written record of this visit and the story is probably apocryphal.

There is no record of Lord Curzon visiting Kaziranga either, but, he was very much alive to the problem of conservation of wild animals. In 1901, the Burma Game Preservation Association sent a memorial to the Viceroy, seeking the imperial government's approval to shot that in the *brow-antlered deer of Burma*. In his celebrated reply of 1902, the Viceroy presents a tour de force of an argument for conservation that was rare in the empire at the time. His own words ring true even today. "There are some persons who doubt or dispute the progressive diminution of wildlife in India. I think that they are wrong. The facts seem to me to point entirely in the opposite direction. Up till the time of the Mutiny, lions were shot in Central India. They are now confined to an ever-narrowing patch of forest in *Kathiawar*. I was on the verge of contributing to their still further reduction, a year ago myself, but fortunately I found out my mistake in time, and was able to adopt a restraint which I hope that others will follow. Except in Native States, the Terai, and forest reserves, tigers are undoubtedly diminishing. This is, perhaps, not an unmixed evil. The rhinoceros is all but exterminated now in Assam. Bison (gaur) are not numerous or so easy to obtain as they as they once were. Elephants have already had to be protected in many parts." Lord Curzon mentions specifically that he did not shoot a lion because their numbers had depleted drastically. He mentions that the rhinoceros had disappeared everywhere, save in Assam. Yet, he does not mention any personal intervention that he made to save it, or that he had visited Kaziranga. He, of course, was in office for three years more, after the letter was written, and he could have intervened during that time. Be that as it may, *2005* saw the century, celebrated of Kaziranga National Park and Sir Nicholas Mosley, the scion of Curzon's illustrious family, was invited to receive the Sentinel of Kaziranga tribute.

What is absolutely clear though, from various reports of 'naturalist sportsmen' is that permission to hunt rhinoceroses was difficult to come by in the 20th century, as noted earlier. The province of Bengal went ahead and formalized protection by passing '*The Bengal Rhinoceros Protection Act*' in 1932, when the shooting of an animal without permission or sale of its body parts invited imprisonment for one month and/or a find of Rs 1,000. This was followed by the '*Assam Rhinoceros Preservation Act'* of 1954 after independence, which was on the lines of the earlier Bengal Act of 1932. Thus, the animal came to be legally protected throughout its remaining range.

The situation for the rhinoceros remained unchanged for the last two decades of British rule in India, when the government was preoccupied with India's freedom struggle and then the Second World War. The rhinoceros was already in precipitous decline, when the British arrived in India, a situation that was exacerbated as a result of the depredations by the British and Indians alike. When the British left, the animal was making its last stand. Thanks to the steps taken by certain British administrators!

After independence

The question, therefore, arises, what was the 'rhinoceros inheritance' that the Republic of India received? The *Javan* and *Sumatran rhinoceroses* had long gone from the Indian subcontinent. What we know about the numbers of the greater one-horned rhinoceros is essentially a result of intelligent estimations by wildlifers, naturalists and forest officials, as no systematic population evaluation was done. That the situation was critical is obvious from the fact that as early as 1954, M.R. Medhi, Chief Minister of Assam, wrote to Prime Minister Jawaharlal Nehru that 'the rhinoceros was on the verge of extinction in his state.'

P.D. Stracey, a well-known Forest Officer and Director of the Forest Research Institute and Colleges, Dehradun, gives us an early estimate of rhinoceros numbers. According to him, in 1960, there were about 150 of them in Kaziranga Sanctuary, an area of 430 sq. kms, out of a total of about 300 in Assam, with another 50 in Bengal and about 300 in Nepal. According to him, the total population was likely to be over 600. But, he adds, "No accurate census of this animal (was) possible, however, and all estimates of its numbers are to be treated with caution."

E.P. Gee, the well-known tea planter and wildlife conservationist, estimated rhinoceros numbers as follows, Nepal 185, Bengal 65, and Assam 375, a total of 625 in 1964. Five years later, *Balakrishna Seshadri*, an engineer-turned-wildlife enthusiast, gives a figure of 745.

It is evident from these records that only rough estimates were made, as none of the three give us the basis of their figures. However, if one were to consider *Kees Rookmaaker's* estimation that there were about 200 rhinos in India around 1900, then, one can conclude that years of conservation efforts by the British and Indian administrations were bearing fruit and the animal was making a bid for recovery by the end of the 1960s. This is on the assumption that the three estimates provide an indication of the general trend of the population dynamic, though, poaching was a constant threat as it continues to be today.

In 1969, the *Indian Board of Wildlife* set up an 'Expert Committee On National Parks, Wildlife Sanctuaries and Policy for Wildlife Conservation in India' under the presidentship of K.S. Dharmakumarsinhji of Bhavnagar. The Committee visited Kaziranga and Manas. They found both of these areas fit for being declared as 'National Parks,' which would give stronger legal basis for protection to their flora and fauna, the *rhinoceros* being among them. They also suggested strong conservation measures for Jaldapara in West Bengal. Both Kaziranga and Manas became National Parks, with areas of 884.43 sq. kms respectively, providing more secure refuge for the rhinoceros and other wildlife of the region. The animal itself went on to find a place in Schedule I of the Wildlife Protection Act of 1972, thus acquiring the highest status for protection.

In addition to the government's efforts, there is another reason for the gradual success of the 'protection of the rhinoceros' over the last several decades. The Assamese people take a special pride in their '*gainda*.' It has a unique place in local tradition. According to one legend, the Princess of Sonitpur, daughter of king *Ban*, had a dream of a handsome prince with whom she fell in love. Her friend, Princess *Chitralekha* drew likenesses of all the eligible princes of India until finally she drew a picture of *Aniruddha*, the grandson of Lord *Krishna*, whom the princess recognized as her dream prince. Aniruddha came to Sonitpur to fetch the princess and apparently, he was confined there by the king. Then, lord Krishna arrived, riding on a rhinoceros all the way from Dwarka, to rescue Aniruddha. He left his mount in Kaziranga to graze and crossed the Brahmaputra to wage war. Upon the successful completion of his mission, he played his flute to call the rhinoceros, who could not hear it because of the sound of the flowing waters of the river. Lord Krishna was annoyed. He disowned his mount and proceeded to Dwarka without it. The mount loved the environment of the green grass and stayed back, hence, the animal's presence in Kaziranga. It is also believed that the animal has no hair on its body as it was saddled for battle, according to a variant of the legend, and thus has hair only on its ears and tail tip! According to yet another legend, Lord Krishna's mount was readied for battle with armour. Later, it was considered unsuitable for war and abandoned. However, the armour remained, thus explaining the folds of its armour like skin, which is bequeathed to its descendants.

Over the past decades, Assam and Bengal have seen several insurgent movements. This has impacted the protection of the rhinoceroses, to the extent that they were wiped out from Manas and had to be reintroduced from other protected areas. Its horn has made it a 'coveted target of poachers,' which has always been a serious threat and accounts for the continuous decimation of rhino numbers.

The importance of the rhinoceros in the fauna of the Indian subcontinent has been recognized through its depiction on coins, stamps and commemorative issues. Despite the impediments and threats, the conservation efforts of the administration, coupled with the local Assamese pride in their iconic symbol, a sentiment sadly lacking in Bengal, have played a prominent role in the rhino's successful survival and prosperity till date. At the same time, such pride can and has led to some impediments in their reintroduction elsewhere, which is necessary for their long - term survival.

rajeshsharma1049@gmail.com

#ENVIRONMENT

Trees Near Highways Cut Air Pollution From Traffic

To achieve a more comprehensive reduction in the health hazards associated with highways, municipalities can improve air quality by making it safe, pleasant, and convenient for people to get where they need to go without a motor vehicle.

We should plant more trees along highways because they provide benefits that go beyond aesthetics. A new study finds that trees and bushes, planted near highways, significantly reduce air pollution caused by motor vehicles, which has been linked to a host of illnesses.

Over two three-month periods, researchers sampled air quality at five sites along metro Atlanta interstates and highways. When compared to similar sites without vegetation, the researchers found a 37% reduction in soot and a 7% reduction in ultrafine particles at sites with natural or ornamental vegetation.

The findings appear in the journal *PLOS ONE*.

"Trees and bushes near roadways don't solve the problem of air pollution caused by motor vehicles, but they can help reduce the severity of the problem," says lead author Roby Greenwald, associate professor in the Georgia State University School of Public Health.

A growing body of evidence has linked motor vehicle pollution to conditions such as asthma, chronic bronchitis, lung cancer, and heart attacks.

"Solutions to the problem of elevated pollution levels near roadways are urgently needed," Greenwald and his colleagues note, "because 45 million people in the United States live, work, or attend school within 300 feet of a major highway."

Roadside vegetation reduces air pollution through several mechanisms, including by creating a large surface area onto which small particles adhere.

The new study builds on previous research into the role that vegetation can play in reducing air pollution by sampling at several sites over an extended period and incorporating a model that allowed the researchers to account for factors such as wind direction, traffic volume, and distance to the highway.

Greenwald emphasizes that while roadside vegetation can significantly reduce particulate air pollution, it doesn't reduce carbon dioxide emissions or ozone pollution. He says that to achieve a more comprehensive reduction in the health hazards associated with highways, municipalities can improve air quality by making it safe, pleasant, and convenient for people to get where they need to go without a motor vehicle. Changes could include expanding public transportation, and developing and improving bicycle and pedestrian infrastructure, for example.

"We should plant more trees along roadways because they provide benefits that go beyond aesthetics," Greenwald says. "But I don't want to give anyone the impression that we can solve all of the problems associated with motor vehicle emissions simply by planting trees."

Additional co-authors are from Emory University's Rollins School of Public Health and the University Of Georgia College Of Engineering. The National Institute of Environmental Health Sciences of the National Institutes of Health supported the work.

THE WALL

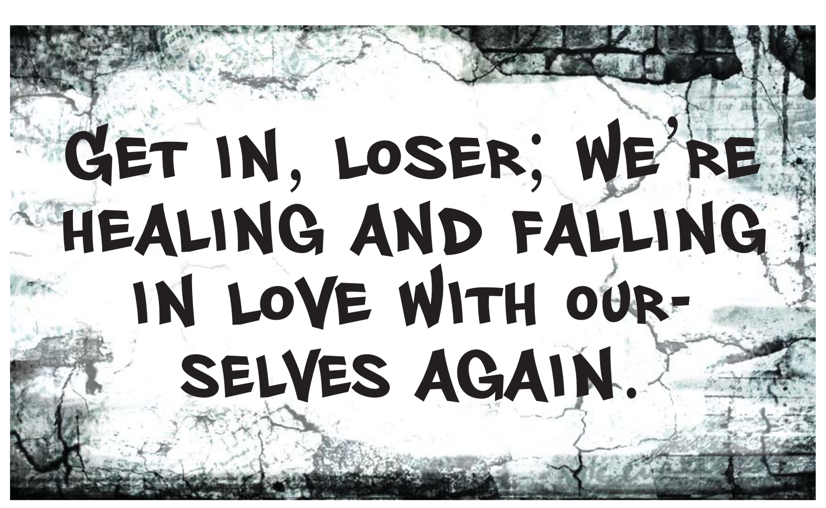

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

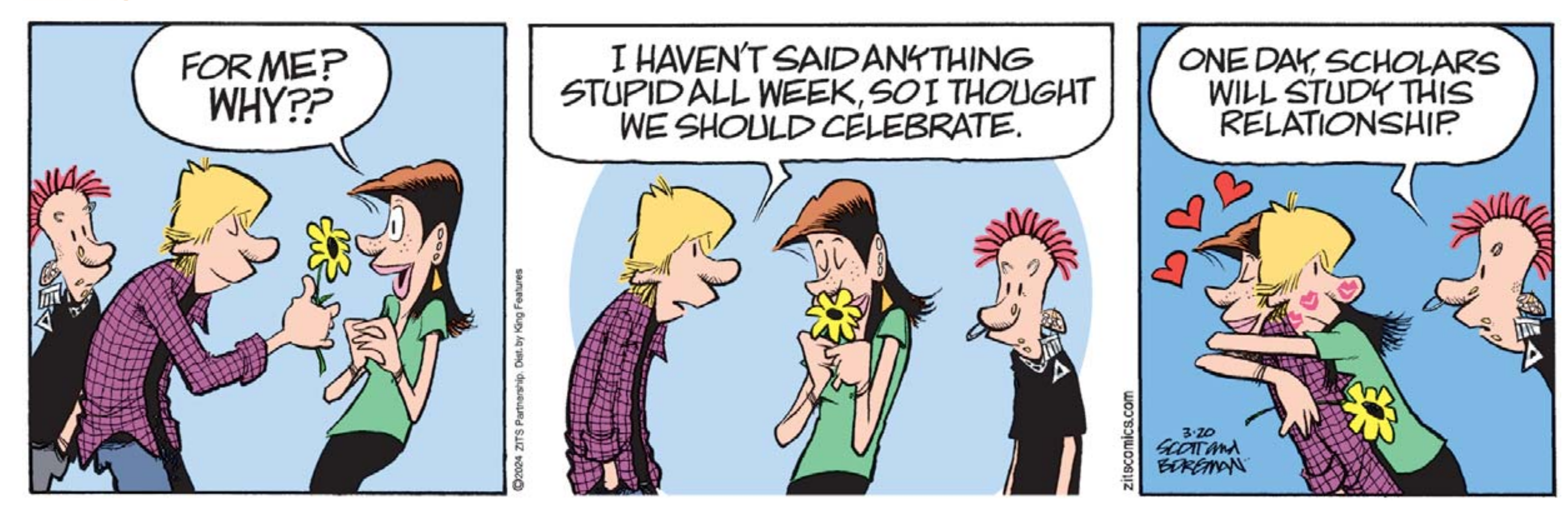

'आपके भरोसे शुभकरण चौधरी को पगड़ी पहनाकर जा रहा हूं, लाज रखना'

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने उदयपुरवाटी में सैनी समाज से मार्मिक अपील की

उदयपुरवाटी में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने झुंझुनूं लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया।

झुंझुनूं, (निसं)। उदयपुरवाटी कस्बे के बस स्टैंड पर मंगलवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी झुंझुनूं लोकसभा के भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी के समर्थन में जनसभा को संबोधित करने के लिए पहुंचे। मुख्यमंत्री नायब सैनी के सभा स्थल पर पहुंचने पर 51 किलो विभिन्न प्रकार के फूलों की माला व साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि मैं आपका बेटा बनकर आया हूं, मेरे द्वारा पहनाई गई पगड़ी की मेरा सैनी समाज विशेष तौर से लाज रखना। आपके लिए चंडीगढ़ हाउस के दरवाजे हमेशा के लिए खुले रहेंगे। आपका भाई नायब सैनी आपके लिए हमेशा तैयार रहेगा। हमारे सैनी समाज में आपके भाई को भाजपा ने जो सम्मान मुख्यमंत्री बनाकर मुझे दिया है। उसका ऋण आप सब मिलकर कमल के फूल पर वोट देकर उतार सकते हैं। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि यहां के राजनेता पानी के मुद्दों पर सालों साल तक जनता को गुमराह करते रहे हैं, लेकिन आपको पानी पिलाने के कभी प्रयास ही नहीं किया।

हरियाणा व राजस्थान सरकार के बीच में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के बीच हुआ एमओयू को प्रभावी करने के लिए टीमों ने धरातल पर सर्वे का कार्य भी उदयपुरवाटी में शुरू कर दिया है। नायब सैनी ने उदयपुरवाटी में मिले सम्मान में पहनाई गई पगड़ी भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को पहनाकर 25 सीटों में सबसे अधिक मतों से जिताने का आग्रह किया। सैनी ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व राज्यसभा सांसद रहे दिवंगत मदनलाल सैनी को नमन कर अपना आदर्श बताया। उनके बेटे मनोज सैनी सीकर से भी गले मिलकर अपनत्व निभाया।

दिल्ली के सांसद व प्रदेश के सह प्रभारी प्रवेश वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी हरियाणा में नायब सैनी को हीरे के रूप में लेकर आए हैं। सैनी समाज की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आपके समाज के बंधु को भारत देश के एक राज्य का मुख्यमंत्री पद से नवाजकर जो मान सम्मान दिया है उसको हमें याद रखते हुए लोकसभा चुनावों में वोट करना चाहिए। शुभकरण चौधरी ने कहा कि लोकसभा का ये चुनाव जाति-पांति धर्म का चुनाव नहीं है। ये चुनाव राष्ट्र को विकसित करने का है, ये चुनाव मोदी को पुनः स्थापित करने का चुनाव है, ये चुनाव देश में एम्स अस्पताल बढ़ाने का चुनाव है।

नायब सैनी के साथ में सांसद व प्रदेश के लोकसभा चुनावों के सह प्रभारी प्रवेश वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी, पूर्व किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवां, जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, नवलगढ़ विधायक विक्रमसिंह जाखल, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, पूर्व जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया, भाजपा नेता विजेंद्रसिंह इंद्रपुरा, प्रधान माया गुर्जर, युवा भाजपा नेता मुरारी सैनी, पौंख चेयरमैन कोमल शेरावत, चेयरमैन रामनिवास सैनी, सैनी समाज के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सैनी फूलवाला आदि अतिथि मंचस्थ रहे।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी का सरकारी कॉलेज परिसर में बने हैलिपेड पर भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी, पूर्व भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश जाखड़, भाजपा नेता मुरारीलाल सैनी, भाजपा नेता पवन शाह, किसान नेता धन्नाराम सैनी, चेयरमैन रामनिवास सैनी, सरपंच जतनकिशोर सैनी, सरपंच धर्मराज सैनी, भाजयुमो के पूर्व अध्यक्ष नितेश सैनी, पार्षद तेजस छींपा, अंकित शर्मा चिराना आदि दर्जनों कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ व भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

रामनवमी पर निकलने वाली शोभायात्रा का कार्यक्रम निरस्त

करौली कोतवाली थाने में आयोजित बैठक में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी एवं शहर के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

- **शोभायात्रा के निर्धारित मार्ग को लेकर आयोजन समिति एवं पुलिस और प्रशासन में सहमति नहीं बनी**
- **पुलिस ने करौली में संचालित डीजे और म्यूजिक सिस्टम बजाने वालों को थाने पर बुलबाकर पाबंद किया**

करौली, (नि.सं.)। करौली जिला मुख्यालय पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामनवमी की शोभायात्रा निकाली जानी थी लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की हठधार्मिकता के चलते आयोजकों ने शोभायात्रा के कार्यक्रम को निरस्त कर दिया है।

जानकारी के अनुसार श्रीराम जन्मोत्सव आयोजन समिति के तत्वाधान में रामनवमी के अवसर पर करौली जिला मुख्यालय पर विशाल शोभायात्रा निकाली जानी थी, लेकिन शोभायात्रा के निर्धारित मार्ग को लेकर आयोजन समिति एवं पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों में सहमति नहीं बनी। वहीं पुलिस प्रशासन ने करौली में संचालित डीजे और म्यूजिक सिस्टम बजाने वालों को थाने पर बुलबाकर पाबंद करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव की धारा 144 लागू है और रामनवमी की शोभायात्रा में डीजे बजाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। वहीं प्रशासन की ओर से कई लोगों को पाबंद भी कर दिया एवं मंगलवार को करौली कोतवाली परिसर में जिला पुलिस अधीक्षक, बृजेष ज्योति उपाध्याय, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शंकर लाल, पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम, करौली उप जिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर, कोतवाली थाना अधिकारी सुनील कुमार आदि ने आयोजन समिति के सदस्यों और मुस्लिम समाज के प्रमुख लोगों को बुलाकर बैठक ली।

इस दौरान जिला कलेक्टर ने साफ शब्दों में कहा कि लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लगी हुई है इसलिए रैली निकालने पर पाबंदी है और शोभायात्रा पूर्व के मार्ग से ही निकाली जानी चाहिए। इस बात को लेकर कोई सहमति नहीं बनी और बैठक समाप्त हो गई आयोजन समिति ने प्रशासन के अधिकारियों से कई बार मिन्नते कि लेकिन कोई हल नहीं निकला। इसके बाद शाम चार बजे एक मैरिज गार्डन के कार्यालय में आयोजन समिति के लोगों द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक अशोक सिंह धावाई, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष चौरजी सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के देवीसिंह बदनपुरा, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष व यात्रा के सहसंयोजक पप्पू पचौरी, आरएसएस के केसर सिंह नरूका ने रोष जताते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा इस तरह की हठधर्मिता नहीं अपनानी चाहिए। पुलिस ने डीजे संचालकों को थाने पर बुलाकर पाबंद करते हुए उन्हें नोटिस दे दिए हमारे कार्यकर्ताओं को इस तरह धमका दिया कि वह घर से बाहर तक नहीं निकल सकते हैं, यह जिला प्रशासन का कृत्य अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम पूरे जोश के साथ उसी निर्धारित मार्ग से होकर रैली निकालेंगे। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल बुधवार रामनवमी के अवसर पर निकल जाने वाली शोभायात्रा कार्यक्रम को निरस्त कर दिया गया है।

चैक अनादरण मामले में नौ माह का कारावास

- **एक लाख नब्बे हजार की प्रतिकर राशि अदा करने का आदेश दिया**

तारानगर, (निसं)। तारानगर न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट अजयदीप सिंह ने चैक अनादरण के मामले में तारानगर क्षेत्र के रेड़ी निवासी भंवरसिंह पुत्र भोपाल सिंह राजपुत को 9 माह का साधारण कारावास व एक लाख नब्बे हजार रूपये की प्रतिकर राशि अदा करने व अदम अदायगी सूरत में 2 माह का साधारण कारावास की सजा सुनवाई है।

प्रकरण के अनुसार राजपुरा के बगडावतसिंह पुत्र भादरसिंह बनजारा ने अभियुक्त भवरसिंह को 1,40,000 रूपये उधार दिये थे जिनकी अदायगी बाबत भवरसिंह ने परिवादी बगडावतसिंह को एक चैक 1,40,000 का दिया था जो अनादरित होने पर परिवादी बगडावसिंह ने न्यायालय में परिवाद पेश किया। जिसके बाद विचारण न्यायालय ने अभियुक्त भवरसिंह को चैक अनादरण की धारा 138 एन.आई.एक्ट. के अन्तर्गत दोषी मानकर 9 माह का साधारण कारावास व एक लाख नब्बे हजार रूपये प्रतिकर से दण्डित किया तथा अदम अदायगी की सूरत में 2 माह का साधारण कारावास अतिरिक्त की सजा सुनवाई है परिवादी की और से पैरवी पवन योगी एडवोकेट ने की है।

चूरू में अम्बेडकर सर्किल तीन दिन से अंधेरे में

अम्बेडकर सर्किल पर लगी हाईमास्ट लाइट बंद है

चूरू, (कासं)। चूरू जिला मुख्यालय पर स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्किल गत तीन रातों से अंधेरे में डूबा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार चूरू कलेक्ट्रेट के पास स्थित डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्किल पर हाईमास्ट लाइट लगी हुई है। यह हाईमास्ट लाइट हमेशा जलती है, लेकिन डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के मौके पर नगरपरिषद के प्रशासन ने यह लाइट बंद करवा दी है। इस पर यहां सामाजिक कार्यकर्ताओं ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश डॉ. भीमराव अम्बेडकर को नमन कर रहा है। इधर चूरू नगरपरिषद के प्रशासन ने उनके नाम से बने सर्किल की लाइट ही बंद कर दी है। कलेक्टर आवास भी चंद कदम दूर है, उसके बाद भी अम्बेडकर जयंती पर डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्किल को अंधेरे में रखना बहुत ही दुःखद बात है। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्किल की हाईमास्ट लाइट बंद करके नगरपरिषद बाबा साहेब का अपमान ही कर रही है।

लाखों की रिश्वत लेने के मामले में तीन जिलों की एसीबी टीम ने कार्रवाई की

एसीबी ने व्यवस्थापकों को नियमितिकरण के नाम पर लाखों रूपये एंठने के मामले में कार्रवाई की।

- **सहकारी बैक में करीब 100 व्यवस्थापकों को नियमितिकरण करने का मामला**
- **सर्च कार्रवाई कर पूर्व एमडी व कम्प्यूटर ऑपरेटर के घर से दस्तावेज आदि बरामद**

जालोर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में सिरोही, जालोर व जोधपुर की संयुक्त टीम ने सहकारी बैक में व्यवस्थापकों को नियमितिकरण के लिए लाखों रूपये की रिश्वत लेने की शिकायत पर जालोर सहित अन्य ठिकानों पर सर्च कार्रवाई कर दस्तावेज कब्जे में लिये।

एसीबी सिरोही के एएसपी ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि लगभग सौ व्यवस्थापकों को नियमितिकरण के एवज में लाखों रूपये रिश्वत लेने के मामले में शिकायत दर्ज होने पर सर्च कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय सहकारी बैंक के पूर्व एमडी के.के. मीणा, जसराज मीणा व कम्प्यूटर ऑपरेटर प्रवीण कुमार द्वारा व्यवस्थापकों को नियमित करने के नाम पर ऑनलाईन लाखों रूपये उनके खाते में ट्रांसजेक्शन हुए। जिसकी शिकायत दर्ज होने पर मामला दर्ज किया गया, जिसके बाद मंगलवार को जालोर, जोधपुर व सिरोही की संयुक्त टीम ने जालोर स्थित जसराज के घर रामदेव कॉलोनी, रोडला गांव में सर्च कार्रवाई कर उनके घर से दस्तावेज सहित अन्य सामग्री बरामद की। वहीं पूर्व एमडी के.के. मीणा के जयपुर स्थित किरोडी नगर आवास से दस्तावेज व अन्य सामग्री को जब्त किया। उन्होंने बताया कि पूर्व एमडी व अन्य के खाते में ऑनलाईन पैसों का लेनदेन का डेटा भी मिलना है, उक्त मामले की जांच कर खुलासा किया जायेगा।

कंटेनर की टक्कर से एक जने की मौत

पुलिस ने मौके पर जाकर कार्रवाई की।

- **घटना के बाद चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया**

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाना अंतर्गत गांव अच्छापुर के पास सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति की कंटेनर की टक्कर लगने से मौत हो गई।

थाना अधिकारी मदनलाल बिश्नोई ने बताया कि चरण सिंह मेघवाल निवासी बांगडवा तहसील राजगढ़ ने मामला दर्ज करवाकर बताया कि 15 अप्रेल की रात्रि को 8.30 बजे के लगभग वह अपने चचेरे भाई बसंत कुमार के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर हरपालु गांव से हमारे गांव आ रहे थे गांव अच्छापुर के पास लघुशंका के लिए मोटरसाइकिल को रोककर सड़क किनारे खड़े थे। तभी एक कंटेनर चालक कंटेनर को तेज गति ओर लापरवाही से चलाता हुआ लाया तथा बसंत को टक्कर मार दी। जिसके करण बसंत को गंभीर चोटें लगी। घटना के बाद चालक कंटेनर को लेकर फरार हो गया। जैसे-तैसे घायल अवस्था में बसंत को संभाला तथा अन्य लोगों की सहायता से एंबुलेंस को बुलाकर बसंत को सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने बसंत को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस ने घटना का मौका निरीक्षण किया तथा मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया तथा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

- **13 वर्षीय किशोरी को दो युवक बहला फुसलाकर ले गये थे**

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थानान्तर्गत एक गांव में एक 13 वर्षीय किशोरी को दो युवकों द्वारा बहला फुसलाकर मोटरसाइकिल पर सुनसान जगह पर ले जाने तथा एक युवक द्वारा दुष्कर्म करने तथा दूसरे युवक द्वारा निगरानी रखने के आरोप में दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

जानकारी के अनुसार राजगढ़ थाने के एक गांव निवासी 40 वर्षीय महिला की ओर से दर्ज मामले में बताया कि वे खाना खाकर अपने घर में सो गये थे। तभी रात्रि को एक बजे महिला की नींद खुली तो उसकी पुत्री चारपाई पर नहीं मिली। तभी ईधर-उधर तलाश करने पर रात्रि के दो अढाई बजे के आसपास उसकी पुत्री घर पर आई, जिस पर महिला ने अपनी पुत्री से पूछताछ करने पर किशोरी ने अपनी माँ को बताया कि वह सोनू नाम के लड़के से बात करती थी तथा सोनू नाम के लड़के ने उसे बहला फुसलाकर रात को 11 बजे गांव के बाहर बुलाया तो वह उसके बहकावे में आकर गांव के बाहर गई।

जहां पर उसे सोनू तथा एक अन्य लड़का मोटरसाइकिल लेकर मिले जो उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर सुनसान जगह ले गये। आरोप है कि सोनू ने उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया। महिला ने बताया कि सोनू व एक लड़के ने उसकी 13 वर्षीय पुत्री को बहला फूसला कर बुलाया तथा सोनू में उसकी पुत्री के साथ बलात्कार किया। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जेवर की दुकान में सेंधमारी, लाखों की चोरी

चोरी की वारदात के बाद सामान बिखरा पड़ा है।

भरतपुर, (निसं)। देर रात्रि चोरों ने सेवर थाना क्षेत्र में छोटी भाडोंर में एक ज्वैलर्स की दुकान में सेंधमारी कर लाखों रूपये के सोने-चांदी के जेवरातों पर हाथ साफ कर दिया। इस घटना का पता ज्वैलर्स को तब लगा जब वह सुबह जागा और उसने घर में ही बनी दुकान को खोलकर देखा। जिस पर पीड़ित ज्वैलर्स दीपक सोनी ने घटना की जानकारी सेवर थाना पुलिस को दी।

सेवर थाना पर दर्ज रिपोर्ट में पीड़ित दुकानदार ने बताया कि उसकी छोटी भांडौर गांव में घर में ही मां मनसा ज्वैलर्स नाम की दुकान है। देर रात को वह दुकान बंद कर सोया था। जब सुबह जागा तो देखा दुकान की शटर टूटी पड़ी है। दुकान में सामान बिखरा हुआ है। दुकान में रखी तिजोरी गायब मिली। पीड़ित दुकानदार ने बताया कि दुकान से दो किलो चांदी की तोडिया, ढाई किलो बिछीया, आठ चांदी के सिक्के, एक किलो चांदी की अंगूठी, दो किलो तार घूंघरू, पैंडल बच्चा तोडिया, पांच सौ ग्राम पुरानी चांदी, एक किलो पुराना पॉलिस किया हुआ सामान, करीब पांच हजार रूपये की नगदी चोर चोरी कर ले गए।

प्रेमी से शादी करने की जिद को लेकर युवती टावर पर चढ़ी

मसूदपुर गांव के पास एक युवती प्रेमी से शादी करने की जिद को लेकर टावर पर चढ़ गई।

- **अधिकारियों की समझाइश एवं कड़ी मशक्कत के बाद युवती टावर से नीचे उतरी**
- **पुलिस ने युवती को शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया**

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के निहालगंज थाना इलाके में रीको एरिया में मसूदपुर गांव के पास मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक युवती टावर पर चढ़ गई, जिससे मौके पर लोगों की काफी भीड़ एकत्रित हो गई। वहीं अधिकारियों के पसीने छूटते रहे। करीब ढाई घंटे की समझाइश एवं कड़ी मशक्कत के बाद युवती टावर से नीचे उतरी। जिसे पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि युवती अपने प्रेमी से शादी करना चाहती है, लेकिन परिजन इसके लिए राजी नहीं हैं। जिसे लेकर वह परिजनों पर दबाब बनाने के लिए टावर पर चढ़ गई।

कैला देवी मेले से गायब हो गई थी युवती :- जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय वर्षा पुत्री डरेलाल पुजारी निवासी लुहारी शमशाबाद जिला आगरा 2 अप्रेल को अपनी मां और ग्रामीणों के दल के साथ पैदल-पैदल केला देवी मैया के दर्शन करने करौली गई थी। जहां से वह 7 अप्रेल को अचानक गायब हो गई। जिसकी सूचना मां ने परिजनों को दी। जिस पर परिजन भी केला देवी पहुंच गए। जहां 2 दिन तक युवती की तलाश की। लेकिन कोई पता नहीं लग सका। इस पर हार मानकर व परेशान होकर परिजन घर आ गए। मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे परिजनों को पुलिस से सूचना मिली कि उनकी बेटी धौलपुर में एक टावर पर चढ़ गई है। वहीं मामले की सूचना मिलते ही धौलपुर एसडीएम डॉक्टर साधना शर्मा, तहसीलदार धर्म सिंह, निहालगंज थाना प्रभारी बृजेंद्र सिंह मय पुलिस जाब्ता के मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने युवती को माइक के द्वारा काफी समझाने और नीचे उतारने की कोशिश की, लेकिन वह नीचे नहीं उतरी और उसने परिजनों को मौके पर बुलाने की बात कही।

इस पर पुलिस ने परिजनों को भी मौके पर बुला लिया, जिनके मौके ओर आने और समझाने के बावजूद भी युवती नीचे नहीं उतरी। इसके बाद युवती ने प्रशासन के सामने शर्त रखी कि परिजनों को मौके से घर भेज दो, उसके बाद नीचे उतर आऊंगी और परिजनों के साथ नहीं जाऊंगी। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को मौके से हटाते हुए युवती को उसकी इच्छा मुताबिक स्थान पर भेजने का भरोसा दिलाया, तब कहीं करीब ढाई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवती टावर से नीचे उतरी। इसके बाद पुलिस ने शांतिभंग करने के आरोप में युवती को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद युवती की काउंसलिंग की गई और उसे समझाया गया। जिस पर वह परिजनों के साथ जाने को राजी हो गई। वहीं पुलिस ने युवती को एसडीएम के समक्ष पेश किया। जहां एसडीएम ने जमानत देते हुए युवती को परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

एसडीम डॉक्टर साधना शर्मा ने बताया कि युवती एक युवक से प्रेम करती है, जो उसका रिश्तेदार है, और उसी से वह शादी करना चाहती है। इसे लेकर वह टावर पर चढ़ गई थी। मौके पर नहीं थे बचाव के संसाधन, अधिकारियों के छूटते रहे पसीने यूँ तो प्रशासन द्वारा विभिन्न तरह की टीम बनाकर आपातकालीन स्थिति में बचाव एवं राहत के सभी संसाधन होने के दावे किए जाते हैं। लेकिन इन दावों की आज रीको एरिया में उस समय पोल खुल गई जब युवती टावर पर चढ़ी। युवती टावर से कूद नहीं जाए या पैर फिसल के नीचे गिर ना पड़े, इसके बचाव को लेकर प्रशासन के पास नेट की भी व्यवस्था नहीं थी। जिस कारण ढाई घंटे तक अधिकारियों के पसीने छूटते रहे। वहीं किसी भी अनहोनी को ध्यान में रखते हुए मौके पर एंबुलेंस को बुलाया गया। लेकिन एसडीएम के फोन करने के बावजूद भी एंबुलेंस काफी समय तक मौके पर नहीं पहुंची। जिस पर एसडीएम ने नाराजगी जाहिर की।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा की ज्योति मिर्धा के पक्ष में जनसभायें की

मकराना क्षेत्र के विश्नोई और राजपूत समाज ने ज्योति मिर्धा को समर्थन देने का एलान किया

मकराना, (निसं)। भाजपा प्रत्याशी डॉ. ज्योति मिर्धा के पक्ष में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को दो अलग-अलग जगह पर आयोजित जन सभाओं को सम्बोधित किया। मंगलवार दोपहर करीब बारह बजे परबतसर क्षेत्र के ग्राम मंडावरा के तिराया पर और दूसरी मकराना क्षेत्र के गचछीपुरा में आयोजित जनसभाओं को सम्बोधित करते हुई दिया कुमारी ने कहा कि ये चुनाव देश की एकता और अखंडता का तथा देश के स्वाभिमान का चुनाव है। विश्व गुरूभारत बनाने के लिए एवं राष्ट्रहित की सोचते हुए तीसरी बार मोदी सरकार बनानी जरूरी है।

भाजपा प्रत्याशी डॉ. ज्योति मिर्धा के पक्ष में आयोजित जन सभाओं में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी का स्वागत किया।

- गच्छीपुरा मण्डल कांग्रेस के सभी पार्टी पदाधिकारियों सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओ ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा
- 'भारत को विश्वगुरू बनाने एवं राष्ट्रहित की सोचते हुए तीसरी बार मोदी सरकार बनानी जरूरी है'

इस दौरान किसान आयोग के अध्यक्ष सीआर चौधरी ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा यह चुनाव कोई आम चुनाव नहीं है, यह राष्ट्र के हित का चुनाव है और अबकी बार मोदी के गारंटी योजना के साथ 400 पार करना है। राजस्थान में अब डबल इंजन की सरकार है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में निश्चित ही प्रदेश विकास की ओर अग्रसर होगा और विकास के नए-नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। इसलिए अब केंद्र का चुनाव है तो प्रदेश की पूरी 25 सीटें मोदी जी के खाते में डालनी है।

भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा ने संबोधित करते हुये कहा कि देश लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है और देश का हर वर्ग प्रधानमंत्री के साथ जुटा हुआ है। इसलिए नागौर की जनता भी इस बार मोदी जी के सपने को साकार करने के लिए अपना योगदान देगी और मोदी सरकार 400 पर की सरकार बनेगी। इस मौके पर मैडता विधायक कलरू, मकराना पंचायत समिति प्रधान सुमिता भींचर, पूर्व विधायक मानसिंह किनसरिया, पूर्व विधायकराम भींचर, पूर्व विधायक रुपाराम मुरावतीया, पूर्व विधायक राकेश मेघवाल, पूर्व विधायक भंवरलाल राजपुरोहित, पूर्व विधायक विजयपाल मिर्धा सहित पार्टी पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। इस दौरान मकराना क्षेत्र के समस्त विश्नोई समाज और राजपूत समाज ने सामूहिक रूप से भाजपा उम्मीदवार ज्योति मिर्धा को समर्थन व सहयोग देने का खुला ऐलान किया गया। वहीं गच्छीपुरा मण्डल कांग्रेस अध्यक्ष सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा।

इन सभी का उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। भाजपा महिला प्रकोष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट सुनिता रांदड, जिला मंत्री राज खण्डेलवाल, नगर पालिकाध्यक्ष ओमप्रकाश सेन, भाजपा जिलाध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ओडिट, सरपंच मनोरसिंह रूपपुरा, शक्ति सिंह चावंडिया, डॉ. रजनी गौड़, सज्जन सिंह, शिक्षक प्रकोष्ठ जिला संयोजक बीरमाराम किरड़ोलिया, विधानसभा क्षेत्र मकराना के संयोजक विनय नाथावत, सम्मेलन प्रभारी रामनिवास दिवाकर, मकराना शहर मण्डल अध्यक्ष कपिल, पंचायत समिति सदस्य विजय सिंह पलाड़ा, सरपंच लीना कंवर, जिला उपाध्यक्ष घनश्याम सोनी, मण्डल अध्यक्ष बोरावड़ राजेश डारा, मण्डल अध्यक्ष बूड़सू गिरवरसिंह देवला, मण्डल अध्यक्ष रानीगांव सुरेन्द्र सैनी, मण्डल अध्यक्ष रमेशचन्द सारड़ा, पूर्व पंचायत समिति सदस्य पन्नाराम गोदारा, सरपंच संघ अध्यक्ष प्रकाश भाकर, राधाकिशन बाना-बाजोली, नीम्बड़ी सरपंच उगमाराम, मण्डल उपाध्यक्ष सोनम दाधीच, मनीषा जाजुन्दा, ईछावा लाखा सरपंच प्रेमाराम छरंग, गेहडा कला सरपंच मुकेश डारा, मामड़ोली सरपंच पुसाराम ज्याणी, बोदूसिंह-आसरवा, सरपंच अन्नाराम, बेसरोली सरपंच श्रवणराम रलिया, बूड़सू सरपंच महावीर कूकणा, झूमरराम बुरड़क-देवरी, इन्दौखा सरपंच विक्रम मातवा, डोबड़ीकला सरपंच दिलीप कुमार, आसुराम सील, हनुमानराम बाबल, दुर्गाराम खिलेरी, गिरधारीराम भैयाकला, जस्साराम विश्रोई, मनाना सरपंच रामसिंह, किरण शेखावत, श्रवणराम मलिण्डा, राधाकिशन बाना, शंकरलाल विश्रोई, प्रकाश सोनगरा, कल्पना जैन सहित हजारों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रेमी के साथ मिलकर बहू ने सास की हत्या की

- घर में बनी पानी की डिग्गी में डूबोकर हत्या कर दी, दोनों गिरफ्तार
- शव को डिग्गी से बाहर निकाल बहू ने रोने का नाटक किया

श्रीगंगानगर, (निसं)। अवैध संबंधों में बाधा बनने पर पुत्रवधू ने प्रेमी के साथ मिलकर सास की घर में बनी पानी की डिग्गी में डूबोकर हत्या कर दी। हत्या के बाद पुत्रवधु ने शव को डिग्गी से बाहर निकाल कर सास के डिग्गी में डूबकर आत्महत्या करना बताते हुए रोने का नाटक किया। पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया। मामला नई मंडी घड़साना पुलिस थाना के गांव 2 जीडी का है। सास की हत्या करने के आरोप में पुत्रवधु तथा उसके प्रेमी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी मिलने पर डीवाईएसपी अमरजीत चावला ने घटनास्थल का मुआयना किया।

थानाधिकारी कलावती चौधरी ने बताया कि चक 2 जीडी निवासी मृतका के पुत्र अमरजीतसिंह कम्बोज सिख पुत्र बूटासिंह ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2021 में 55 जीबी निवासी गुजर सिंह मजहबी सिख की पुत्री रीना के साथ हुई थी। उसके सवा साल की पुत्री है। इस बीच उसकी पत्नी के नई मंडी घड़साना की ओम कालोनी निवासी सुरेश सुथार पुत्र भागीरथ से अवैध संबंध हो गए। इसकी जानकारी पति अमरजीत तथा उसकी मां महेन्द्र कौर को थी। दोनों ने रीना को कई बार डांटा तथा सुरेश कुमार को भी समझाया, लेकिन दोनों पर कोई असर नहीं हुआ। रविवार सुबह अमरजीत काम पर चला गया। उसकी मां भी गुरुद्वारे चली गई।

घर पर रीना अकेली होने पर सुरेश घर पर आ गया। इसी दौरान उसकी मां गुरुद्वारे से आ गई। अमरजीत सिंह ने बताया कि रीना ने उसको फोन पर मां के डिग्गी में डूबने की सूचना दी। वह घर आया तो सुरेश व रीना मां शव के पास खड़े थे। उसने पूछताछ की तो सुरेश घर से चला गया। सूचना पर पुलिस पहुंची और शव को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाकर पोस्टमार्टम करवाया। पुलिस ने रीना तथा सुरेश कुमार को राउन्डअप कर पूछताछ की तो दोनों ने बताया कि वे वृद्धा महेन्द्र कौर की ओर से अवैध संबंधों पर एतराज जताने तथा मिलने में बाधा बनने से खफा थे। इसलिए रीना और उसके प्रेमी ने महेन्द्र कौर के हाथ-पैर पकड़कर घर में बनी पानी की डिग्गी में फेंक दिया, पानी में डूबने से महेन्द्र कौर की मौत हो गई।

हादसे में युवक की मौत

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। मंझेला रोड स्थित मिर्जा बावड़ी के पास मंगलवार को पिकअप की टक्कर से बाईक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही दो युवकों को घायल अवस्था में राजकीय यज्ञनारायण अस्पताल में भर्ती कराया है। हाउसिंह बोर्ड निवासी करण चौधरी, निखिल शर्मा व करण नायक बाइक पर सवार होकर आवश्यक कार्य से जा रहे थे इस दौरान हादसा हो गया, जिससे करण चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई।

सड़क दुर्घटना में दुल्हन की मां की मौत, पिता घायल

- सहभोज के लिए जा रहे थे, 23 अप्रैल को बेटी की शादी होनी है

लालसोट, (निसं)। थाना क्षेत्र में तेज गति की एक ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार दंपति को चपेट में ले लिया। इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पत्नी की मौत हो गई और पति गंभीर घायल हो गया। सड़क दुर्घटना में महिला की मौत की सूचना मिलने पर पूरे परिवार में कोहराम मच गया एवं बेटी की शादी की खुशियां गम में तब्दील हो गई। शादी से एक हफ्ते पहले ही दुल्हन की मां की सड़क दुर्घटना में मौत से दुल्हन के सर से मां का साया उठ गया।

इस सड़क दुर्घटना में घायल छोटेलाल मीणा ने बताया कि उसकी बेटी की 23 अप्रैल को शादी होनी है। ऐसे में वह पत्नी रामपति देवी के साथ अपनी रिश्तेदारी में दिए जाने वाले सहभोज के लिए जा रहा था। इस दौरान रास्ते में हादसा हो गया। यह सड़क दुर्घटना क्षेत्र के प्रहलाद पुरा गांव के पास सोमवार दोपहर करीब एक बजे की है। एएसआई राम सिंह गुर्जर ने बताया कि चौकीदारों की ढाणी तन प्रहलाद पुरा निवासी छोटेलाल मीना अपनी पत्नी रामपति देवी के साथ बाइक पर सवार होकर किसी रिश्तेदार के घर पर जा रहे थे। इस दौरान देवली रोड पर सामने से आ रहे एक तेज स्पीड ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को टक्कर मार दी।

ऐसे में आसपास के लोगों ने बाइक सवार पति-पत्नी को लालसोट जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने रामपति देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं छोटे लाल मीणा का प्राथमिक उपचार जारी है। वहीं हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली को छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को थाने में लाकर जब्त कर लिया है। वहीं पुलिस ने मृतक महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वहीं पूरे मामले की जांच लालसोट थाना पुलिस कर रही है।

आने वाले समय में राजस्थान विकसित प्रदेश की श्रेणी में खड़ा हो जाएगा : राजेंद्र राठौड़

- पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने देवेंद्र झाझड़िया के समर्थन में नुक्कड़ सभा की
- देवेंद्र झाझड़िया सही मायने में संघर्ष के पर्याय हैं : पूर्व नेता प्रतिपक्ष राठौड़

चूरू, (कासं)। देवेंद्र झाझड़िया सही मायने में संघर्ष का पर्याय हैं। यह बात पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने सोती भवन में वार्ड 53, 54, 55 व 56 की संयुक्त नुक्कड़ सभा के दौरान कही। इस अवसर पर राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने सभी वर्गों का विकास किया है, जिस प्रकार प्रदेश की डबल इंजन की सरकार जनहित के कार्य कर रही है। आने वाले समय में राजस्थान विकसित प्रदेश की श्रेणी में खड़ा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी ने अपने संकल्प पत्र के माध्यम से देश को विकसित बनाने का संकल्प लिया है, उसे अक्षरशः लागू किया जाएगा।

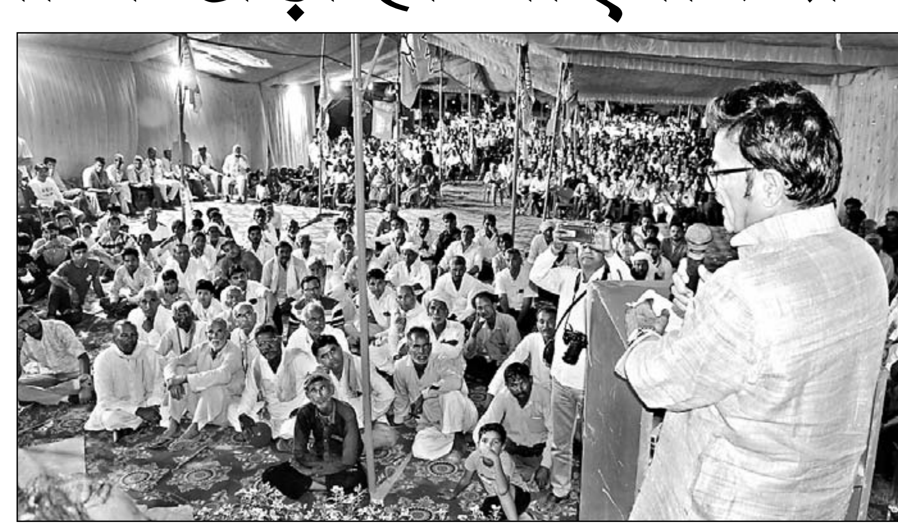
पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने देवेन्द्र झाझड़िया के पक्ष में नुक्कड़ सभा को सम्बोधित किया।

संकल्प पत्र की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि संकल्प पत्र में गांव व गरीब की चिंता की गई है। उन्होंने इस संकल्प पत्र को युवा, महिला व गरीबों के कल्याण का संकल्प पत्र बताया। इस अवसर पर पूर्व सभापति विजय शर्मा, राधेश्याम चोटिया व महेन्द्र पाण्डे ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम में श्यामलाल झिकनाडिया, कन्हैयालाल सांखला, रमाकान्त भाऊवाला, गोपीराम हारित, भोलाराम शर्मा, सोहन लाल रैगर, रमेश नायक, जमन टाक, सांवरमल बालाण आदि का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर कैलाश सैनी, शंकरलाल सैनी, कालू स्वामी, पवन सैनी, किशोर सैनी, अरविन्द चोटिया, रजाक चेजारा, राजू गुर्जर सोयब लीलगर, अब्दुल, सदीक अली आदि ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री डॉ. वासुदेव चावला, पूर्व सभापति विजय शर्मा, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, श्रीराम सैनी, निरंजन स्वामी, फतेहचन्द सोती, मंगलुराम बागड़ा, श्रीराम शर्मा, मनोज जोशी, हनुमान माटोलिया, लालचन्द सैनी, विमल जोशी, रामावतार टाक, राजकुमार दईया, अमित औझा, मांगीलाल गुर्जर, सुनील खटीक, जगदीश चंदेल, आकाश सैनी, दीपक व्यास, अमित गुर्जर, यादवेन्द्र वशिष्ठ, सुनिता प्रजापत, इंद्रा सैनी, सरिता जोशी, सुरेश चोटिया आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर उत्तर मंडल उपाध्यक्ष श्रीराम पीपलवा ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का माल्यार्पण कर व साफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राधेश्याम चोटिया ने किया।

ग्राम झारिया में ओबीसी सेन समाज का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष व सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनिल गहलोत, प्रधान दीपचन्द राहड़ आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश में विकास की गंगा बहाई है। अगर केन्द्र में भाजपा की सरकार आती है तो जिनके पास घर नहीं है, उनको को घर दिलवाने का वादा किया है। सेन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गहलोत ने कहा कि यह चुनाव किसी एक जाति को लेकर नहीं है, यह चुनाव सबका है। यह चुनाव देश का प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। इस अवसर पर सभा में आत्माराम सैन, चांद रांकावत, चेतराम सहारण, विष्णु सैन, बलवीर अल्वा, ताराचन्द जोड़ी, उमाराम, भानीराम, कष्णकांत पंवार, भंवरलाल, बनवारीलाल, चिमनाराम, प्रभुराम, काशीराम, अर्जूनराम, चूनाराम, रतनलाल, जगदेव, कृष्णमल, सांवरमल, निरंजन सेन व मैना बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूष उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शीशराम हर्षवाल ने किया।

भंवरी देवी के बेटे की याचिकाएं खारिज

जोधपुर, (कासं) भंवरी देवी अपहरण व हत्या के 12 साल बाद भी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं हो पाया है। इसी बीच एससी-एसटी कार्ट ने भंवरी देवी के बेटे साहिल की ओर से कोर्ट में मृत्यु प्रमाण पत्र व मूल सेवा पुस्तिका दिलाए जाने की लगाई गई दो अलग-अगल याचिका को खारिज कर दिया है। अनुसुचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण मामलात की विशेष अदालत में याचिकाएं पेश कर साहिल ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने विचारण न्यायालय को निर्देश दिया है कि न्यायालय संबंधित प्राधिकारी को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दे तथा भंवरी के सर्विस की मूल सेवा पुस्तिका परिजनों को लौटाई जाए।

कोर्ट में पेश की गई याचिका का विरोध करते हुए सीबीआई के विशिष्ट लोक अभियोजक अशोक जोशी ने कहा कि याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट के आदेश का विवेचन सही रूप से नहीं किया है। विचारण न्यायालय को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने का निर्देश देने का क्षेत्राधिकार ही नहीं है। विशेष न्यायाधीश (एससीएसटी कोर्ट) प्रीति मुकेश परनामी ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने इस प्रकार के निर्देश जारी नहीं किए हैं। मूल सेवा पुस्तिका मृतक के परिजन को नहीं दी जा सकती है।

बसपा विधायक मनोज न्यांगली शिवसेना में शामिल

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर में एक बार फिर लोकसभा चुनाव के बीच ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। चूरू जिले की सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा से विधायक मनोज न्यांगली मंगलवार को बसपा को छोड़कर शिवसेना में शामिल हो गये।

विधायक मनोज न्यांगली।

जिसको लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस दौरान विधायक मनोज न्यांगली ने कहा कि लोकसभा चुनाव चल रहा है, जिसमें पार्टी के गठबंधन के अनुसार बचे हुए समय में चूरू लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार को जिताकर मोदी जी की सरकार बनानी है। वहीं दूसरी तरफ सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा से दूसरी बार विधायक बने मनोज न्यांगली के बसपा छोड़ने से राजस्थान में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) को बड़ा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार प्रदेश में पार्टी के दो विधायक शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो गए हैं। मुंबई में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे की मौजूदगी में सादुलपुर से एएलए मनोज न्यांगली और बाड़ी से एमएलए जसवंत सिंह गुर्जर ने बीएसपी छोड़कर शिवसेना जॉइन कर ली है। वहीं दोनों विधायकों के शिवसेना (शिंदे) में शामिल होने के बाद राजस्थान विधानसभा में अब बीएसपी विधायकों की संख्या शून्य हो गई है।

छात्रा ने जान देने की कोशिश की

भीलवाड़ा, (निसं)। साइंस का पेपर बिगड़ने से डिप्रेशन में एक नाबालिग छात्रा ने तालाब में कूद कर अपनी जान देने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों की सूझबूझ और सतर्कता से छात्रा को तालाब से बाहर निकाला और उसे तुरंत हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले जाया गया और उसकी जान बच गई।

मामला भीलवाड़ा के कोतवाली थाना क्षेत्र के गांधी सागर तालाब का है। यहां शास्त्री नगर में रहने वाली सेजल पिता शाहिद ने आज गांधी सागर तालाब में कूदकर अपनी जान देने की कोशिश की लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने बच्ची को तालाब में कूदते हुए देखा तो वो भी आनन-फानन में तालाब में कूदे और तुरंत उसे तालाब से बाहर निकाला। इलाज के लिए हॉस्पिटल भिजवाया।

धर्म जागृति संस्थान का राष्ट्रीय अधिवेशन सम्पन्न

पूरे देश से पधारे करीब सात सौ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ कार्यक्रम

जयपुर। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान का सप्तम राष्ट्रीय अधिवेशन श्रीचंद्र प्रभु अतिशय क्षेत्र देहरा तिजारा के प्रांगण में स्थित चन्द्रगिरि वाटिका में परम पूज्य आचार्य श्रीवसुनंदी महामुनिराज ससंघ के सानिध्य व मार्गदर्शन में सोमवार को भव्यता के साथ पूरे देश से पधारे करीब सात सौ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित हुआ। धर्म जागृति संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री इंजीनियर भूपेंद्र जैन दिल्ली ने बताया कि अधिवेशन प्रातः पं. शिखर चंद जैन के निर्देशन में ध्वजा रोहण के बाद मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। इसके बाद आचार्य श्री का पादप्रक्षालन धर्म जागृति संस्थान दिल्ली ने तथा शास्त्र भेंट धर्म जागृति संस्थान अजमेर द्वारा किया गया।

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान का सप्तम राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न हुआ।

- सर्वश्रेष्ठ शाखा का सम्मान राजस्थान प्रान्त शाखा को मिला

राष्ट्रीय मंत्री संजीव जैन व राष्ट्रीय प्रचार मंत्री संजय जैन बडजात्या कामां ने केंद्रीय संस्थान की कार्य रिपोर्ट सदन के समक्ष रखने के बाद सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए जिसमें पवन चौधरी अलवर, पदम जैन बिलाला, भाग चंद मित्रपुरा, यश जैन, राकेश जैन, सुनील पहाड़ियां, पंकज लुहाड़िया, विनीत उनेरिया अजमेर, हरखचन्द बड़जात्या आदि ने कहा कि साधु संतों के आहार विहार में सहयोग हेतु युवा वर्ग में जागृति लाना, धर्म व जाति के कालम में जैन लिखना, जैन धर्म के साथ जैन जाति घोषित करवाने हेतु राज्य व केंद्र सरकार को लिखना, बच्चों व बड़ों को पाठशालाओं के माध्यम से संस्कारित करना सहित कई सुझाव प्राप्त हुए तथा प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ के जन्म दिवस पर सार्वजनिक अवकाश की मांग साधु सन्तों के पद विहार में सुरक्षा की माँग, संतों के प्रवास हेतु भूमि / भवन की मांग, श्रमण संस्कृति बोर्ड में जैन शब्द जोड़ने व सभी राज्यो में गठन की मांग, प्राकृत भाषा के विकास हेतु बोर्ड व अध्ययन/अध्यापन व्यवस्था की मांग, अल्पसंख्यक बोर्ड आदि में जैन प्रतिनिधित्व की मांग सहित कई मांगे केंद्रीय/राज्य सरकारों के समक्ष रखने के सुझाव प्राप्त हुए।

दूसरे सत्र में आचार्यश्री की अष्ट द्रव्य के साथ पूजन की गई। पूजन का मधुर वाचन वर्धस्व नंदिनी मातजी द्वारा किया गया तथा शाखाओ द्वारा एक एक द्रव्य भक्ति के साथ झूमते हुए गुरुवर को अर्पित किए गए। पूजन कार्य की सुंदर व्यवस्था ज्ञान चंद जैन ने की थी। आचार्य श्री वसुनंदी महाराज ने अपने उद्बोधन में प्राप्त सुझावों को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कार्यकर्ता ही संघठन की रीढ़ होते हैं तथा वर्तमान युग संघठित रहने का युग है। संगठित समाज ही अपनी मांगें सरकार से पूर्ण कराने में सक्षम होता है। इसके बाद आचार्य श्री ने कहा कि काम करने वाले का सम्मान करना प्रोत्साहन व प्रेरणा का कार्य करता है। आचार्य श्री ने उत्कृष्ट कार्य करने हेतु चयनित शाखाओ के नाम की घोषणा की जिन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी योगेश जैन मेरठ, निकुंज जैन दिल्ली, डॉ. नीरज जैन आदि द्वारा सम्मानित किया गया।

राजस्थान की प्रांतीय शाखा को संस्थान की राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ शाखा चुना गया, जिसमें पदम जैन बिलाला जयपुर की अध्यक्षता में समाज हित में महत्वपूर्ण कार्य संपन्न करने पर अध्यक्ष को वसुनंदी महाराज के जयकारों व करतल ध्वनि के बीच सम्मानित किया गया जिसके बाद उन्होंने सभी पदाधिकारियों के साथ पूरे संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया। राष्ट्रीय संस्थान द्वारा महिला वर्ग शाखा में प्रथम उत्तम नगर दिल्ली, द्वितीय ग्रीन पार्क दिल्ली तथा तृतीय जनुथर जिला डीग व पुरुष वर्ग में प्रथम अलवर द्वितीय मेरठ तथा तृतीय सलूम्बर को चयनित किया गया।

इधर तिजारा क्षेत्र प्रबंध समिति द्वारा सभी केंद्रीय पदाधिकारियों का स्वागत सम्मान किया गया। अधिवेशन में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया जिसमें किरण जैन, महेश काला जयपुर, राजीव लाखना जयपुर, देवेंद्र जैन कठूमर, पवन जैन अलवर, घनश्याम जैन जनुथर, राजेंद्र जैन झंडा जयपुर, संजय सर्राफ कामां, सुंदरम जैन सलूंबर, प्रेमचंद जैन तिजारा आदि प्रमुख रहे।

कार्यक्रम का संचालन संजय जैन बडजात्या कामां, इंद्रा बडजात्या जयपुर व नमन जैन मेरठ द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में तिजारा क्षेत्र की प्रबंध समिति द्वारा की गई व्यवस्थाओं के लिये संस्थान द्वारा उनका अभिनंदन किया गया व धन्यवाद ज्ञापित किया गया। साथ ही राष्ट्रीय महामंत्री ने सभी शाखाओं सदस्यों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

महापुरुष सागर के तट पर एकत्र फेन के समान : स्वामी गोविन्द देव

देश को आजादी तो मिल गई किंतु शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक और सांस्कृतिक वैचारिक आजादी मिलना अभी शेष : स्वामी रामदेव

हरिद्वार, (निसं)। पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित 'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' के आठवें दिन पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरि महाराज ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने किसी के भी प्रार्थना स्थल को तोड़ा नहीं लेकिन जहां मंदिर को तोडकर अन्य प्रार्थना स्थल बनाये गये, उनको तोडकर वापस मंदिर बनाया और अपना संकल्प सिद्ध किया।

उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक प्रमाण है कि शिवाजी महाराज ने तिरूवणामलई के दो देवालय की पुनर्स्थापना की। मूल बात यह है कि जब अनेक लोगों के अत:करण में आंकाक्षाएँ जागृत होती हैं तो स्वत: ही हमारी आंकाक्षायें जागृत हो जाती हैं। यदि वे तीव्र होंगी तो हमारा तीव्र संवेग होगा और स्वत: ही होगा, जैसे परमार्थ से वेद उन्नित करता है, उसी प्रकार जब पूरे समाज का तीव्र संवेग हो जाता है तो इस वातावरण, इस अंधकार से हमें बाहर निकालने के लिए किसी को तो आना ही पडता है। स्वामी जी ने बताया कि महापुरुष का जन्म कैसे होता है, संसार को नयी दिशा देने वाले महापुरुष कैसे आते हैं। महापुरुष सागर के तट पर एकत्र होने वाली फेन के समान होते हैं,

पतंजलि विश्वविद्यालय में आयोजित 'छत्रपति शिवाजी महाराज कथा' के आठवें दिन स्वामी रामदेव ने गोविन्द देव गिरि महाराज से आशीर्वाद लिया।

जब सागर में लहरे उठती हैं तो वह तट से टकराती हैं, विलीन होती हैं और फिर दूसरी लहर आती है। इसी प्रकार से यह क्रम चलता रहता है। इस प्रकार से लहरों के परस्पर टकराने से तट पर फेन इकट्ठा हो जाती है उसी प्रकार अनेक लोगों के अंत:करण में अनेक वर्षों तक, कभी-कभी पीढ़ियों तक जब ये भावनाएं उठती हैं तब महापुरुष जन्म लेते हैं।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज ने 5 आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी का आंदोलन तो पूरा हो गया, अब चिकित्सा की आजादी के आंदोलन की बारी है। पतंजलि वैलनेस, योगठाम, निरामयम् और पतंजलि योगपीठ की विश्वव्यापी आयुर्वेद की प्रतिष्ठा से महर्षि चरक, महर्षि सुश्रुत की प्रतिष्ठा देश ही नहीं पूरे विश्व में होगी। उन्होंने कहा कि अब कोई पैथी नहीं, सभी पैथियाँ आयुर्वेद की अनुचर होंगी, सबसे ऊपर आयुर्वेद होगा। दासत्व तो सौभाग्य से मिलता है, हमको परमात्मा का, गुरुजनों का दासत्व मिला यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है। विश्वगुरु तो भारत ही है, अन्य सभी देश भारत का अनुसरण करें।

इसके अतिरिक्त शिक्षा की आजादी का भी बड़ा आंदोलन है। ब्रिटिशों ने उल्टे-पुल्टे कानून बना दिए जिसका खामियाजा देश को उठाना पड़

> ■ जब अनेक लोगों के अत:करण में आकांक्षाएँ जागृत होती हैं तो हमारी आकांक्षायें स्वत: ही जागृत हो जाती हैं: स्वामी गोविन्द देव

रहा है। कुछ तो संशोधित हो गए, कुछ में संशोधन होना अभी शेष है। 1835 में मैकाले द्वारा बनाए गए इण्डियन एजूकेशन एक्ट को अब ध्वस्त करने की बारी है जो भारतीय शिक्षा बोर्ड, पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय, पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम् के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्वदेशी आंदोलन के माध्यम से आर्थिक आजादी का आंदोलन पतंजलि द्वारा वर्षों से चलाया जा रहा है। एक हजार लाख करोड़ से अधिक रुपया मात्र ब्रिटिशर्स लूटकर ले गए। इसके अतिरिक्त जो यवनों, पुर्तगालियों, फ्रांसिसियों, शक व हुणों ने लूटा वह अलग है। राजनैतिक आजादी के बाद भी यह आर्थिक लूट जारी है। हमें 100 प्रतिशत स्वदेशी का प्रयोग करके आर्थिक लूट से भी देश को मुक्ति दिलानी होगी और सबसे बडी आजादी वैचारिक व सांस्कृतिक आजादी है। कोई भी राष्ट्र बिना स्वाभिमान के आगे बढ ही नहीं सकता। सनातन व हिन्दू धर्म की प्रतिष्ठा या इसमें कोई दुराठाह करे तो रामराज्य की प्रतिष्ठा से तो अब हमें कोई रोक ही नहीं सकता। राम हमारा चरित्र, स्वाभिमान, भगवान, पूर्वज व सब कुछ हैं। हम राम के हैं, राम हमारे हैं।

इस अवसर पर पतंजलि परिवार के वरिष्ठ पद्मसेन आर्य, आचार्यकुलम् की उपाध्यक्षा डॉ. ऋतम्भरा, पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. महावीर अग्रवाल, आई.क्यू.ए.सी. सैल के अध्यक्ष प्रो. के.एन.एस. यादव, कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव, सहायक कुलसचिव डॉ. निर्विकार, आचार्यकुलम् की प्राचार्या आराधना कौल, सहित सभी शिक्षण संस्थान यथा- पतंजलि गुरुकुलम्, आचार्यकुलम्, पतंजलि विश्वविद्यालय एवं पतंजलि आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्यगण व विद्यार्थीगण, पतंजलि संन्यासाश्रम के संन्यासी भाई व साध्वी बहनें तथा पतंजलि योगपीठ से सम्बद्ध समस्त इकाइयों के इकाई प्रमुख, अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मंत्रोच्चार के साथ 45 लाख आहुतियां दी

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के ग्राम घिनोई में स्थित माधवदास आश्रम पर वैष्णवदास महाराज (वासु बाबा) के सानिध्य में आयोजित हो रहे नव दिवसीय 109 कुंडीय श्रीराम महायज्ञ में यजमानों से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दिलवाई जा रही है। यज्ञाचार्य पंडित बुद्धि प्रकाश शास्त्री ने बताया कि श्रीराम महायज्ञ में मंगलवार तक करीब 45 लाख आहुतियां दी जा चुकी है। महायज्ञ का समापन 17 अप्रैल को होगा। महायज्ञ में बुधवार को सवा ग्यारह बजे पूर्णाहुति होगी। श्री राम महायज्ञ में आने वाले भक्तों के लिए भोजन (भंडारे) का भी आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश भाखरिया, संरक्षक भैरुराम बुरा, सचिव गोपाल जी भादुका, बंशीधर मंडल आदि मौजूद रहे। समिति से मिली जानकारी अनुसार यज्ञ स्थल पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान की ओर से आयुर्वेद चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सकों का दल व कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहे है।

ट्रक की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

दूदू, (निसं)। जयपुर अजमेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दातरी बस स्टैंड के पास मंगलवार सुबह सडक पार कर रहे एक व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आ जाने पर मौत हो गई। 40 वर्षीय रामेश्वर जाट निवासी सिरोही कला बाइक खडी कर सडक के दूसरी ओर जा रहा था। इस दौरान अजमेर की ओर से आ रहे ट्रक की टक्कर से पूरे चिथडे शरीर के बिखर गए। मौके पर दूदू थाने की पुलिस ने पहुंचकर मृतक की जेब में मिले आधार कार्ड के अनुसार पहचान कर परिजनों को सूचित किया तथा शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद चालक ट्रक छोडकर फरार हो गया।

भूपेंद्र यादव के समर्थन में जनसंपर्क

गोविन्दगढ़/अलवर, (निसं)। रामगढ विधानसभा क्षेत्र के गोविन्दगढ में मंगलवार को भूपेंद्र यादव के समर्थन में वन मंत्री संजय शर्मा एवं पूर्व जिलाध्यक्ष पंडित धर्मवीर शर्मा ने जनसंपर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान जगह जगह माला एवं फेटा पहनाकर व मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया। उसके बाद ब्राह्मण समाज धर्मशाला में वन मंत्री संजय शर्मा का ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष रामसहाय शर्मा एवं निवास शर्मा ज्ञान शर्मा नदीश शर्मा केलाश शर्मा सुमित्रा चौहान सोनीपत से हरियाणा सरकार में समाज कल्याण चेयरमेन भी गोविन्दगढ पहुंची।

भूमिहीन किसानों को मिलेगा समूह लोन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ऐसे किसान जिनके पास स्वयं की कृषि भूमि नहीं है या जो बटाई पर खेती करते हैं ऐसे किसानों को कृषि व गैर कृषि कार्य के लिए समूह में लोन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। विनायक महिला विकास समिति के जिला समन्वयक राजकुमार कुमावत ने जानकारी दी की राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के द्वारा हमारी संस्था को 200 संयुक्त देयता समूह की परियोजना स्वीकृत की गई है जिसके तहत संस्था द्वारा भूमिहीन व बटाईदार किसानों को पशुपालन व अन्य गतिविधियों के लिए बैंकों के माध्यम से समूह में लोन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस परियोजना के तहत बैंक ऋण से वंचित कास्तकारों को ऋण सुविधा मिल पाएगी जिससे किसान अपने पशुपालन व अन्य कार्यों को आसानी से कर पाएंगे परियोजना के तहत अधिक से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जाएगा।

संक्षिप्त

सुमन राठौड़ मिसेज गणगौर 2024

मनोहरपुर, (निसं)। भारतीय संस्कृति को बढावा देने के उद्देश्य से आदिशक्ति सेवा संस्थान द्वारा भारतीय त्योहारों पर ऑनलाइन प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। इसी कडी में गणगौर पर मिसेज गणगौर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें करीब 80 से ऊपर महिलाए शामिल हुई जिस में दूजोद की सुमन राठौड को मिसेज गणगौर 2024 का विजेता चुना गया। दूसरे नंबर पर जयपुर से मनीषा पारीक रही और सांत्वना पुरस्कार इति मोदी को दिया गया।

सुमन राठौड़

ओसाफ खान बने प्रभारी

टोंक, (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग ने लोकसभा चुनाव के लिए टोंक निवासी ओसाफ खान को जयपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया है। ओसाफ खान को जयपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाने पर एआईसीसी अध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग सांसद राज्यसभा इमरान प्रतापगढी, राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, सदस्य गोरखपुर उ.प्र. राष्ट्रीय समन्वयक राजस्थान सह-प्रभारी अल्पसंख्यक इकबाल अहमद, राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, पीसीसी अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एवं अल्पसंख्यक विभाग अध्यक्ष आबिद कागजी आदि ने खुशी व्यक्त की है।

ओसाफ खान

बीसीएमओ ने विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

कोटपूतली, (निसं)। बीसीएमओ डॉ. पूरणचन्द गुर्जर ने मंगलवार को विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिये। बीसीएमओ ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर-आरोग्य परम धनम् शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नागाजी की गौर, उप स्वास्थ्य केन्द्र पूतली, कल्याणपुरा खुर्द, कंवरपुरा व मोहनपुरा आदि का निरीक्षण कर उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। जांच के दौरान अनुपस्थित मिले कर्मचारियों को नोटिस जारी किया। बीसीएमओ ने स्वास्थ्य केन्द्रों में साफ-सर्फा, ओपीडी, दवा वितरण, वार्ड समेत अनेक व्यवस्थाओं की जांच की।

साथ ही मौसमी बीमारियों को देखते हुये एएनएम व आशा सहयोगिनी को नियमित रूप से एन्टीलार्वा सर्वे करने के निर्देश दिये। साथ ही मा क्रोप्लान तैयार करने, हैड काउन्ट सर्वे करने, निर्धारित समय पर नियमित टीकाकरण किये जाने, आरसीएच रजिस्टर, आशा डायरी व ड्यू लिस्ट का नियमित रूप से संधारण किये जाने के निर्देश दिये। साथ ही फिल्ड स्टॉफ को मतदान को लेकर आमजन को 19 अप्रैल को वोट डालने के लिये प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया।

विधायक धनकड़ ने किया जनसंपर्क

पावटा, (निसं)। जयपुर ग्रामीण लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा प्रत्याशी राव राजेंद्र सिंह के समर्थन में विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने क्षेत्र के किराडोद, लाडाकाबास, भगतपुरा, गुढा, तुलसीपुरा, छानी, भोजावास, राजनौता एवं सुन्दराला में जनसंपर्क कर वोट की अपील की। इस दौरान उनका ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। धनकड ने उम्मीद जताई कि डबल इंजन की सरकार में क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने पिछले दस सालों में जो कहा वो करके दिखाया है।

श्रीराम दरबार की निकली भव्य शोभायात्रा

सांभरझील, (निसं)। गोवर्धन नाथ मंदिर से शाम 4:15 बजे महंत जुगल दास महाराज के सानिध्य व विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के संयुक्त तत्वाधान में श्री राम जन्मोत्सव के उपलक्ष में मंगलवार को भगवा ध्वज के साथ श्री राम दरबार की शोभायात्रा बडा बजार, छोटा बाजर, सीता सागर रोड होते हुए न्यू मार्केट, पांच बत्ती चौराहा व तेली दरवाजा मार्ग पंहुची, जहां पर पुष्प वर्षा से प्रभु श्रीराम शोभायात्रा का अभिनंदन किया। अनेक जगहों पर विभिन्न समाज के लोगों ने शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को मिल्क रोज व शरबत पिलाया। शोभायात्रा कि आयोजकों की ओर से महिला शद्धालुओं का खास ख्याल रखा गया। शोभायात में जीवंत झांकियों का प्रदर्शन खास आकर्षण रहा। शोभायात्रा की व्यवस्था में प्रमुख रूप से शाकंभरी युवा संगठन के अध्यक्ष विजय प्रजापत, एडवोकेट, पवन दास महाराज सुनील शर्मा, देवेंद्र कुमार भार्गव, दिनेश शर्मा (कारपेंटर), हीरालाल तंवर, बनवारी सिंघानिया, विकास शर्मा, मनीष सूटवाल, कैलाश आदि की भूमिका रही।

हरीश मीणा ने कांग्रेस चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया

टोक, (निसं)। जिला कांग्रेस कमेटी में टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन विधिवत रूप से किया गया। जिसमें कांग्रेस के टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा प्रत्याशी हरीश मीणा ने फीता काटकर उद्घाटन किया। मीणा ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि चुनाव कार्यालय का संचालन इसलिए किया जाता है कि पार्टी की सम्बन्धित गतिविधियां यहां से सुचारू रूप से चल सके। कांग्रेस पार्टी देश के हालात को देखते हुए विचारधारा पर चुनाव लड रही है।

उन्होने कहां कि कांग्रेस के कई स्टार प्रचारक द्वारा टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा क्षेत्र में जनसभा व रोड-शो किया जायेगा। कांग्रेस पार्टी ने कभी नहीं कहा कि हम भाजपा मुक्त देश बनायेंगे। जबकी 400 पार कांग्रेस की सरकारे भी रही है लेकिन देश के प्रधानमंत्री व भापजा के कई नेताओं ने भरी सभा में कांग्रेस मुक्त बनाने की बात कही है। इस मौके पर पीसीसी सदस्य सऊद सईदी,

कांग्रेस के टोंक-सवाईमाधोपुर लोकसभा प्रत्याशी हरीश मीणा ने चुनाव कार्यालय का फीता काटकर उद्घाटन किया।

रामबिलास चौधरी, सभापति अली अहमद, जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा, टोंक प्रभारी महेश शर्मा, सुनील बंसल, संरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष हसराज फागणा, नईम आपोलो, एड. सी.पी श्रीवास्तव, जेबा खान, खालिद खान, धर्मेन्द्र सालोदिया, सुभाष मिश्रा, हसंराज गाता, रामदेव गुर्जर, शैलेष गुर्जर, हंसराज गुजंल, पंकज यादव इत्यादि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा व मोदी जब तक है, आरक्षण को कोई आंच नहीं आने दी जायेगी : विनय सहस्त्रबुद्धे

टोंक, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी जिला टोंक के मीडिया सेंटर का उद्घाटन लोकसभा चुनाव हेतु राजस्थान के प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने फीता काटकर किया। उद्घाटन से पूर्व हेलीपेड पर जिलाध्यक्ष अजीत सिंह मेहता, लोकसभा संयोजाक नरेश बंसल ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इसके पश्चात लोकसभा प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने मीडिया सेंटर पर प्रेस वार्ता में पत्रकारों से संवाद किया तथा मोदी सरकार की योजनाओं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। आरक्षण पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए उन्होंने कहां की भारतीय जनता पार्टी आरक्षण को समाज सुधार की दृष्टि से देखती है और आवश्यक मानती है। उन्होंने कहां की भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी जब तक है तब तक आरक्षण को कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। उन्होने कांग्रेस और अशोक गहलोत द्वारा संकल्प पत्र पर उठाये सवालों का जवाब देते हुए

राजस्थान के प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने भाजपा जिला टोंक के मीडिया सेंटर का उद्घाटन किया।

कहां की उनका घोषणा पत्र 35 सालो से वही बना रहे, जो आज बना रहे जबकि भारतीय जनता पार्टी अपने संकल्प पत्र को जनता की राय से तैयार करती है। उन्होंने कहां कि कांग्रेस कुछ भी कहती रहे उनको गंभीरता से कोई नहीं लेता। विनय सहस्त्रबुद्धे ने कहां की मोदी सरकार ने देश के सामने अगले 25 सालों का विजन रखा है और ये विजय ही हमारा संकल्प है, हमारे संकल्प पत्र में गरीब, किसान, पिछडे, अनुसूचित जाती, जनजाती, कारीगर, छोटे उद्यमी, युवा, महिला सहित सभी के हितों का ख्याल रखा गया है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी टोंक के जिला मीडिया प्रभारी राहुल शर्मा ने का प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के सभी साथियो का आभार प्रगट किया। समारोह में जिला प्रमुख सरोज बंसल महावीर, पंडित महावीर शर्मा, सफाई कर्मचारी आयोग के पूर्व सदस्य दीपक संगत, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष राजकुमारी शर्मा, मण्डल अध्यक्ष शैलेन्द्र जैन, राजेश शर्मा, रमेश गढ़वाल, प्रधान खैमराज मीणा, ओम पांडे जयनारायण वर्मा, बाबूलाल गुंसारिया, महिला मोर्चा की पूर्व जिलाध्यक्ष बीना जैन छामुनिया, सोशल मीडिया संभाग सयोंजक जूली शर्मा बाबूलाल शर्मा, पार्षद बादल साहू, विष्णु चावला, राधेश्याम चावला, चौथमल विजय,राजेंद्र मेहरा शिवराज चावला, नरेंद्र अजमेरा, गुड्डू चावला मौजूद रहें।

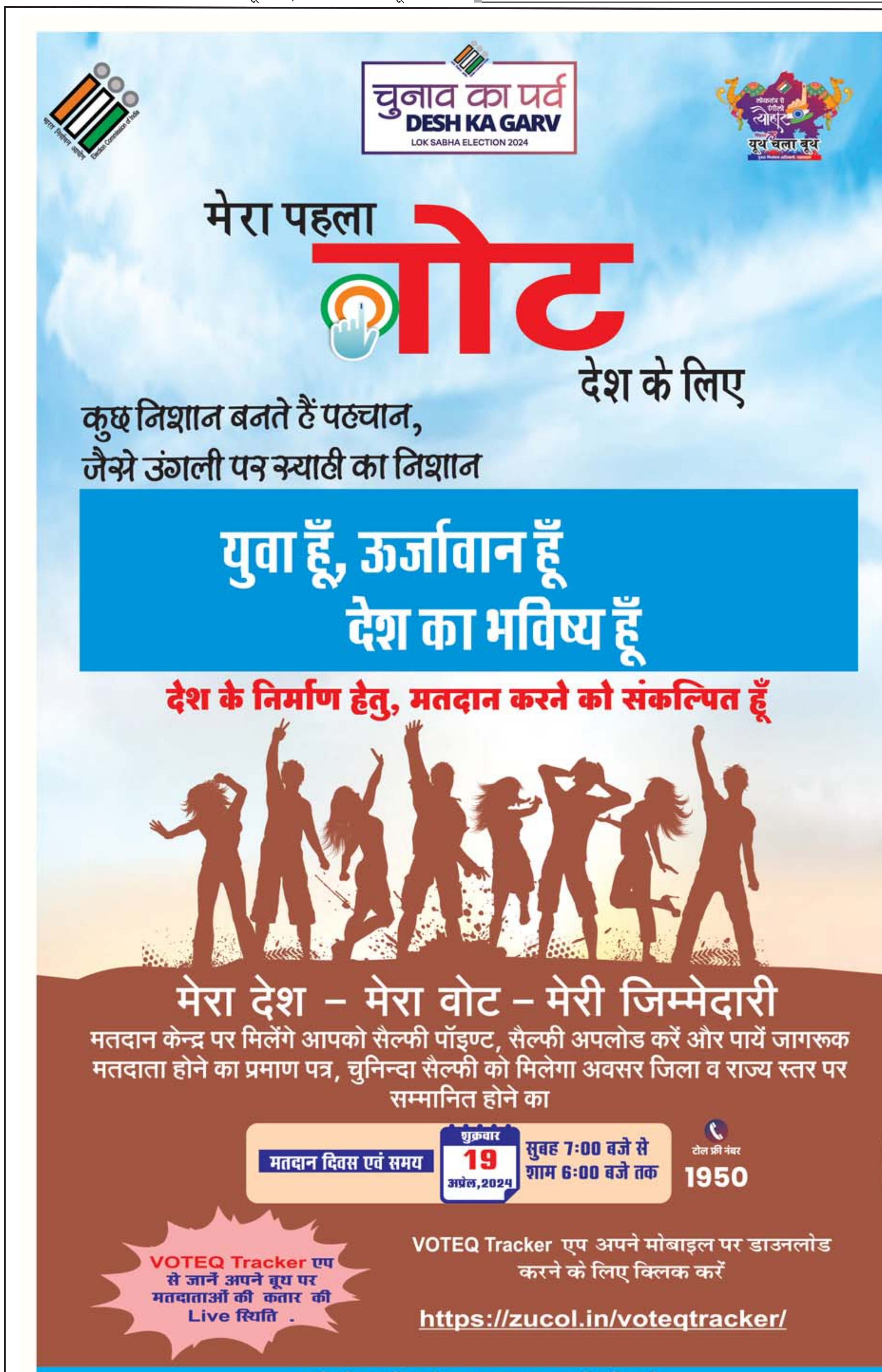

आईपीएल से पहले भी रियान ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसके बाद अब वह राजस्थान रॉयल्स में भी अपनी उपयोगिता साबित कर चुके हैं। रियान एक साल के अंदर भारत के लिए डेब्यू कर लेंगे। **–इरफान पठान**

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, आरआर के रियान पराग के हालिया प्रदर्शन पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ग्लेन मैक्सवेल

आरसीबी के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2024 सीजन से हटने का फैसला लिया है। मैक्सवेल ने ब्रेक लेने का फैसला किया है। जिससे फैंस हैरान हैं। बता दें कि मैक्सवेल ने सोमवार रात सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी भाग नहीं लिया था। वहीं मैच के बाद उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ब्रेक का खुलासा किया। बता दें कि, मैक्सवेल को इस सीजन खराब फॉर्म की वजह से काफी आलोचना का सामना करना पड़ा है। के खिलाफ मैच में तो उन्हें प्लेइंग 11 में भी जगह नहीं मिली।

क्या आप जानते हैं ?... बेसबॉल में औसतन 108 टांके होते है क्रिकेट बाल में 65 से 70 के बीच तथा फुटबॉल में 642 से अधिक टांके लगाये जाते हैं।

बटलर के शतक से राजस्थान रॉयल्स ने 224 रन चेज किए

रोमांचक मुकाबले में कोलकाता को 2 विकेट से हराया, सुनील नारायण का शतक बेकार

ईडन गार्डन्स, 16 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने कोलकाता नाइट को 2 विकेट से हरा दिया। जोस बटलर की सेंचुरी की मदद से टीम ने 20 ओवर में 224 रन चेज कर दिए, यह इतिहास के सबसे सक्सेसफुल रन चेज की बराबरी है। इससे पहले ने ही 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 का टारगेट चेज किया था। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। कोलकाता ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 223 रन बनाए। सुनील नरेन ने 56 बॉल पर 109 रन बनाए। राजस्थान ने 20 ओवर खेलकर 8 विकेट के नुकसान पर 224 रन बना दिए। जोस बटलर ने ने 59 बॉल पर नॉटआउट 107 रन बना दिए।

सुनील नारायण 109 रनों की तूफानी शतकीय पारी की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 31वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 224 रनों का लक्ष्य दिया हैं। आज यहां ईडन गार्डंस में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 10 रन का विकेट गवां दिया। फिल को आवेश खान ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। उसके बाद सुनील नारायण ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिये 85 रन जोड़े।

11वें ओवर में कुलदीप सेन ने अंगकृष रघुवंशी को आर अश्विन के हाथों कैच आउट करा दिया। रघुवंशी ने 18 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 30 रन बनाये। कप्तान श्रेयस अय्यर 11 रन को यजुवेन्द्र चहल ने पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। आंद्रे रसल 13रन बनाकर आउट हुये। सुनील नारायण ने 16वें ओवर में 49 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। सुनील नारायण ने 109 रनों की पारी में 13 चौके और छह छक्के लगाये। उन्हें 18वें ओवर में बोल्ट ने बोल्ड आउट किया। वेंकटेश अय्यर आठ रन बनाकर आउट हुये। रिंकू सिंह नौ गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाकर 20 रन बनाकर नाबाद रहे।

प्राचीन खेलों की जन्मस्थली यूनान में पेरिस ओलंपिक की लौ जलाई

26 जुलाई से शुरू होंगे गेम्स, ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू सेरेमनी में मौजूद

पेरिस, 16 अप्रेल। पेरिस ओलिंपिक 2024 की मशाल मंगलवार को ग्रीस के ओलंपिया में जलाई गई। इस मशाल को सूर्य की किरणों से जलाया जाता है। आज से पूरे विश्व में मशाल की यात्रा शुरू हो जाएगी। आखिर में यह पेरिस में जा कर रुकेगी। इसे ग्रीक एक्ट्रेस मैरी मीना ने जलाया। पेरिस ओलिंपिक में 100 दिन बचे हैं। पेरिस ओलिंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच होना है। यह सेरेमनी (ओलिंपिक प्लेम लाइटिंग सेरेमनी) मंगलवार को इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के अध्यक्ष थॉमस बाक की अध्यक्षता में हुई। इस दौरान ग्रीस की राष्ट्रपति कैटरीना एन सकेलारोपोलू भी मौजूद रहीं। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के तत्वावधान में पहला ओलिंपिक 1896 में हुआ। जो एथेंस के पैनाथेनिक स्टेडियम में खेला गया। साल 1928 में नीदरलैंड्स के एम्सटर्डम में आयोजित ओलिंपिक से मशाल जलाने का विचार आया। 1936 में बर्लिन (जर्मनी) ओलिंपिक गेम्स से ओलिंपिक रिले की शुरुआत हुई। ओलिंपिक लौ प्राचीन और आधुनिक खेलों को जोड़ने की एक कड़ी मानी जाती है। पेरिस ओलिंपिक में ट्रैक इस बार बैंगनी कलर का होगा। सामान्य रूप से ट्रैक लाल कलर में होता है। टोक्यो में हुए ओलिंपिक गेम्स में ट्रैक लाल कलर का था।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज माइकल स्लेटर को नहीं मिली जमानत, कोर्ट में हुए बेहोश

ऑस्ट्रेलिया, 16 अप्रेल। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज पूर्व क्रिकेटर माइकल स्लेटर मंगलवार को जमानत याचिका खारिज होने के बाद कोर्ट में बेहोश हो गए। 54 वर्षीय क्रिकेटर को क्वींसलैंड राज्य के कोर्ट में अपने पैरों पर वापस खड़ा होने के लिए मदद का सहारा लेना पड़ा। स्लेटर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। उनके ऊपर गैरकानूनी तरीके से पीछा करना, डराना, मारपीट, रात में किसी इरादे से घर में घुसना, शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला हमला और दम घोंटने जैसे आरोप शामिल हैं। वहीं जमानत के लिए आवेदन किए जाने के बाद भी माइकल स्लेटर के खिलाफ पुलिस के आरोपों को तहत अदालत में सुनवाई हुई। स्लेटर पिछले पांच दिसंबर से 12 अप्रैल के बीच कई तारीखों पर सनशाइन तट पर कथित अपराधों के कुल 19 आरोपों में घिरे हैं। स्थानीय पुलिस ने कई दिनों तक कथित घरेलू हिंसा की घटनाओ के बाद पिछले शुक्रवार को सनशाइन तट पर नूसा हेड्स से 54 वर्षीय स्लेटर को गिरफ्तार करने की पुष्टि की। फॉक्स स्पोर्ट्स के मुताबिक, स्लेटर के कुछ कथित हिंसक कृत्य वहां पर महिला की संपत्ति पर लगे सीसीटीव कैमरे में भी कैद हुए हैं। स्लेटर पर जमानत का उल्लंघन करने और घरेलू हिंसा आदेश का उल्लंघन करने के 10 आरोप भी लगाए गए हैं। हालांकि, ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने कहा कि स्लेटर ने अदालत में सभी आरोपों से इनकार किया है। स्लेटर की जमानत अर्जी खारिज होने के बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और उनके मामले को 31 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

छक्के जड़ने में हैदराबाद के हैनरिक और चौकों में विराट है अव्वल

बेंगलुरु, 16 अप्रेल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में छक्के लगाने में सनराइजर्स हैदराबाद के हैनरिक क्लासन ने सर्वाधिक 24 छक्के लगाये है वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली 35 चौके के साथ शीर्ष पर है। आईपीएल के 30 मैचों के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के छह मैचों में क्लासन ने सबसे अधिक 24 छक्के लगाये है। रॉयल चैलेंजर्स के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली 35 चौके लगाकर सबसे आगे चल रहे है। लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन 19 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर तथा हैदराबाद के अभिषेक शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिनेश कार्तिक और राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग 18-18 छक्कों के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दूबे, मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स 15-15 छक्कों के साथ चौथे स्थान पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स के सुनील नारायण और राजस्थान रॉयल्स के विराट कोहली 14-14 छक्कों के साथ संयुक्त रुप से पांचवें स्थान पर है। चौकों के मामले में विराट कोहली 35 चौकों के सबसे आगे है। उनके बाद रोहित शर्मा और ट्रैविस माइकल हेड 28-28 चौके दूसरे नंबर पर है। ऋतुराज गायकवाड़ और संजू सैमसन 25- 25 चौकों के साथ तीसरे, फाफ डु प्लेसिस 24 चौकों के साथ चौथे तथा फिल साल्ट और बी साई सुदर्शन 23-23 चौकों के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। ग्लेन मैक्सवैल, यशस्वी जयसवाल, अक्षर पटेल, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, सौरभ चौहान, मयंक अठावाल, उमेश यादव, राहुल त्रिपाठी, सुमित कुमार, अजमतउल्लाह उमरजई, जयदेव उनादकट, शाहरुख खान और दर्शन नालकंडे एक-एक छक्का लगाते हुए निचले पायदान पर है।

हमें बल्लेबाजी में सुधार की जरूरत : फाफ डु प्लेसी

मुंबई, 16 अप्रेल। बीते सोमवार को सनराजइर्स हैदराबाद से मिले रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए आईपीएल के मैच में 25 रन से हारी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा कि बल्लेबाजी में कुछ गलतियों को सुधारना जरूरी है। सनराइजर्स ने इसी सत्र में बनाया अपना ही 277 रन का रिकॉर्ड तोड़ते हुए तीन विकेट पर 287 रन बना डाले। जवाब में आरसीबी सात विकेट पर 262 रन ही बना सकी। आरसीबी के कप्तान डु प्लेसी ने कहा ," इतने ज्यादा रन इस मैच में बने। विश्व रिकॉर्ड है। मैं नहीं मानता कि 270 रन का लक्ष्य भी आसान होता , यह कठिन ही होता। हमने कुछ चीजें आजमाई जो कारगर नहीं रही।" उन्होंने कहा," खेल इतना तेज रफ्तार हो गया है। हमें बल्लेबाजी में कुछ गलतियों को सुधारना होगा। पावरप्ले के बाद रनगति धीमी होने से रोकना होगा।" डु प्लेसी ने कहा, " यह मानसिक जंग भी है तो मानसिक तौर पर हमे तरोताजा रहना होगा। कई बार लगता है कि दिमाग फट जायेगा। फिलहाल हमारे लिये थोड़ा कठिन है।

सात महीने में चार खिताब, कोलकाता के 'बिग थ्री' की सफलता का बड़ा असर होगा : चौबे

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि कोलकाता के 'बिग थ्री' - मोहन बागान, ईस्ट बंगाल और मोहम्मडन स्पोर्टिंग - की सफलता का सिर्फ राज्य फुटबॉल पर ही व्यापक प्रभाव नहीं पड़ेगा बल्कि इसका देश में खेल पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सात महीने में चार खिताब और 'भारतीय फुटबॉल का मक्का' कहा जाने वाला कोलकाता सोमवार को यहां खचाखच भरे सॉल्ट लेक स्टेडियम में मुंबई सिटी एफसी पर 2-1 की जीत के बाद मोहन बागान के पहली बार इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की 'लीग विजेता शील्ड' जीतने का जश्न मना रहा है। चौबे ने पीटीआई से कहा, "आईएसएल शील्ड, आईलीग ट्रॉफी, सुपर कप और डूरंड कप को पश्चिम बंगाल में लाना राज्य में नए जमाने के फुटबॉल और इन क्लबों का फुटबॉल के नए मानदंडों के अनुकूल होने का संकेत है।"

उन्होंने कहा, "कोलकाता के तीन दिग्गजों को पश्चिम बंगाल, भारत और विश्व स्तर पर प्रशंसकों का भारी समर्थन हासिल है। मुझे यकीन है कि मोहन बागान और ईस्ट बंगाल की सफलता, और साथ ही मोहम्मडन स्पोर्टिंग के अगले सत्र में आईएसएल में शामिल होने से भारतीय फुटबॉल पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा।" इसकी शुरुआत मोहन बागान ने पिछले साल तीन सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल को 1-0 से हराकर 23 साल में अपने पहले डूरंड कप खिताब के साथ सत्र शुरू करके की।

वेस्ट जर्मनी को 1974 का विश्व कप दिलाने वाले खिलाड़ी बर्नड होलजेनबीन का निधन

फ्रैंकफर्ट, 16 अप्रेल। पश्चिम जर्मनी की 1974 विश्व कप जीत के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ फाइनल में महत्वपूर्ण पेनल्टी दिलाने वाले फुटबॉलर बर्नड होलजेनबीन का सोमवार को निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। होलजेनबीन के पूर्व क्लब एंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उनका सोमवार को निधन हो गया, वह अपने परिवार के साथ थे। हालांकि इसमें इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी गयी है। क्लब ने सोशल मीडिया पर कहा, "हमारे सबसे महानतम खिलाड़ियों में से एक का निधन हो गया। होलजेनबीन ने पश्चिम जर्मनी के लिए 40 मैच खेले लेकिन उन्हें 1974 में विश्व कप फाइनल में नीदरलैंड पर जीत में निभाई।

मोहन बागान ने पहला लीग शील्ड जीता, फाइनल में मुंबई सिटी को दी मात

मुंबई, 16 अप्रेल। मोहन बागान ने मुंबई सिटी एफसी को 2-1 से हराकर पहली आईएसएल लीग शील्ड जीत ली। लिस्टन कोलासो ने 28वें और जैसन कमिंस ने 80वें मिनट में मोहन बागान के लिये गोल दागे। मुंबई सिटी एफसी के लिये एकमात्र गोल लालियांजुआला छांगटे ने 89वें मिनट में किया। यह दो बार की विजेता मुंबई पर मोहन बागान की पहली जीत थी। इस जीत से बागान को पहली बार एएफसी चैम्पियंस लीग 2 में भी पहली बार जगह बना ली। इसके साथ ही लीग चरण के मुकाबले खत्म हो गए और अब 19 अप्रैल से छह टीमों का प्लेआफ होगा। शीर्ष दो टीमें मोहन बागान और मुंबई सिटी सीधे सेमीफाइनल खेलेंगी जबकि तीसरे से छठे स्थान पर रही गोवा, ओडिशा, केरला ब्लास्टर्स और चेन्नइयिन एफसी नॉकआउट प्रारूप में एकल चरण के प्लेआफ खेलेंगी। आईएसएल फाइनल चार मई को होगा। मोहन बागान की हौसलाअफजाई के लिये आईपीएल की लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल भी मौजूद थे।

आरसीबी का स्टार खिलाड़ी होने के नाते मैक्सवेल दबाव में था, ब्रेक का फैसला सही : रिकी पोंटिंग

नयी दिल्ली, 16 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने मंगलवार को ग्लेन मैक्सवेल के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए कहा कि लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्टार खिलाड़ी होने का दबाव उन पर हावी हो गया और उन्होंने खेल से अनिश्चिकालीन 'मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य' ब्रेक लेकर सही फैसला किया। मैक्सवेल ने अपने करियर में दूसरी दफा इस तरह का ब्रेक लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस चरण में लगातार कम स्कोर के बाद इस आस्ट्रेलियाई आलरांउडर ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में आराम दिये जाने के बारे में कहा। पोंटिंग ने पीटीआई से कहा, "आरसीबी की टीम में ग्लेन जैसे खिलाड़ी का होना, वह विराट कोहली के साथ टीम का बड़ा खिलाड़ी है जिससे उस टीम में खेलते हुए इन दोनों खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। अगर वे अच्छा नहीं करते और नतीजे अच्छे नहीं आते तो दबाव होता है। "

आरसीबी इस समय 10 टीम की तालिका में सात मैच में छह हार से अंतिम स्थान पर चल रही है। पोंटिंग ने कहा, "अगर आप देखो कि टूर्नामेंट में उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है तो दबाव व्यक्तिगत खिलाड़ी पर भी आ जाता है। मैंने आज सुबह वो लेख देखा कि ग्लेन हटना चाहते हैं। " पोंटिंग ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति का दबाव से निपटने का अपना तरीका होता है। उन्होंने कहा, "प्रत्येक व्यक्ति अलग तरह का होता है। कुछ खिलाड़ी खेलते रहना चाहते हैं और फिर वे रन बना लेते हैं जबकि कुछ पीछे हटकर ब्रेक ले लेते हैं। पोंटिंग को लगता है कि टीम के कोच के लिए एक खिलाड़ी के मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, "इसलिये ही बतौर कोच आपको वास्तव में बहुत ही समझदार होना होता है क्योंकि आपको खिलाड़ी के स्वास्थ्य के बारे में सबसे पहले सोचना होता है। " पोंटिंग को लगता है कि शीर्ष खिलाड़ियों के लिए अपने परिवार को साथ रखना महत्वपूर्ण है क्योंकि वे उनकी सफलता और असफलता का केंद्र होते हैं।

ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक शैली से निपटने के लिए बेहतर पासिंग और तालमेल की जरूरत : रूपिंदर पाल सिंह

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। भारतीय पूर्व ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ रूपिंदर पाल सिंह को लगता है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेहतर रक्षात्मक तालमेल और बेहतर पासिंग से आस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली से निपट सकती है।

हाल में भारत को पर्थ में हुई पांच टेस्ट की सीरीज में आस्ट्रेलिया से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। यह दौरा भारत के लिए निराशाजनक रहा जबकि इससे पहले टीम ने एफआईएच प्रो लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम से जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक से बेहतर या इसके बराबरी वाले प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की 2014 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य सिंह हालांकि आस्ट्रेलिया के खिलाफ इस नतीजे से ज्यादा चिंतित नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम प्रत्येक मैच के साथ सुधार करती गयी।

रुपिंदर सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, "हम पहला मैच 5-1 से हारे लेकिन इसके बाद टीम ने सुधार किया और स्कोर बराबरी का रहा। हमने कुछ मौके गंवाये जिसे देखते हुए ओलंपिक से पहले कुछ काम करने की जरूरत है। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए थी जिसमें नये वैरिएशन और खिलाड़ियों को आजमाया गया था।" उन्होंने सुझाव दिया, "आस्ट्रेलिया से निपटने के लिए उच्च स्तर के तालमेल की जरूरत है जिसमें डिफेंडर से डिफेंडर तक गेंद ट्रांसफर, मिडफील्ड में डिफेंडरों के तेज पास, ऊपर के पास इस तरह की शैली से निपटने के लिए फायदेमंद हो सकते हैं।

दीपिका सोरेंग हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड दीपिका सोरेंग वर्ष के उभरते खिलाड़ी के लिए प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया असुंता लाकडा पुरस्कार से सम्मानित किया है। पुरस्कार से सम्मानित किये जाने पर दीपिका सोरेंग ने हॉकी इंडिया का हार्दिक आभार व्यक्त किया। दीपिका को वर्ष 2023 के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिय इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने महिला जूनियर एशिया कप में टीम के लिए पदार्पण करते हुए छह मैचों में सात गोल दागकर टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद की और टूर्नामेंट में टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाडी के रूप में उभरीं। पुरस्कार मिलने के बाद दीपिका ने कहा, मुझे यह सम्मान देने के लिए मैं हॉकी इंडिया का आभार व्यक्त करती हूं। जब मेरे नाम की घोषणा की गई तो यह मेरे और मेरे परिवार के लिए एक यादगार पल था। पुरस्कार राशि और पुरस्कार जीतना बहुत बड़ी बात है। यह मुझे और भी बेहतर प्रदर्शन करने और देश को गौरवान्वित करने का साहस, ताकत और प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पिछले वर्ष में बहुत प्रगति की है और इसका श्रेय सहायक स्टाफ, कोच और टीम के साथियों को जाता है जिन्होंने लगातार मेरा मार्गदर्शन किया। जब भी मुझे संदेह हुआ तो उन्होंने बहुमूल्य सुझाव दिए और मुझे खुद को साबित करने का मौका भी दिया। उन्होंने कहा कि अपनी टीम के भीतर विश्वास रखना महत्वपूर्ण है और खुद को अभिव्यक्त करने के लिए जगह महसूस करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है और ऐसे शानदार माहौल में रहना मेरे लिए एक उल्लेखनीय अनुभव रहा है। उल्लेखनीय है कि दीपिका को हाल ही में 33 सदस्यीय राष्ट्रीय महिला टीम कोर ग्रुप में नामित किया गया था जो 16 मई तक बेंगलुरु के साई में प्रशिक्षण ले रही है।

राष्ट्रीय यूथ बास्केटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान ने जीता स्वर्ण पदक

फाइनल मुकाबले में पंजाब को 77-85 से पराजित कर जीता खिताब

जैसलमेर, 16 अप्रेल। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ द्वारा 38 वी यूथ राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन पांडिचेरी में 9 से 15 अप्रैल तक किया गया जिसमें राजस्थान बालक वर्ग की टीम ने पंजाब को फाइनल मुकाबले में 77-85 अंकों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया।

जिला खेल अधिकारी एवं राजस्थान टीम के मुख्य प्रशिक्षक राकेश बिश्नोई ने बताया कि यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम ने फाइनल मुकाबले में पंजाब को 77-85 अंकों से पराजित कर खिताब अपने नाम किया एवं नेशनल प्रतियोगिता के मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर का खिताब राजस्थान के लोकेश शर्मा को मिला। बिश्नोई ने बताया कि इससे पूर्व राजस्थान टीम ने यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2018 में बास्केटबॉल प्रशिक्षक राकेश बिश्नोई के निर्देशन में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था एवं गत वर्ष कांस्य पदक प्राप्त किया था।

इस वर्ष खेलो इंडिया नेशनल यूथ गेम्स 2023 कोयंबटूर तमिलनाडु में 21 से 25 जनवरी तक आयोजित की गई जिसमें राजस्थान टीम ने रजत पदक प्राप्त किया एवं जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप भुवनेश्वर उड़ीसा में 4 से 11 फरवरी तक आयोजित की गई जिसमें राजस्थान टीम ने रजत पदक प्राप्त किया एवं 9 से 15 अप्रैल पांडिचेरी में यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया तीनों ही प्रतियोगिताओं में राजस्थान टीम के मुख्य प्रशिक्षक राकेश बिश्नोई रहे। पांडिचेरी यूथ नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम में जैसलमेर बास्केटबॉल अकादमी से संस्कार सैनी, मनीष कुमार माल, भूपेंद्र सिंह राठौड़ एवं गेमर सिंह ने शानदार प्रदर्शन किया।

'हार्दिक पंड्या पर मंडरा रहा विश्व कप नहीं खेलने का खतरा'

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का नेतृत्व कर रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दरअसल, हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। टीम ने अब तक 6 में से महज 2 मैच जीते हैं। साथ ही पंड्या खुद भी अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी के कारण फ्लॉप दिख रहे हैं।

वहीं अब उनके ऊपर इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। ये बात भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की मीटिंग में भी साफ कर दिया गया है। इस साल टी20 वर्ल्ड कप अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेला जाएगा। ये टूर्नामेंट जून में खेला जाएगा। ये मीटिंग चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर, रोहित शर्मा, राहुल द्रविड़ समेत बीसीसीआई के बाकी सदस्यों के बीच हुई। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, सेलेक्टर्स की पैनी नजर सिर्फ हार्दिक पंड्या की गेदंबाजी पर है। मीटिंग 2 घंटे तक चली, जिसमें महज तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर्स को लेकर चर्चा हुई।

अब हमारे लिए हर मैच सेमीफाइनल की तरह है : एंडी फ्लावर

सनराइडर्स हैदराबाद के खिलाफ हार पर बोले कोच एंडी फ्लावर

बेंगलुरु, 16 अप्रेल। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सात मैच में अपनी टीम की छठी हार के बाद स्वीकार किया कि बचे हुए सात में से प्रत्येक मैच को अब सेमीफाइनल की तरह ही खेला जायेगा। आरसीबी को सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद से 25 रन से हार का सामना करना पड़ा।

फ्लावर ने 'आरसीबी गेम डे' पर कहा, "यह निश्चित रूप से नॉकआउट का समय है और प्रत्येक मैच को हम अब सेमीफाइनल की तरह ही लेंगे। लेकिन हमें सोचना होगा कि हम मजबूत वापसी करें। " सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आरसीबी के दिशाहीन गेंदबाजों के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर आईपीएल का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया। फ्लावर ने स्वीकार किया कि यह उनकी टीम के लिए मुश्किल रात थी। उन्होंने कहा, "मैदान पर यह वास्तव में मुश्किल रात रही क्योंकि उन्होंने इतनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। " लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के लिए दिनेश कार्तिक ने 35 गेंद में 83 रन और कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 28 गेंद में 62 रन बनाये।

फ्लावर ने कहा, "हमने क्रीज पर बल्ले से जिस तरह का जज्बा दिखाया, उस पर मुझे बहुत गर्व है। हमने मैच गंवा दिया लेकिन हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उस पर गर्व है। " इंग्लैंड के पूर्व कोच ने कार्तिक की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ायी, उसे देखते हुए अगर इस विकेटकीपर बल्लेबाज को भारत की टी20 विश्व कप टीम में चुन लिया जाता है तो हैरानी की बात नहीं होगी।

उन्होंने कहा, "दिनेश कार्तिक अपनी बल्लेबाजी से भारत की विश्व कप टीम के लिए खुद की दावेदारी पेश कर रहा है और मैदान पर बेहतर से बेहतर ही होता जा रहा है। " आरसीबी अब 21 अप्रैल को ईडन गार्डन्स पर कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल की माँ की मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत भरतपुर के आर.बी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहाँ वो आई.सी.यू. में भर्ती हैं। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विवेक भारद्वाज ने कहा कि, मुख्यमंत्री की माँ को लम्बे समय से साँस में तकलीफ, ब्लड प्रेशर एवं थायरॉयड की शिकायत रही है।

मु.मंत्री भजनलाल शर्मा की मां की अचानक तबीयत खराब

- आर.बी.एम. अस्पताल के आई.सी.यू. में भर्ती किया।
- वरिष्ठ फ़िज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज की टीम मुख्यमंत्री की मां की देखरेख कर रही है।
- मुख्यमंत्री के माता-पिता भरतपुर के जवाहर नगर में रहते हैं। उनकी मां को सांस लेने में तकलीफ के साथ रक्तचाप व थॉयरॉइड की भी समस्या है।

भरतपुर, 16 अप्रेल (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां की अचानक तबियत खराब होने पर उन्हें भरतपुर के आर.बी.एम. अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मु.मंत्री की मां गोमती देवी को सांस लेने में तकलीफ बताई गई है। सीनियर चिकित्सकों की टीम, वरिष्ठ फ़िज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज की देख रेख में मुख्यमंत्री की मां की देखभाल कर रही है।

फिलहाल वे अस्पताल के आई.सी.यू. में भर्ती हैं।

अधीक्षक डॉ. नगेन्द्र भदौरिया एवं वरिष्ठ फ़िज़ीशियन डॉ. विवेक भारद्वाज ने बताया कि, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां को लम्बे समय से सांस, ब्लड प्रेशर एवं थायराइड की परेशानी रही है। उन्हें बुखार एवं सांस लेने में परेशानी होने पर राजकीय आर.बी.एम. अस्पताल के आई.सी.यू. वॉर्ड में भर्ती किया गया है।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मां गोमती देवी एवं पिता किशन स्वरूप शर्मा भरतपुर में जवाहर नगर कॉलोनी में रहते हैं।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा लोकसभा चुनाव को लेकर दो दिन पहले भरतपुर के दौरे पर आए थे और सोमवार को भरतपुर के बाजार में भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के समर्थन में रोड शो करने के बाद जयपुर चले गए थे।

अमेठी से भी चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी?

27 अप्रैल को राहुल गांधी अमेठी से नामांकन भर सकते हैं। इस सीट के लिए 26 अप्रैल से 3 मई तक नामांकन होना है

- 26 अप्रेल को वायनाड में वोटिंग के साथ ही राहुल गांधी इस सीट के चुनाव प्रचार की जिम्मेदारियों से मुक्त हो जायेंगे।
- अमेठी सीट से भाजपा ने एक बार फिर स्मृति ईरानी को टिकट दे दिया है। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी में लगातार चुनाव प्रचार में जुटी हुई हैं। ऐसे में राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते हैं तो मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।

नई दिल्ली, 16 अप्रेल। सात चरणों में होने वाले लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी दम खम से जुटी हुई है। पहले चरण के लिए 19 अप्रैल को वोटिंग होनी है। कांग्रेस यूपी की 17 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ रही है। अब तक वाराणसी, सीतापुर, इलाहाबाद समेत कई सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा हो चुकी है। अभी तक कांग्रेस का गढ़ मानी जाने वाली अमेठी और रायबरेली सीट पर उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर पाई है। इन दोनों ही सीट पर उम्मीदवार कौन होगा, इसको लेकर सबकी निगाहें टिकी हुई है। वहीं कांग्रेस के सूत्रों की माने तो 27 अप्रैल को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। इस सीट पर 26 अप्रैल से 3 मई तक नामांकन होना है।

दरअसल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

वायनाड समेत केरल की सभी 20 सीटों पर दूसरे चरण यानी 26 अप्रैल को वोटिंग होनी है। कांग्रेस कैंडिडेट राहुल गांधी इस से इंडिया गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार होंगे। 2019 लोकसभा चुनाव में भी राहुल गांधी ने अमेठी के साथ साथ केरल की वायनाड सीट से चुनाव लड़ा था। हालांकि राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव हार गए थे, जबकि वायनाड सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। माना जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी इस बार भी केरल की वायनाड सीट के साथ ही उत्तर प्रदेश की अमेठी सीट से भी चुनाव लड़ सकते हैं।

अमेठी सीट से उम्मीदवारी को लेकर हो रही देरी के पीछे वायनाड सीट पर 26 अप्रैल को होने जा रही वोटिंग को भी माना जा रहा है। कांग्रेस का गढ़ होने के कारण अमेठी और रायबरेली सीट पर गांधी परिवार को ही निर्णय लेना है।

सूत्रों की माने तो अमेठी से राहुल गांधी की चुनाव लड़ने जा रहे हैं। पार्टी नेताओं की भी यही मांग है। हालांकि वायनाड चुनाव में व्यस्त होने के कारण राहुल गांधी की सहमति नहीं मिल पा रही है। वायनाड सीट पर इस बार त्रिकोणीय मुकाबला है।

'के.सी.आर. ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपनी पुत्री को रिहा करवाने के बदले में तेलंगाना में 5 सीटें जितवाने में भाजपा की मदद करेंगे। उनकी पुत्री कविता दिल्ली शराब घोटाले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

रेड्डी ने एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बी.आर.एस. और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच एक डील हुई है, जिसके तहत राव अपनी पुत्री की रिहाई को लेकर भाजपा के लिए तेलंगाना की पाँच लोकसभा सीटों पर जीत सुनिश्चित करेंगे।

इसीलिए, रेड्डी ने जिन पाँच सीटों का नाम लिया, वहाँ बी.आर.एस. नेताओं की चुनाव प्रचार से अनुपस्थिति सुस्पष्ट थी।

वास्तव में ये लोग पर्दे के पीछे गुप्त रूप से भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रचार कर रहे हैं।

रैवन्त रेड्डी ने कहा कि "हमने विधानसभा चुनाव में गडवाल में यादव समुदाय की सरिता थिरूपथियाह को मैदान में उतारा था, लेकिन भाजपा नेता डी.के. अरूणा ने बी.आर.एस. से मिलीभगत कर बी.आर.एस. के रेड्डी प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित की और अब बी.आर.एस. पाँच लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत के लिए जी-तोड़ प्रयास कर रही है, यदि सरिता जीत जाती तो आज मंत्री होती।

डॉ. पूनिया चार दिन जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र में प्रवास करेंगे

डॉ. सतीश पूनिया ने 21 अप्रैल को प्र.मंत्री की जनसभा की तैयारियां देखीं

- पूनिया ने सभा की तैयारियों के संबंध में कोर कमेटी की बैठक ली और सभास्थल जाकर तैयारियों का जायजा लिया।
- इसी बीच, 18 अप्रैल को डॉ. पूनिया बांसवाड़ा जाएंगे प्रचार के लिए और 19 को जयपुर में मतदान के बाद पुनः भीनमाल पहुंचेंगे।

जयपुर, 16 अप्रैल (का.सं.)। भाजपा हरियाणा प्रदेश लोकसभा प्रभारी एवं राजस्थान में भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का आज, 16 अप्रेल से लेकर 22 अप्रेल तक राजस्थान के विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार का कार्यक्रम है।

अपने सात दिवसीय राजस्थान प्रवास में डॉ. पूनिया जालोर-सिरोही, बांसवाड़ा और बाड़मेर लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 अप्रैल को भीनमाल (जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र) में आयोजित होने वाली आमसभा की तैयारियों को लेकर डॉ. सतीश पूनिया ने आज भीनमाल में जालौर -सिरोही लोकसभा क्षेत्र की कोर कमेटी की बैठक ली तथा मोदी की आमसभा को ऐतिहासिक बनाने के बारे में चर्चा की।

बैठक में सांसद देवजी पटेल, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, जिला अध्यक्ष श्रवण राव, सुरेश कोठारी, पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, जगसीराम कोली, पूराराम चौधरी सहित पार्टी के सभी प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री की आमसभा को लेकर डॉ. पूनिया 17 अप्रेल को सुबह 11 बजे भीनमाल में जालोर- सिरोही लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे।

डॉ. पूनिया 18 अप्रेल को बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार करेंगे। फिर 19 अप्रेल को जयपुर में मतदान कर भीनमाल के लिये प्रस्थान करेंगे, जहां वे 19 व 20 अप्रेल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा की तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मैराथन बैठकें लेकर रणनीति पर चर्चा करेंगे।

21 अप्रेल को डॉ. पूनिया भीनमाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आमसभा में शामिल होंगे, इसके बाद 22 अप्रेल को बाड़मेर लोकसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

'आयरलैण्ड में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हूँ, यह राजदूत एक "करियर डिप्लोमेट" है और इस कारणवश इसकी टिप्पणियाँ और भी ज्यादा शर्मनाक, अशोभनीय और अस्वीकारणीय हैं। उसने सेवा नियमों को तोड़ा है और उसे तुरन्त नौकरी से निकाल देना चाहिए।"

राजदूत की टिप्पणियों पर अफसोस जताते हुए कांग्रेस नेता ने आलोचना को "मोदी सरकार के प्रचलित तौर-तरीकों का अंग" बताया।

सोशल मीडिया एक्स पर राजदूत के प्रत्युत्तर को शेयर करते हुए आयरलैंड के भारतीय दूतावास ने कहा कि, "यह प्रत्युत्तर, आईरिश टाइम्स में छपे एक पक्षपाती और पूर्वाग्रही संपादकीय आलेख के जवाब में दिया गया था। आईरिश टाइम्स में छपा आलेख "मोदी टाइटन्स हिज़ ग्रिप" (मोदी ने और ज्यादा नियंत्रण किया) नामक एक संपादकीय लेख ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, भारतीय प्रजातंत्र, लॉ एनफॉर्समैंट संस्थाओं और भारत के हिन्दू बहुसंख्यकों को अपमानित किया गया था।"

लखनऊ के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभ्यर्थियों के नाम हैं। सफल अभ्यर्थियों में 347 सामान्य वर्ग के, 115 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के, 303 अन्य पिछड़ा वर्ग, 165 अनुसूचित जाति और 86 अनुसूचित जनजाति वर्ग के हैं।

सुप्रीम कोर्ट बैलट पेपर से मतदान के पक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सामान्यतया कोई मानवीय दखल नहीं होता है इसलिए वह आपको सटीक परिणाम देगी। हां, समस्या तब उत्पन्न होती है जब मशीन में मानवीय हस्तक्षेप होता है अथवा इसमें अनाधिकृत रूप से बदलाव किए जाते हैं जब वो सॉफ्टवेयर या मशीन के इर्दगिर्द होते हैं। यदि इसके खिलाफ आपके पास कोई सुझाव है तो आप हमें दे सकते हैं।"

बैंच की इसके समय को लेकर अपनी कुछ मन्तव्य कि इसमें काफी समय लगेगा, जब भूषण ने कहा कि ई.वी.एम.के माध्यम से मतदान की वर्तमान प्रणाली के तहत मतदाता को वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रैल (वी.वी.पी.ए.टी.) के द्वारा सृजित स्लीप को देखने की इजाज़त मिलनी चाहिए ताकि मतदाता को यह सुनिश्चित हो सके कि उसने जो वोट डाला उसका इंद्राज सही तरीके से हो गया है और यह उस स्लिप के संलग्न बाक्स में गिरने से पहले सुनिश्चित हो।

बैंच भूषण की इन दलीलों से प्रभावित नहीं हुई, प्रतीत हुई कि यूरोपीय राष्ट्र जैसे जर्मनी जहां पर पहले ई.वी.एम. का उपयोग किया गया था वह वापस बैल्ट पेपर से वोटिंग पर वापस लौट गया है। जस्टिस खन्ना ने इस और ध्यान खिंचा कि जर्मनी में लगभग 5 से 6 करोड़ कुल मतदाता है जबकि भारत में लगभग 97 करोड़ पंजीकृत मतदाता है। न्यायाधीश दत्ता ने भी कहा कि, "मेरे गृह राज्य पश्चिम बंगाल की ही बात करें तो उसकी भी जनसंख्या जर्मनी से काफी अधिक है। हमें पुनः किसी में भरोसा व विश्वास पुर्नस्थापित करना होगा। इस तरह से इस प्रचलित प्रक्रिया को नीचे गिराने की कोशिश नहीं करें।"

एक याचिकाकर्ता की ओर से उपस्थित वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायण ने जब यह उल्लेख किया कि वर्ष 2019 में डाले गए वोटों की गिनती में विसंगति पाई गई थी जिनकी कुछ स्थानों पर गिनती की गई थी, इस पर न्यायाधीश खन्ना ने कहा कि जब आप हाथों से गिनती करते हैं तो गिनती में संख्या भिन्न आती है।

शंकरनारायण ने कहा कि इस मामले पर गठित संसदीय समिति ने इस विसंगति का संज्ञान लिया था, परन्तु पिछले चार वर्षों से अब चुनाव आयोग ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया है।

जब बैंच ने कहा कि मुकाबले में जो प्रत्याशी हैं उन्हें मालूम होना चाहिए कि कितने वोट पड़े हैं और गणना के बाद कितने वोटों की संख्या कितनी है तो गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि वे प्रत्याशी के लिए नहीं बल्कि मतदाता के लिए आए हैं क्योंकि उसे यह जानने का मूल अधिकार है कि क्या उसने जहां वोट दिया था उसका वोट वहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि वोटर अगर ऐसी कोई पूछताछ करता है तो इसे दण्डनीय अपराध माना जाता है और अगर गलत निकला तो 6 माह की कैद व जुर्माना या दोनों हो सकता है।

सुनवाई के दौरान बैंच ने चुनाव आयोग से कई सवाल किया क्या मतदान केन्द्रों पर सी.सी. टी वी कैमरा लगाए जाएंगे। आयोग ने बैंच को बताया कि 50 प्रतिशत बूथ पर सी.सी. टी वी कैमरा लगाए गए हैं।

बैंच ने यह भी पूछा कि क्या उन अधिकारियों पर कार्यवाही करने का कोई कानून है जो ई.वी.एम.में गड़बड़ करते हैं क्योंकि अगर कड़े दंड का डर नहीं होगा तो गड़बड़ी करने की संभावना बनी रहेगी। आयोग के वकील मनिंदर सिंह ने बैंच से कहा, मान लीजिए कोई गड़बड़ी हुई है तो क्या दंड निर्धारित है। यह गंभीर बात है। डर तो होना ही चाहिए कि यदि कुछ गलत हुआ है तो सजा मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स व अन्य द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें ई.वी.एम. डेटा और वी.वी.पी.ए.टी. डेटा को क्रॉस चैक करने की मांग की गई थी। अभी देश के मात्र दो प्रतिशत मतदान केन्द्रों पर ही ऐसा होता है।

सुनवाई 2 घंटा चली और अगली सुनवाई गुरूवार 18 अप्रैल को होगी।

सुरजेवाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

48 घंटे तक किसी प्रकार की सार्वजनिक सभा आयोजन नहीं करने, जुलूस, आम रैली, रोड शो नहीं करने, साक्षात्कार नहीं देने, (मीडिया इलैक्ट्रोनिक प्रिंट, सोशल मीडिया) में भी सार्वजनिक बयानबाजी करने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में 29 नक्सलियों की मौत

कांकेर के जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरु कर दी

रायपुर, 16 अप्रेल। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ एक अभूतपूर्व ऑपरेशन को अंजाम दिया। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि कांकेर जिले के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हापाटोला गांव के जंगल में एक तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान नक्सलियों की ओर से हमला किया गया जिसके जवाब में अंजाम दी गई कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने 29 नक्सलियों को मार गिराया।

बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने बताया कि सुरक्षाबलों को एक तगड़ा खुफिया इनपुट मिला था कि उत्तरी बस्तर डिवीजन के नक्सली शंकर, ललिता, राजू समेत अन्य माओवादी माओवादियों के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा और कोरोनार गांवों के मध्य हापाटोला गांव के आसपास मौजूद हैं। इस खुफिया जानकारी के बाद छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में बीएसएफ और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की संयुक्त टीम एक्टिव हुई। यह टीम तलाशी अभियान पर रवाना हुई।

यह टीम मंगलवार को दोपहर लगभग दो बजे हापाटोला गांव के जंगल में बेहद सधे कदमों से आगे बढ़ रही थी। इसी दौरान नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसमें 29 नक्सली मारे गए। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, घटनास्थल से 29 नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। नक्सलियों के पास से एके-47 राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल और 303 बंदूकों समेत भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किए गए हैं।

बताया जाता है कि मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हुए हैं। हालांकि जवानों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। गौर करने वाली बात यह कि चुनावी माहौल को देखते हुए नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में बड़ी संख्या में बीएसएफ के जवानों की तैनाती की गई थी। बताया जाता है कि ऑपरेशन में बीएसएफ और डीआरजी के बीच तगड़ा कोऑर्डिनेशन देखने को मिला। यह भी माना जा रहा है कि शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए सुरक्षाबलों के बीच इस तरह का तगड़ा तालमेल बेहद कारगर साबित होगा।

गौरतलब है कि यह घटनाक्रम छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंस से कुछ दिन पहले आया है। बस्तर लोकसभा क्षेत्र में 19 अप्रैल को पहले चरण के तहत वोट डाले जाएंगे। कांकेर में 26 अप्रैल को दूसरे चरण के तहत राजनांदगांव और महासमुंद के साथ मतदान होगा।

दिसंबर 2023 से कांकेर समेत सात जिलों वाले बस्तर रीजन में सुरक्षा बलों के साथ विभिन्न मुठभेड़ों में अब तक 68 नक्सली ढेर हो चुके हैं। सनद रहे हाल ही में एक रैली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के खात्मे की डेड लाइन दी थी।

पायलट ने मुरारीलाल मीणा के लिए चाकसू में रोड शो किया

रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी, "सचिन आई लव यू" के नारे से लोगों ने आसमान गुंजाया

- लोग पायलट की एक झलक पाने को बेताब नज़र आए, जनता ने पायलट पर जमकर पुष्प वर्षा की।
- खुली जीप में पायलट के साथ दौसा के कांग्रेस प्रत्याशी मुरारीलाल मीणा, पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी व अन्य नेता नज़र आए।
- पायलट ने जयपुर के खो नागोरियान में जयपुर शहर के प्रत्याशी प्रतापसिंह खाचरियावास के पक्ष में भी जनसभा की और जनता से उन्हें जिताने की अपील की।
- सभा में विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, पूर्व विधायक गंगा देवी, सांगानेर के प्रत्याशी पुष्पेन्द्र भारद्वाज सहित कई नेताओं ने शिरकत की।

चाकसू, 16 अप्रेल (निसं)। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने मंगलवार को कांग्रेस के दौसा लोकसभा प्रत्याशी मुरारी लाल मीणा के समर्थन में चाकसू कस्बे में रोड शो किया। रोड शो महात्मा ज्योतिबा फूले सर्किल पर ज्योतिबा फुले की प्रतिमा के माल्यार्पण एवं स्वागत सत्कार के साथ शुरू हुआ और टोंक रोड होते हुए अंबेडकर सर्किल से प्रधान कार्यालय पर जाकर खत्म हुआ।

तय समय से 2 घंटे देर से पहुंचने के बाद भी लोगों में पायलट के प्रति भारी उत्साह देखा गया। लोगों ने जब पायलट पर फूल बरसाए तो पायलट ने हाथ जोड़कर अभिवादन किया। पायलट ने जब हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया तो जनता ने "सचिन पायलट आई लव यू" के नारे लगाए।

पायलट के स्वागत के लिए रोड शो से पहले पूरे रास्ते पर कांग्रेस के पोस्टर, बैनर लगाए गए एवं जगह-जगह स्वागत द्वार तथा मंच बनाए गए, जिन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। लोग पायलट की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे और जगह जगह उनपर फूलों की बारिश की गई। सचिन पायलट के साथ खुली जीप में पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी, कांग्रेस नेता शिवप्रताप हरसाना, पालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने जयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार प्रताप सिंह खाचरियावास के समर्थन में जगतपुरा के खो नागोरीयान में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि, पूरे देश में माहौल बदल रहा है, महंगाई बेरोजगारी गरीबी के मुद्दे पर लोग कांग्रेस के साथ खड़े हो गए हैं, ऐसे में यदि राजस्थान की राजधानी से कांग्रेस उम्मीदवार जीतता है, तो देश में कांग्रेस की सरकार बनना तय है।

पायलट ने कहा कि, हम लोगों ने सामूहिक रूप से यह फैसला किया कि प्रताप सिंह खाचरियावास को जयपुर से लोकसभा का चुनाव लड़वाया जाए। उन्होंने कहा कि, प्रताप सिंह खाचरियावास की जीत सचिन पायलट सहित पूरी पार्टी की जीत होगी, जीत में हम सब की भागीदारी है। इस वक्त देश

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को चाकसू में कांग्रेस उम्मीदवार मुरारी लाल मीणा के समर्थन में रोड शो किया। करीब एक किलोमीटर के इस रोड शो के दौरान लोगों में पायलट के प्रति भारी उत्साह देखा गया, लोगों ने जगह-जगह फूल बरसाकर पायलट का स्वागत किया। पायलट ने भी उत्साहित भीड़ का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। इस अवसर पर पायलट के साथ पूर्व विधायक वेद प्रकाश सोलंकी एवं पालिका अध्यक्ष कमलेश बैरवा सहित कई नेता मौजूद थे।

लोकसभा में प्रताप सिंह खाचरियावास जैसे जनता से जुड़े नेताओं को देखना चाहता है। प्रताप सिंह खाचरियावास जीतेंगे तो जयपुर का मान सम्मान बढ़ेगा, जयपुर का मतदाता समझदार है। भाजपा की उम्मीदवार को ना तो जनता जानती है और ना ही उनका जयपुर की जनता से कोई जुड़ाव है और ना ही उनका कोई जयपुर में किसी प्रकार का योगदान है।ऐसे में प्रताप सिंह खाचरियावास की जीत से राजस्थान और देश को फायदा होगा।

पायलट ने कहा कि, "400 पार" का भाजपा का नारा फेल हो रहा है, जयपुर सहित राजस्थान में 15 सीटों पर कांग्रेस आगे चल रही है, हम निश्चित रूप से भाजपा से ज्यादा सीटें जीतने जा रहे हैं। पायलट ने लोगों से प्रताप सिंह खाचरियावास को जिताने की अपील करते हुए कहा कि, आप सब मिलकर 19 अप्रैल को कांग्रेस के पक्ष में मतदान करें।

इस अवसर पर विधायक रफीक खान, अमीन कागज़ी, गंगा देवी, अर्चना शर्मा, पुष्पेंद्र भारद्वाज आदि ने भी सभा को संबोधित किया। आज की सभा में हजारों की तादाद में नागरिकों के साथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष, वॉर्ड अध्यक्ष, पार्षद, एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908